Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 30 October 2023 ● Year : 01 ● Issue : 281 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

रिश्तों का स्वाद हर रोज बदलता रहता है। मीठा, नमकीन या खारा! बस ये इस बात पर निर्भर करता है कि, हम प्रतिदिन अपने रिश्ते में मिला क्या रहे है?

डांसिंग मेरे सच्चे जुनून मे से एक।

SHARE

सेंसेक्स	:	63,782.80
निफ्टी	:	19,047.25

SARAFA

सोना	:	5,900
चांदी	:	77.50

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

हजारीबाग में 1.2 किलो अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

HAZARIBAGH : जिले की कटकमसांडी थाना पुलिस ने रविवार को तस्करी के एक आरोपित को 1.2 किग्रा अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित तस्कर मो. मिनहाज (47) है। वह चतरा जिले के सदर थाना क्षेत्र दर्जी बिगहा का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार हजारीबाग एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अफीम तस्कर अफीम की खरीद बिक्री करने के उद्देश्य से कटकमसांडी थाना क्षेत्र स्थित बंझिया मोड़ के पास एकत्रित होने वाले है। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करने से उसे पकड़ा जा सकता है। सूचना पर डीएसपी (मुख्यालय) के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल ने कार्रवाई करते हुए बंझिया मोड़ के पास मो. मिनहाज को खदेड़ कर पकड लिया गया एवं उसके पास से एक लाल गमछी में प्लास्टिक के अन्दर हुए 1.2 किग्रा अफीम बरामद किया। एक अन्य तस्कर फरार हो गया।

श्रीनगर के ईदगाह इलाके में आतंकियों ने पुलिस इंस्पेक्टर को मारी गोली

SRINAGAR : श्रीनगर के ईदगाह इलाके में रविवार शाम को आतंकियों ने एक पुलिस अधिकारी पर गोलीबारी कर हमला कर दिया। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि आतंकियों ने ईदगाह के पास इंस्पेक्टर मसरूर अहमद पर फायरिंग की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आतंकी हमला करने के बाद मौके से भाग निकले। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की धर-पकड़ के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। श्रीनगर के ईदगाह इलाके में रविवार को अन्य दिनों के मुकाबले यहां अधिक भीड़ होती है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में बड़ी संख्या में युवा यहां क्रिकेट खेलने के लिए पहुंचते हैं। इंस्पेक्टर मसरूर अहमद भी रविवार को क्रिकेट खेलने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान आतंकी खेल मैदान में आ घुसे और गोलीबारी कर इंस्पेक्टर मसरूर को घायल कर दिया।

इजराइल के कई शहरों में दागे गए रॉकेट, बजे सायरन

TEL AVIV : इजराइल की थल सेना की उत्तरी गाजा में हमास के ठिकानों पर कहर बरपाने की तीखी प्रतिक्रिया हुई है। आज मध्य इजराइल को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ रॉकेट दागे गए। इस दौरान तेल अवीव, हर्जलिया और रानाना सहित कई शहरों में खतरे के सायरन बजने लगे। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स में इस पर चर्चा की गई है। कुछ में कहा गया है कि इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के गाजा में जमीनी हमला तेज करने के बाद मध्य और दक्षिणी इजराइल को लक्ष्य कर रॉकेट दागे गए। फिलहाल इससे अभी तक किसी भी तरह की मानवीय क्षति की जानकारी नहीं है। अलबत्ता आसमान पर गरजते रॉकेट देख लाखों लोग सुरक्षित आश्रय स्थलों की ओर भागते दिखाई दिए। इस बीच आईडीएफ ने फिर कहा है कि उसकी थल सेना ने उत्तरी गाजा में हमास के ठिकानों पर हमला तेज कर दिया है। यह युद्धक्षेत्र है। इसलिए यहां के लोग फौरन इस क्षेत्र को खाली कर अन्यत्र चले जाएं। इसके अलावा हवाई हमला भी साथ-साथ चल रहा है।

भारत की लगातार छठी जीत : वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को 20 साल बाद हराया, डिफेंडिंग चैंपियन 129 पर ऑलआउट

शमी-बुमराह की जोड़ी ने इंग्लिश टीम को दिए 7 झटके, शमी को 4 और बुमराह को 3 विकेट

AGENCY LUCKNOW : भारत ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में लगातार छठी जीत हासिल की है। टीम ने इंग्लैंड को 100 रन से हराया। टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को 20 साल बाद हराया है। टीम आखिरी बार 2003 में डरबन के मैदान पर 82 रन से जीती थी।

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में टीम इंडिया ने टॉस हारकर बल्लेबाजी की और 50 ओवर में 9 विकेट पर 229 रन बनाए। 230 रन का टारगेट चेज करने उतरी इंग्लैंड की टीम 34.5 ओवर में 129 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इंग्लिश बैटर भारतीय गेंदबाजी के सामने लड़खड़ाते नजर आए। मोहम्मद शमी ने 4 और जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट झटके। जबकि कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा

की स्पिन जोड़ी ने 3 बैटर्स को पवेलियन भेजा।

पॉइंट्स टेबल में टॉप पर आया भारत : इंग्लैंड को 100 रन से हराकर भारत पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गया। टीम सभी 6 मुकाबले जीतकर 12 अंकों के साथ नंबर-1 पर है। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम 10वें नंबर पर ही है। टीम को 6 में से एक ही मुकाबले में जीत मिली है।

230 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम की शुरूआत अच्छी रही। 4 ओवर में टीम ने 26 रन बना लिए थे, मोहम्मद सिराज के 2 ओवर में तो 18 रन बन गए। लेकिन 5वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने लगातार गेंदों पर डेविड मलान और जो रूट के विकेट लेकर भारत को ब्रेक-थ्रू दिलाया।

बुमराह के बाद अगले ही ओवर में मोहम्मद शमी बॉलिंग करने आ गए। उन्होंने ओवर में 3 रन दिए, अगला ओवर मेडन रहा। स्पेल कंटीन्यू कर रहे शमी ने 8वें ओवर की आखिरी गेंद पर बेन स्टोक्स को बोल्ड कर दिया। 9वां ओवर में बुमराह ने फिर मेडन फेंका और 10वें ओवर की पहली गेंद पर शमी ने जॉनी बेयरस्टो को बोल्ड कर दिया।

4 ओवर में 26/0 से इंग्लैंड का स्कोर 10 ओवर में 40 रन पर 4 विकेट हो गया। शमी और बुमराह ने दोनों ने 2-2 विकेट लिए। बेयरस्टो ने 14 और मलान ने 16 रन बनाए, वहीं रूट और स्टोक्स तो खाता भी नहीं खोल सके।

भारतीय टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 229 रन पर बनाए। यह भारतीय टीम का वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले टीम ने 1999 में बर्मिंघम के मैदान पर 8 विकेट पर 232 रन बनाए थे। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला लिया। भारतीय टीम से कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 87 रन बनाए। केएल राहुल ने 39 रन की पारी खेली। उनसे पहले, शुभमन गिल 9, विराट कोहली 0 और श्रेयस अय्यर 4 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लिश टीम से डेविड विली ने तीन विकेट लिए। आदिल रशीद और मार्क वुड ने 2-2 विकेट लिए।

रोहित शर्मा के 18 हजार रन पूरे : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के इंटरनेशनल क्रिकेट में 18 हजार रन पूरे हो गए हैं। रोहित ने 457वीं पारी में यह अचीवमेंट हासिल की है। वे भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 खिलाड़ियों में शामिल हो गए। इस क्लब में सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, राहुल द्राविड़ और सौरव गांगुली के नाम हैं।

विदेशी मेहमानों ने छुट्टी का जमकर उठाया लुत्फ, रांची के बाजारों में की खरीदारी

PHOTON NEWS RANCHI : वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर झारखंड की राजधानी विदेशी खिलाड़ियों से गुलजार है। रांची के मॉल में विदेशी खिलाड़ियों ने रविवार को खरीदारी की। मलेशिया और जापान के खिलाड़ी लालपुर स्थित एक मॉल में जमकर खरीदारी की।

वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए रांची पहुंचे विदेशी मेहमानों के लिए सनडे फनडे के रूप में व्यतीत हुआ। इन खिलाड़ियों ने मिलकर रविवार के दिन राजधानी के बाजार का भ्रमण किया और अपनी अपनी पसंद की चीजें खरीदीं। मलेशिया और जापान के खिलाड़ी एक निजी मॉल में शॉपिंग करने के लिए पहुंचे, जहां मॉल के लोगों ने विदेशी मेहमानों का खुले दिल से स्वागत किया।

बाजार में खरीददारी करतीं मेहमान खिलाड़ी। ● फोटोन न्यूज

मॉल में शॉपिंग के दौरान खिलाड़ी मस्ती, मजाक के मूड में नजर आए। यहां लोकल मार्केट में उन्होंने पसंद की चीजें खरीदीं। साथ ही झारखंड और आदिवासी संस्कृति से जुड़ी कई चीजें भी उन्हें खूब पसंद आईं। मॉल में सामान खरीदने पहुंचीं विदेशी खिलाड़ियों ने कहा कि उन्हें रांची पहुंचकर काफी अच्छा लगा। खिलाड़ियों ने यहां से मिट्टी का दीया और कई वस्तुओं की खरीदारी की। खिलाड़ियों के मॉल पहुंचने से पहले सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पीसीआर की गाड़ी के साथ-साथ अतिरिक्त सुरक्षा बल की भी तैनाती वहां पर की गई थी।

विदेशी खिलाड़ियों के मॉल पहुंचने पर आसपास स्थानीय लोगों की काफी भीड़ जमा हो गयी। लोग विदेशी मेहमानों की एक झलक पाने के लिए उत्सुक नजर आए। मॉल के आगे लोगों

केरल के कलामासेरी में बम विस्फोट एक की मौत, 36 से ज्यादा घायल

AGENCY KERLA : केरल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शेख दरवेश साहब ने कहा कि राज्य में एक ईसाई समुदाय के कन्वेंशन सेंटर में रविवार को हुआ धमाका आईईडी के कारण हुआ। धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा 36 अन्य घायल हुए हैं। राज्य पुलिस प्रमुख ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार विस्फोट आईईडी के कारण हुआ। उन्होंने कहा कि हम जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज सुबह नौ बजकर 40 मिनट पर कलामासेरी में जमराह इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में धमाका हुआ जिसमें हमारी सूचना के अनुसार एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा 36 लोगों का उपचार किया जा रहा है।

बहरहाल, विस्फोट की संख्या को लेकर विरोधाभासी खबरें हैं।

। ● फोटोन न्यूज

राज्य के मंत्री वी वी वसावन और एंटनी राजू ने कहा कि दो धमाके हुए जबकि एनार्कुलम से कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने कहा कि कन्वेंशन सेंटर में मौजूद उनके एक मित्र के अनुसार कई धमाके हुए। मंत्रियों ने कहा उन्होंने हमें बताया है कि शुरूआती जांच के अनुसार दो धमाके हुए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या यह आतंकवादी हमला था, इस पर डीजीपी ने कहा कि वह इस चरण में कुछ नहीं कह सकते हैं। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा जांच के बाद ही मैं जानकारियों की पुष्टि कर सकता हूं। हम सभी पहलुओं से जांच कर रहे हैं। हम यह पता लगाएंगे कि इसके पीछे कौन हैं और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने का अनुरोध किया और उनसे सोशल मीडिया पर उकसावे या घृणा वाले संदेश न फैलाने को कहा। दरवेश ने आगाह किया कि सोशल मीडिया पर उकसावे या घृणा संदेश फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि विस्फोट स्थल का दौरा करने के बाद एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया जाएगा। इस बीच, वसावन और राजू ने मीडिया को बताया कि एनआईए समेत कई केंद्रीय एजेंसी घटनास्थल पर मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह घटना धार्मिक सभा के आखिरी दिन सुबह करीब नौ बजकर 38 मिनट पर हुई और उस समय वहां करीब 2,300 लोग मौजूद थे।

राज्य के राजस्व मंत्री के। राजन समेत अन्य मंत्रियों ने कहा कि जब धमाका हुआ तो लोग आंख बंद करके प्रार्थना कर रहे थे। उन्होंने बताया कि धार्मिक सभा के लिए

गाजा में मची है लूट! राहत शिविर में आटा और खाने-पीने के सामानों पर टूट पड़े लोग

AGENCY HAMAS : फलस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने कहा है कि हजारों लोग 'आटा' और रोजमर्रा की जरूरत की अन्य वस्तुएं लेने के लिए गाजा में राहत सहायता गोदामों पर टूट पड़े। गाजा में फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के निदेशक थॉमस व्हाइट ने रविवार को कहा कि जिस तरह से लोग गोदामों पर टूट पड़े, यह चिंताजनक है, और संकेत देता है कि इजराइल और हमास के बीच तीन सप्ताह के युद्ध के बाद नागरिक आपूर्ति व्यवस्था ध्वस्त होनी शुरू हो गई है। हमास द्वारा सात अक्टूबर को इजराइल पर हमला किये जाने के बाद शुरू हुए युद्ध के तीन सप्ताह बाद, इस सप्ताहांत इजराइली टैंक और पैदल सेना ने गाजा में प्रवेश किया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसी के साथ युद्ध के ह्यदूसरे चरणह्ल की घोषणा कर दी।

संचार व्यवस्था ठप्प : गाजा में शुक्रवार को हुई अबतक की सबसे भीषण बमबारी के कारण अधिकांश संचार व्यवस्था ठप्प हो गई थी। इसकी वजह से गाजा में रहने वाले 23 लाख लोगों का दुनिया के अन्य हिस्सों से संपर्क कट गया था, लेकिन रविवार तड़के गाजा के अधिकांश हिस्सों में संचार बहाल कर दिया गया। इजराइली सेना ने रविवार को कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में 450 से अधिक आतंकी ठिकानों पर हमले किये हैं, जिनमें हमास का कमान केंद्र, निगरानी चौकियां और टैंक रोधी मिसाइल दागे जाने वाले स्थल शामिल हैं। सेना ने बताया कि उसने रात में और भी सैनिक गाजा भेजे हैं। इस एजेंसी को यूएनआरडब्ल्यूए के नाम से जाना जाता है और यह गाजा में लाखों लोगों को बुनियादी सेवाएं मुहैया करती है। क्षेत्र में इसके सभी स्कूल भवन संघर्ष से विस्थापित हुए फलस्तीनियों से खचाखच भरे हुए हैं।

खाने पीने के सामानों पर टूट पड़े लोग : यूएनआरडब्ल्यूए ने बताया कि इजराइल ने सीमित मात्रा में राहत सामग्री मिस्र की सीमा के रास्ते गाजा के अंदर जाने देने की अनुमति दी है।

आंध्र प्रदेश में भीषण ट्रेन हादसा, छह यात्रियों की मौत, 18 से ज्यादा घायल

AGENCY ANDHRA PRADESH : आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में रविवार शाम को बड़ा ट्रेन हादसा हो गया है। यहां दो रेलगाड़ियों की टक्कर हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे के बाद तीन बोगियां पटरी से उतर गईं। वहीं घटना को लेकर विजयनगरम के एसपी दीपिका ने बताया कि आंध्र प्रदेश ट्रेन दुर्घटना में 6 लोगों की मौत हो गई है, और 18 यात्री घायल हुए हैं। बता दें, पूर्वी तटीय रेलवे क्षेत्र के एक अधिकारी ने कहा कि विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर (ट्रेन संख्या 08532), विशाखापत्तनम-रायगढ़ा पैसेंजर (ट्रेन संख्या 08504) के बीच टक्कर हुई है।

घटना को लेकर विजयनगरम के एसपी दीपिका ने बताया कि आंध्र प्रदेश ट्रेन दुर्घटना में 6 लोगों की मौत हो गई है, और 18 यात्री घायल हुए हैं। मंडल रेल प्रबंधक सौरभ प्रसाद घटनास्थल पर पहुंच गये हैं और बचाव कार्य जोरों पर है। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय प्रशासन और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को सूचित किया गया और उनसे सहायता मांगी गई तथा एम्बुलेंस तथा दुर्घटना राहत रेलगाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गईं।

राहत और बचाव का निर्देश

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को बचाव कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से घायलों को ले जाने के लिए पर्याप्त संख्या में एम्बुलेंस की व्यवस्था करने को कहा। वहीं घटना के बाद रेलवे ने हेल्पलाई नंबर जारी कर दिये हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से दो दिन रहेंगे गुजरात दौरे पर

मेहसाणा में 5941 करोड़ के विकास कार्यों की देंगे सौगात

AGENCY GUJRAT : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 अक्टूबर को गुजरात के मेहसाणा जिले के डाभोड़ा गांव में 5941 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इनमें भारतीय रेल, गुजरात रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (जीआरआईडीई), जल संसाधन विभाग, जलापूर्ति विभाग, सड़क एवं आवास विभाग तथा शहरी विकास विभाग के विकास कार्य शामिल हैं।

यह कार्यक्रम डाभोड़ा गांव में सुबह 11 बजे होगा। गुजरात के सात जिलों मेहसाणा, अहमदाबाद, बनासकांठा, साबरकांठा, महीसागर, गांधीनगर और पाटण को विकास कार्यों का लाभ मिलेगा। इन सभी जिलों को मिलने वाली कुल 16

विकास परियोजनाओं में से 8 का लोकार्पण और 8 का शिलान्यास किया जाएगा।

रेलवे विभाग और जीआरआईडीई : मेहसाणा और अहमदाबाद में रेलवे विभाग के दो विकास कार्य लोकार्पण के लिए तैयार हैं। मेहसाणा में न्यू भांडू से न्यू साणंद यह लाइन अहमदाबाद, सुरेन्द्रनगर, मोरबी और राजकोट जिले को कवर करेगी। इसके अतिरिक्त गुजरात रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की ओर से मेहसाणा कटोसण-बेचराजी के बीच 29.65 किमी के रेलवे प्रोजेक्ट का भी लोकार्पण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट से मांडल-बेचराजी विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर-सर) में कार्यरत कंपनियों को लाभ होगा। रेलवे और जीआरआईडीई की इन परियोजनाओं की लागत 5126 करोड़ रुपये है।

जल संसाधन विभाग : मेहसाणा जिले में विजापुर और माणसा तहसील के डेल्टा क्षेत्र में विभिन्न तालाबों के रिचार्ज के कार्य और साबरमती नदी पर वालासणा बैराज के निर्माण कार्य का लोकार्पण किया जाएगा। इन दोनों परियोजनाओं का लागत 130 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, महीसागर जिले में पानम जलाशय आधारित उद्वहन सिंचाई (लिफ्ट इरिगेशन) प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया जाएगा, जो संतरामपुर तहसील के विभिन्न तालाबों को जोड़ेगी। इस प्रोजेक्ट की लागत 139 करोड़ रुपये है।

जलापूर्ति विभाग : बनासकांठा में जलापूर्ति विभाग की तीन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा जबकि मेहसाणा में एक परियोजना का शिलान्यास किया जाएगा। इनमें पालनपुर ग्रुप पैकेज 1 (पार्ट-ए) और पालनपुर ग्रुप पैकेज 2 के कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। इसके अलावा, धरोई बांध आधारित 80 एमएलडी क्षमता के जल

मिजोरम विस चुनाव : 30 को आइजोल पहुंचेंगे अमित शाह

AGENCY IZAWL : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने के लिए 30 अक्टूबर यहां आ रहे हैं। एक दिवसीय दौरे पर शाह यहां सुबह ममित जिला मुख्यालय पर एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे।

मिजोरम भाजपा के प्रदेश मीडिया संयोजक जॉनी लालथनपुइया ने कहा कि शुरूआत में यह तय था कि अमित शाह के अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चुनाव प्रचार में आएंगे, लेकिन अपरिहार्य कारणों से प्रधानमंत्री का दौरा फिलहाल रद्द कर दिया गया है, लेकिन प्रधानमंत्री का कार्यक्रम बाद में तय हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की जगह अमित शाह चुनाव प्रचार करेंगे।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह चुनाव में पार्टी के उम्मीदवारों का उत्साह बढ़ाने के लिए ममित और राज्य के दक्षिणी हिस्से में प्रचार करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य के दक्षिणी हिस्से में चकमा, ब्रू, मारा और लाई समुदायों के भाषाई अल्पसंख्यक लोग रहते हैं। भाजपा उनके वोट पाने के लिए ज्यादा जोर दे रही है।

प्रदेश मीडिया संयोजक लालथनपुइया ने कहा कि भाजपा के एक अन्य वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी चुनाव प्रचार के लिए राज्य में आएंगे। लालथनपुइया ने कहा कि भाजपा के अखिल भारतीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पिछले शुक्रवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया था। घोषणापत्र में राज्य में सरकारी नौकरियों में

पति की दीर्घायु और मंगल-कामना हेतु सुहागिन नारियों का यह महान पर्व है। करवा (जल पात्र) द्वारा कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को चन्द्रमा को अर्घ्य देकर पारण (उपवास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को चन्द्रमा को अर्घ्य देकर पारण उपवास के बाद का पहला भोजन) करने का विधान होने से इसका नाम करवा चौथ है।

सौभाग्य और स्नेह का सुंदर पर्व

करवा चौथ

करवा चौथ और करक चतुर्थी पर्याय है। चन्द्रोदय तक? निर्जल उपवास रखकर पुण्य संचय करना इस पर्व की विधि है। चन्द्र दर्शनोपरांत सास या परिवार में ज्येष्ठ श्रद्धेय नारी को बायना देकर सदा सौभाग्यवती भव का आशीर्वाद लेना व्रत साफल्य की पहचान है। सुहागिन नारी का पर्व होने के नाते यथासंभव और यथाशक्ति न्यूनाधिक सोलह श्रृंगार से अलंकृत होकर सुहागिन अपने अंतःकरण के उल्लास को प्रकट करती है। पति चाहे जैसा हो पर ?पत्नी इस पर्व को मनाएगी अवश्य। पत्नी का पति के प्रति यह समर्पण दूसरे किसी धर्म या संस्कृति में कहां? पुण्य प्राप्ति के लिए किसी पुण्यतिथि में उपवास करने या किसी उपवास

क ` कर्मानुष्ठान द्वारा पुण्य-संचय करने के संकल्प को व्रत कहते हैं। व्रत और उपवास द्वारा शरीर को तपाना तप है। व्रत धारण कर, उपवास रखकर पति की मंगल कामना सुहागिन का तप है। तप द्वारा सिद्धि प्राप्त करना पुण्य का मार्ग है इसीलिए सुहागिन करवा चौथ का व्रत धारण कर उपवास रखती है।

ब्रह्म मुहूर्त से चन्द्रोदय तक जल-भोजन कुछ भी ग्रहण न करना करवा चौथ का मूल विधान है। वस्तुतः- भारतीय पर्वों में विविधता का इन्द्रधनुषीय सौंदर्य है। इस पर्व के मनाने, व्रत रखने, उपवास करने में मायके से खाद्य पदार्थ भेजने, न भेजने आदि की रूढ़िवादी परंपराएं अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्नता के साथ प्रचलित हैं। बायना देने-लेने, करवे का आदान-प्रदान करने, बुजुर्ग महिला से आशीर्वाद लेने-देने की सारी मान्यताएं अलग-अलग क्षेत्रों, जातियों/वर्णों में भले ही भिन्न हों, परंतु सभी का उद्देश्य एक ही है और वह है- पति का मंगल। पश्चिमी सभ्यता में निष्ठा रखने वाली सुहागिनों के लिए यह पर्व एक मार्गदर्शिका है। एक निर्देशिका है। वस्तुतः- हिन्दू संस्कृति आदर्शों व श्रेष्ठताओं से परिपूर्ण एक ऐसी संस्कृति है? जिसमें पारलौकिकता व आध्यात्मिकता की महत्ता है। चूंकि हिन्दू संस्कृति में पति-पत्नी का संबंध 7 जन्मों का होता है इसीलिए व्रत-उपवास, पूजन-अर्चन इस जन्म-जन्मांतर के संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

करवा चौथ व्रत पालन के महत्व के बारे में कुछ इस प्रकार से अभिव्यक्ति दी गई है-

व्रतेन दीक्षामाप्नोति दीक्षायाप्नोति दक्षिणाम्।
दक्षिणा श्रद्धामाप्नोति श्रद्धया सत्यमाप्यते।

अर्थात व्रत से दीक्षा प्राप्त होती है। दीक्षा से दक्षिणा प्राप्त होती है। दक्षिणा से श्रद्धा प्राप्त होती है। श्रद्धा से सत्य की प्राप्ति होती है।।

वस्तुतः- पति अपनी पत्नी की श्रद्धा व आस्था देखकर कुछ इस तरह से अभिभूत हो जाता है कि वह पत्नी व बच्चों के प्रति उत्तरदायित्व निर्वाह के लिए कहीं अधिक संकल्पवान व निष्ठावान हो जाता है।

हर सुहागिन अन्न-जल का परित्याग कर चांद की छवि दर्पण में देखकर और फिर अपने पति का मुखड़ा देखकर ईश्वर से यही मनौती मांगती है कि दीपक मेरे सुहाग का जलता रहे। कभी चांद तो कभी सूरज बनकर निकलता रहे।

हर भारतीय नारी अपनी सांस्कृतिक मान्यताओं, आदर्शों व परंपराओं पर गर्व करती है।

करवा चौथ पर हर सुहागिन का हृदय अपने पति के लिए लंबी उम्र की दुआ मांगने लगता है।

पूजन विधि

बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाड़ा बाँधकर देवता की भावना करके स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें।

पूजन हेतु निम्न मंत्र बोलें -

शिवायै नमः से पार्वती का, नमः शिवाय से शिव का, षण्मुखाय नमः से स्वामी कार्तिकेय का, गणेशाय नमः से गणेश का तथा सोमाय नमः से चंद्रमा का पूजन करें।

करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें।

सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएँ। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें।

पति की माता (अर्थात अपनी सासूजी) को उपरोक्त रूप से अर्पित एक लोटा, वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे जीवित न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

करवा चौथ - कथा

बहुत समय पहले की बात है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहाँ तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी।

शाम को भाई जब अपना व्यापार-व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्?य देकर ही खा सकती है। चूँकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख-प्यास से व्याकुल हो उठी है।

सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चाँद उदित हो रहा हो।

इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चाँद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चाँद को देखती है, उसे अर्घ्?य देकर खाना खाने बैठ जाती है।

वह पहला टुकड़ा मुँह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुँह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है।

उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है।

सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक

अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।

एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियाँ करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियाँ उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से %यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो% ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूँकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह के वह चली जाती है।

सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है।

अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अँगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुँह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश-श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है। हे श्री गणेश माँ गौरी जिस प्रकार करवा को चिर सुहागन का वरदान आपसे मिला है, वैसा ही सब सुहागिनों को मिले।

शिव का धाम कैलाश मानसरोवर

मानसरोवर वही पवित्र जगह है, जिसे शिव का धाम माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार मानसरोवर के पास स्थित कैलाश पर्वत पर शिव-शंभु का धाम है। यही वह पावन जगह है, जहाँ शिव-शंभु विराजते हैं।

कैलाश पर्वत, 22,028 फीट ऊँचा एक पत्थर का पिरामिड, जिस पर सालभर बर्फ की सफेद चादर लिपटी रहती है। हर साल कैलाश-मानसरोवर की यात्रा करने, शिव-शंभु की आराधना करने, हजारों साधु-संत, श्रद्धालु, दार्शनिक यहाँ एकत्रित होते हैं, जिससे इस स्थान की पवित्रता और महत्ता काफी बढ़ जाती है।

मान्यता है कि यह पर्वत स्वयंभू है। कैलाश-मानसरोवर उतना ही प्राचीन है, जितनी प्राचीन हमारी सृष्टि है। इस अलौकिक जगह पर प्रकाश तरंगों और ध्वनि तरंगों का समागम होता है, जो की प्रतिध्वनि करता है। इस पावन स्थल को भारतीय दर्शन के हृदय की उपमा दी जाती है, जिसमें भारतीय सभ्यता की झलक प्रतिबिंबित होती है। कैलाश पर्वत की तलछटी में कल्पवृक्ष लगा हुआ है। कैलाश पर्वत के दक्षिण भाग को नीलम, पूर्व भाग को क्रिस्टल, पश्चिम को रूबी और उत्तर को स्वर्ण रूप में माना जाता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह जगह कुबेर की नगरी है। यहीं से महाविष्णु के करकमलों से निकलकर गंगा कैलाश पर्वत की चोटी पर गिरती है, जहाँ प्रभु शिव उन्हें अपनी जटाओं में भर धरती में निर्मल धारा के रूप में प्रवाहित करते हैं।

यह स्थान बौद्ध धर्मावलंबियों के सभी तीर्थ स्थानों में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। कैलाश पर स्थित बुद्ध भगवान के अलौकिक रूप 'डेमचौक' बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए पूजनीय है। वह बुद्ध के इस रूप को 'धर्मपाल' की संज्ञा भी देते हैं। बौद्ध धर्मावलंबियों का मानना है कि इस स्थान पर आकर उन्हें निर्वाण की प्राप्ति होती है। वहीं जैन धर्म के पहले तीर्थंकर ने भी यहीं निर्वाण लिया। कुछ लोगों का मानना यह भी है कि गुरु नानक ने भी यहाँ ध्यान किया था।

मानसरोवर झील से घिरा होना कैलाश पर्वत की धार्मिक महत्ता को और अधिक बढ़ाता है। प्राचीनकाल से विभिन्न धर्मों के लिए इस स्थान का विशेष महत्व है। इस स्थान से जुड़े विभिन्न मत और लोककथाएँ केवल एक ही सत्य को प्रदर्शित करती हैं, जो है सभी धर्मों की एकता।

मानसरोवर दर्शन - ऐसा माना जाता है कि महाराज मानधाता ने मानसरोवर झील की खोज की और कई वर्षों तक इसके किनारे तपस्या की थी, जो कि इन पर्वतों की तलहटी में स्थित है। बौद्ध धर्मावलंबियों का मानना है कि इसके केंद्र में एक वृक्ष है, जिसके फलों के चिकित्सकीय गुण सभी प्रकार के शारीरिक व मानसिक रोगों का उपचार करने में सक्षम हैं।

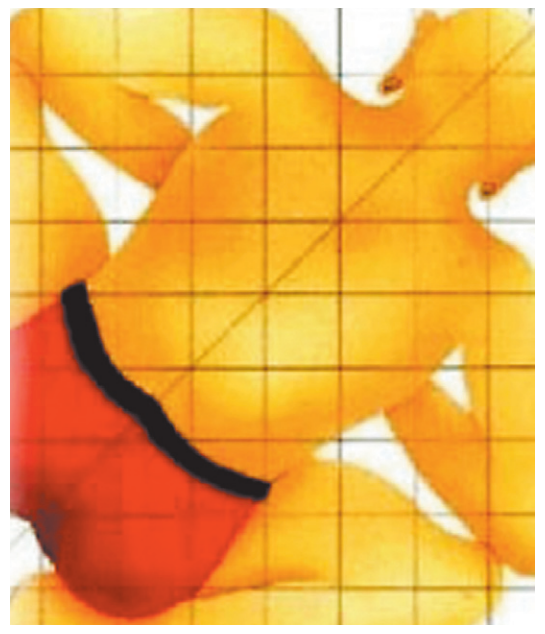

रोचक और सरल वास्तु मंत्र

* भवन निर्माण में दरवाजे और खिड़कियां सम संख्या में हों तथा सीढ़ियां विषम संख्या में हों।
* टॉयलेट और किचन एक पंक्ति (कतार) में या आमने-सामने होना दोषकारक है।
* घर में गणेशजी की एक से अधिक मूर्ति हो तो कोई फर्क नहीं, परंतु पूजा एक ही गणेशजी की हो।
* घर में गणपति की मूर्ति, रंगोली, स्वस्तिक या का चिह्न बुरी आत्माओं के प्रभाव को नियंत्रित करता है।
* घर के बाहर या अंदर आशीर्वाद मुद्रा में देवी-देवता की मूर्ति अथवा चित्र लगाएं। ध्यान रहे, उनका मुंह भवन के बाहर की तरफ हो।
* घर के ड्राइंगरूम में मोर, बंदर, शेर, गाय, मृग आदि के चित्र या मूर्ति रूप में किसी एक का जोड़ा रखें जिसका मुंह एक-दूसरे की तरफ हो तथा मुंह घर के अंदर हो, शुभ रहेगा।
* दक्षिण दिशा में घोड़ा (अश्व) रखना सर्वोत्तम है।
* असली स्फटिक बाल, श्रीयंत्र, पिरामिड या कटिंग बाल को आप कहीं भी रख सकते हैं। (श्रीयं?त्र को केवल घर के मंदिर में रखें।)
* धन-समृद्धि के लिए धन की पेटी (कैश बॉक्स) में ?तीन सिक्के रखें, जो भाग्य की अभिवृद्धि में सहायक होंगे।
* घोड़े की नाल पश्चिमी देशों तथा हमारे देश में भी बहुत भाग्यशाली और शुभ मानी जाती है। अपनी सुरक्षा और सौभाग्य के लिए इसे अपने घर के मुख्य द्वार के ऊपर चौखट के बीच में लगा सकते हैं।
* बीम के नीचे बिंदु चिप्स लगाकर बीम के दोष को दूर कर सकते हैं।
* संपत्ति तथा सफलता के लिए अपने बैठक कक्ष में पिरामिड को उत्तर-पूर्व में रखें।
* प्रसिद्धि के लिए घर के दक्षिण क्षेत्र में लाल रंग का उपयोग करें एवं उसे लाल रंग की वस्तुओं से सजाएं। इससे परिवार में रहने वाले लोगों को खून से संबंधित बीमारियों से निजात मिल सकती है, किंतु चि?कि?त्सीय भावना की उपेक्षा कष्टदायी हो सकती है।
* मुख्य द्वार पर कोई अवरोध (खंबा, कोना, पेड़) आदि हो तो उसके दोष निवारण हेतु बागुआ मिरर लगाएं।
* विवादों से संबंधित कागजात कभी भी आग्नेय दिशा में न रखें। ऐसे कागजात ईशान या वायव्य दिशा में रखें।
* पश्चिम-दक्षिण, उत्तर-पश्चिम तथा दक्षिण-पश्चिम दिशाओं को अन्य दिशाओं के मुकाबले ज्यादा से ज्यादा ढंका व भरा हुआ होना चाहिए तथा थोड़ा ऊंचा भी होना चाहिए।
* घर में कांटेदार पौधे, युद्ध के दृश्य, सूखे पेड़, जमीन, आंसू बहाते प्राणी, खूंखार जानवर आदि के चित्र न लगाएं।
* जिन लोगों का चूल्हा ईशान में हो और परिस्थितिजन्य हटाया नहीं जा सके, तो ऐसी विषम परिस्थिति में किचन में लाल बल्ब न जलाएं।
* बच्चों के कमरों में सुंदर प्राकृतिक दृश्य यथा समृद्ध हरे-भरे पहाड़, जल विहार तथा महापुरुषों के चित्र लगाएं। नाइट लैम्प के रूप में हरे या नीले बल्ब का प्रयोग सुखद रहेगा।
* उत्तम भाग्य तथा पारिवारिक समृद्धि के लिए सुंदर रंगीन पर्दे, दीवार व छतों पर हल्के और मन लुभावने रंगों का प्रयोग करें।
* कॉर्नर, बीम आदि की नकारात्मकता को समाप्त करने के लिए पेड़-पौधों, सीनरी व लाइट्स का प्रयोग पारिवारिक सुख-सौहार्द के लिए अनुकूलता प्रदान करेगा।
* व्यावसायिक कार्यालयों में दक्षिण दिशा में संस्थान के मालिक की फोटो लगाएं।
* पवन घंटियां घर में सौभाग्य बढ़ाने का अद्भुत स्रोत हैं। पवन घंटियां बैठक तथा घर में स्थापित मंदिर के दरवाजे पर लटकाने से शुभ्रता प्रदान करती है।
* मधुर संबंधों के लिए प्रसन्नचित मुद्रा में संयुक्त परिवार का फोटो लगाएं।
* घर में नमक मिले पानी से पोंछा लगाएं। यह घर में स्थित नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक होगा।
* पूर्वजों के चित्र उत्तर-पश्चिम में रखें, तो ज्यादा अच?छा होगा।
* अलमारी या कपड़ों की अलमारी दक्षिण दिशा को छोड़कर किसी भी दिशा में खुलनी चाहिए। दक्षिण की ओर खुलने वाली अलमारी में बहुमूल्य सामान या महत्वपूर्ण कागजात नहीं रखना चाहिए।
* उत्तर-पूर्व में रसोईघर नहीं होना चाहिए।
*पिरामिड का उपयोग घर में कहीं भी नकारात्मक शक्ति को हटाने के लिए कर सकते हैं।

BRIEF NEWS

रांची में कचरे के ढेर में हुआ ब्लास्ट, एक घायल

RANCHI : नामकुम के चाय बागान के समीप रविवार को साफ-सफाई के दौरान कचरे के ढेर में छिपा कर रखा गया बम ब्लास्ट हो गया। इसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना रविवार की है। बताया जा रहा है कि चाय बागान के पास एक बाउंड्री के समीप प्लास्टिक का कचरा था। कचरे की ढेर में युवक ने जैसे ही आग लगाया जोरदार आवाज के साथ उसमें छिपाकर रखा गया बम विस्फोट कर गया, जिसकी चपेट में आने से युवक बुरी तरह से घायल गया। आशंका जताई जा रही है कि किसी आपराधिक किस्म के व्यक्ति ने कचरे की ढेर में बम छिपाकर रखा था। पुलिस के अनुसार घायल युवक की शिनाख्त संजय कुमार उर्फ बंटी के रूप में की गई। कचड़ा साफ करने के दौरान विस्फोट हुआ है। विस्फोट के दौरान बगल के एक घर का कांच भी टूट गया है। संजय कुमार उर्फ बंटी को हाथ में चोट लगी है। उसे अस्पताल भेजा गया है। ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि बम स्क्वायड टीम को बुलाया गया है। जांच-पड़ताल की जा रही है।

मटका कारोबारी आनंद वर्मा हर हफ्ते दो थानों में लगाएगा हाजिरी

RANCHI : मटका (जुआ) कारोबार संचालित करने वाला आनंद वर्मा को थाना में अब हर सप्ताह हाजिरी लगानी होगी। रविवार को वर्मा को हर सप्ताह रविवार को सुखदेवनगर और नरकोपी थाना में हाजिरी लगाने का आदेश जारी किया गया है। हाजिरी नहीं लगाने पर उसे गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए की रिपोर्ट के आधार पर इससे संबंधित आदेश एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के ऑफिस से जारी किया गया है।

झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव एक नवंबर से, अभिनेत्री मन्दाकिनी भी करेंगी शिरकत

RANCHI : झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव सीजन-4 का आयोजन जमशेदपुर में एक से सात नवंबर तक किया जाएगा। फिल्म फेस्टिवल में फिल्म अभिनेत्री और राम तेरी गंगा मैली फेम मन्दाकिनी भी शिरकत करेंगी। फिल्म फेस्टिवल में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। आयोजकों के अनुसार सामाजिक मुद्दों पर बनी फिल्मों से छात्र वर्ग में जागरुकता आती है। इससे छात्रों को ज्यादा से ज्यादा फिल्में देखनी चाहिए। वैसे इस महोत्सव के दौरान झारखंड की फिल्मों को ऊंचाइयों तक ले जाने वाले निमार्ताओं और कलाकारों को भी सम्मानित किया जाएगा। एक से छह नवंबर तक अलग-अलग स्थानों पर फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों को प्राथमिकता दी जाएगी। सात नवम्बर को फेस्टिवल का आखिरी दिन होगा, जिसमें एक्ट्रेस मन्दाकिनी फिल्म फेस्टिवल शामिल होगी और वे विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित करेंगी।

राजभवन में एक नवंबर को मनेगा कई राज्यों का स्थापना स्मृति दिवस

RANCHI : सांस्कृतिक कार्य निदेशालय की ओर से इस बार राजभवन के बिरसा मंडप में कई राज्यों का स्थापना दिवस एक नवम्बर को मनाया जाएगा। इनमें आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, अंडमान-निकोबार, चंडीगढ़, दिल्ली, लक्षद्वीप एवं पुडुचेरी शामिल हैं। स्थापना स्मृति दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इसमें परफार्मिंग एंड फाइन आर्ट विभाग रांची विवि के विपुल नायक, केरोली स्कूल की नृत्य शिक्षिका कीम मिश्रा और पाजेब नृत्य संस्थान के दीपक सिन्हा को जिम्मेदारी दी गई है।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

संकल्प यात्रा के बहाने झामुमो ने भाजपा पर जमकर साधा निशाना

भाजपा के पास नुक्कड़ सभा करने से ज्यादा कुछ नहीं बचा : सुप्रियो

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भाजपा के संकल्प यात्रा के बहाने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। झामुमो के वरिष्ठ नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा को सावन के अंधे की संज्ञा दी और कहा कि इन्हें हर वक्त हरा ही हरा दिख रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के संकल्प यात्रा के समापन कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आये थे। इसके बाद भी कुर्सियां खाली रह गयीं। उन्होंने वीडियो दिखाकर दावा भी किया।

भट्टाचार्य रविवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। भट्टाचार्य ने कहा कि शहर को ऐसे सजाया गया जैसे कि कोई दूत आ रहा हो लेकिन जिस तरह की सभा हुई उससे यह साफ हो गया कि भाजपा के पास नुक्कड़ सभा करने से ज्यादा कुछ नहीं बच गया है। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि जब भी कोई नेता आये तो उस सभा को किसी हाट-बाजार में कर लें। इससे यह होगा कि कुछ लोग उनका भाषण सुन लेंगे।

उन्होंने कहा कि जेपी नड्डा के सभा में मात्र 1200 लोग ही आये थे। उन्होंने कहा कि जेपी नड्डा ने राज्य सरकार पर कई आरोप लगाये हैं तो मैं नड्डा से पूछना चाहता हूं कि मणिपुर किस देश का हिस्सा है ? मध्यप्रदेश में क्या हो रहा है? उज्जैन में महिला को नग्न कर घुमाया जाता है। दिल्ली पुलिस ने आपके सांसद को बलात्कार का आरोपी बनाया वह पुलिस आपके गृह मंत्रालय के अधीन आता है। इन मामलों पर भाजपा क्यों चुप है।

उन्होंने कहा कि देश में आदिवासी राष्ट्रपति बनाने का दावा करते हैं लेकिन जब संसद का उद्घाटन करना था तब उसमें राष्ट्रपति को नहीं बुलाया और आप लोग आदिवासी की बात करते हैं। आपकी मानसिकता कैसी है यह साफ हो जाएगी। जो खुद का एक छोटा सा राज्य हिमाचल नहीं जीता पाया वो झारखंड को फतह करने की बात कर रहे हैं। जमीन घोटाला की बात करते हैं। देश में सबसे बड़ा जमीन घोटाला तो मोदी ने अडानी के साथ मिलकर किया। एयरपोर्ट जो देश की संपत्ति थी। उसे देने का काम किया। यहां तक कि पोर्ट भी अडानी को दे दिया। पूछते हैं कि ईडी से क्यों भाग रहे हैं तो मैं इनसे पूछता हूं कि महाराष्ट्र में जिसे यदि ने समन किया पूछताछ के लिए बुलाया। उसे उपमुख्यमंत्री बना दिया। आप शर्म से डूब क्यों नहीं जाते।

हेमंत सोरेन की सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं : अमर बाउरी

PHOTON NEWS RANCHI : नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने रविवार को कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार में कोई भी सुरक्षित नहीं है। राज्य में आये दिन हत्या, लूट, बलात्कार जैसी घटनाएं हो रही हैं और सरकार कुंभकर्णी नींद में सोई है। धनबाद में शनिवार को हुआ गोलीकांड इसका सबूत है कि सरकार के संरक्षण में अपराधी फल-फूल रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने शनिवार को धनबाद में हुए गोली कांड की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि बैंक मोड़ क्षेत्र के मटकुरिया रोड स्थित कार सेंटर के मालिक धोबाटांड़ निवासी दीपक अग्रवाल को अपाधियों ने उनके दुकान में ही गोली मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्होंने कहा कि धनबाद के व्यवसायी हाल के दिनों में डर के साये में अपना धंधा चला रहे हैं। आये दिन व्यवसायियों से रंगदारी की मांग की जाती है, जो व्यवसायी रंगदारी देने से मना कर रहे हैं, उनपर अपराधी हमला कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि धनबाद सहित पूरे राज्य के अपराधियों को सरकार का संरक्षण किसी न किसी रूप में मिल रहा है, जिसका असर यह हो रहा है कि अब राज्य के बड़े व्यापारी दूसरे राज्य में पलायन कर रहे हैं।

पत्थर से कूचकर महिला की हत्या

RANCHI : बेड़ो थाना क्षेत्र के बाजार टांड़ के पास की गली में शनिवार रात एक महिला की पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गयी है। महिला की पहचान पूनम उरांव के रूप में हुई है। वह मजदूरी का काम करती थी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और आगे की करवाई में जुट गयी। रविवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जायेगा। परिजनों ने पुलिस के समक्ष कहा कि उसकी बेटी पूनम उरांव और बेटे के बीच जमीन के मुआवजे को लेकर विवाद चल रहा था। बेड़ो बाइपास सड़क में जा रही जमीन के मुआवजे को लेकर यह विवाद था। वह मूल रूप से बेड़ो के बिनय बगीचा की रहने वाली थी। फिलहाल विद्युत सबस्टेशन के नीचे किराए के मकान में रहती थी।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के टिकटों की बिक्री शुरू, कीमत 249 रुपये से शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी के झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) स्टेडियम में 18 नवंबर से लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) का आयोजन होगा। जेएससीए को पांच मैचों की मेजबानी मिली है। यह क्रिकेट लीग नौ दिसंबर तक चलेगा। इसमें क्रिकेट जगत के धुरंधर खिलाड़ी दिखाई देंगे।

एलएलसी ने इस सीजन के टिकटों की बिक्री शुरू करने की घोषणा की। रांची के जेएससीए में आयोजित सभी मुकाबले के टिकट पेटीएम और पेटीएम इनसाइडर पर उपलब्ध है। रांची में सभी मैच जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे और टिकटों की कीमत 249 रुपये से शुरू होगी।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सीईओ रमन रहेजा ने कहा कि हमने

इस सीजन खेल प्रेमियों के मनोरंजन की जबरदस्त तैयारी की है। पेटीएम और पेटीएम इनसाइडर से अहम साझेदारी कर उन्हें एक्सक्लूसिव टिकटिंग पार्टनर बनाया है। भारत के पांच शहरों देहरादून, रांची, जम्मू, विशाखापत्तनम और सूरत में होने वाले ये मैच यादगार बनने वाले हैं। पेटीएम इनसाइडर के बिजनेस हेड वरुण खरे ने बताया कि हम लीजेंड्स लीग टी20 में खेल प्रेमियों को उनके पसंदीदा क्रिकेट के दिग्गजों को एक बार फिर एक्शन में देखने का अवसर देने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

झारखंड पार्टी राज्य में बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी : अजीत कुमार

झारखंड पार्टी के अध्यक्ष अजीत कुमार व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड पार्टी (झापा) का कार्यकर्ता मिलन समारोह सह पदभार समारोह का आयोजन रविवार को कांके स्थित जोहार ढाबा में किया गया। मौके पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व महाधिवक्ता अजित कुमार, केंद्रीय प्रधान महासचिव अशोक भगत, केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष ऐनुल हक अंसारी सहित पार्टी के नेता कार्यकर्ता मौजूद हुवे। इस दौरान कांके, ओरमांझी, अनगड़ा क्षेत्र के कांग्रेस, झामुमो, भाजपा, आजसु के सैकड़ों कार्यकर्ता झारखंड पार्टी में शामिल हुवे। मौके पर पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष अजित कुमार ने सभी लोगो को पार्टी का पट्टा और माला पहना कर झापा में स्वागत किया। मौके पर कांके,ओरमांझी, अनगड़ा प्रखंड के प्रखंड प्रभारी भी नियुक्त किया गया। मौके पर पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अजीत कुमार ने कहा के 2024 का चुनाव झारखंड पार्टी सत्ता का चाभी साबित होगा। झारखंड पार्टी झारखंड में एक विकल्प के तौर पर लोगो के सामने उभर कर आ रही है। निश्चित तौर पर आने वाले चुनाव में झारखंड पार्टी राज्य में एक बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी। इस दौरान केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि आने वाले 2024 लोकसभा चुनाव में झारखंड पार्टी लोहरदगा, खूंटी, चाईबासा और रांची लोकसभा में अपनी प्रत्याशी उतारेगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला शिक्षा अधिकारियों और ईआरओ के साथ की बैठक

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के विशेष प्रयासों से झारखंड में नए युवा मतदाताओं को जोड़ने के लिए अनूठी पहल की गई है। झारखंड के स्कूलों में कक्षा 11वीं व 12वीं में अध्ययनरत ऐसे स्टूडेंट्स जिनकी आयु 17 वर्ष से 18 वर्ष के बीच है, उन्हें भावी मतदाताओं के रूप में चिन्हित कर उनके अग्रिम प्रीफिल्ड फॉर्म-6 भरवाये जा रहे हैं।

बैठक में शामिल के रवि कुमार व अन्य अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

ई-विद्या वाहिनी पोर्टल की मदद से निकाले गए इस प्रकार के आंकड़ों से 9.4 लाख भावी मतदाताओं को चिन्हित कर उनके जिलावार आंकड़े जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के पास भेजे गए हैं। यदि यह मॉडल सफल रहा तो लाखों नए मतदाता आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें।

पहल को मूर्त रूप देने के लिए शिक्षा विभाग तथा निर्वाचन विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो इसको लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों व उप निर्वाचन पदाधिकारियों, ईआरओ, एईआरओ, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। बैठक में उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अगले तीन दिन सघन अभियान चलाएं तथा राज्य के भावी मतदाताओं के अग्रिम फॉर्म जमा करवाने की सभी औपचारिकताएं पूरी करवा लें।

इस अभियान में दो कोटि के छात्र-छात्राओं को शामिल किया गया है। एक वे जिनकी आयु 01 जनवरी, 2024 को 18 वर्ष की पूरी हो रही है। दूसरे वे जिनकी आयु 01 अक्टूबर ,2024 या उससे पूर्व 18 वर्ष पूरी होने जा रही है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपील की कि सभी लोग इस मुहिम में सर्वश्रेष्ठ कोशिश करें ताकि इन युवा मतदाताओं की मदद से राज्य के अन्य मतदाताओं के बीच भी जागरूकता का सकारात्मक माहौल बने और कोई वोटर छूटे नहीं।

बाबूलाल मरांडी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पीएम के मन की बात के 106वें संस्करण को सुना, बोले-

एक भारत, श्रेष्ठ भारत की गीत है पीएम के मन की बात

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को रांची स्थित हरमू मंडल के विद्या नगर में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 106वें संस्करण को सुना। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने झारखंड के वीर सपूतों को नमन किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पीएम के मन की बात सुनते बाबूलाल मरांडी। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि 15 नवंबर को पूरा देश जनजातीय गौरव दिवस मनाएग। यह विशेष दिन भगवान बिरसा मुंडा की जयंती से जुड़ा है। भगवान बिरसा मुंडा हम सब के ह्रदय में बसे हैं। सच्चा साहस क्या है और अपनी संकल्प शक्ति पर अडिग रहना किसे कहते हैं, ये हम उनके जीवन से सीख सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में आदिवासी योद्धाओं का समृद्ध इतिहास रहा है। इसी भारत भूमि पर महान तिलका मांझी ने अन्याय के खिलाफ बिगुल फूंका था। इसी धरती से सिद्धो-कान्हू ने समानता की आवाज उठाई। भाजपा के जन प्रतिनिधियों,पदाधिकारियों ने अपने बूथों पर कार्यकताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संबोधन को सुना।

मरांडी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम प्रधानमंत्री के संबोधन के रूप में एक, भारत श्रेष्ठ का गीत है। उन्होंने कहा कि मन की बात का हर एपिसोड अनूठा होता है। जानकारियों से भरा होता है। मरांडी ने कहा कि आज के संबोधन में प्रकृति और संस्कृति की चर्चा के साथ भगवान बिरसा मुंडा की अमर गाथा भी शामिल हुई जो झारखंड के निवासियों को गौरवान्वित करती है।

प्रदेश कार्यालय में मन की बात कार्यक्रम को सुनते हुए क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि यह संस्करण राष्ट्र की प्रगति,नारी शक्ति और मीरा बाई की भक्ति से परिपूर्ण है। इसमें स्वच्छता भी है। प्रकृति भी है और संस्कृति भी है। उन्होंने प्रधानमंत्री के विचारों के युवा शक्ति को आत्म निर्भर भारत के लिए बढ़ चढ़कर आगे आने का आह्वान किया।

इस मौके पर प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, बालमुकुंद सहाय, शिवपूजन पाठक, केके गुप्ता, राकेश भास्कर, अशोक बड़ाइक, राहुल अवस्थी, शोभा यादव, अमित सिंह, अमित तिवारी आदि मौजूद रहे।

खबरें राउरकेला की

बिहार सांस्कृतिक परिषद् के नये अध्यक्ष बने गौरीशंकर सिंह

ROURKELA : बिहार सांस्कृतिक परिषद में राम सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक रविवार को बुलाई गई। जिसमें सर्वसम्मति से आम चुनाव की जगह सलेक्शन कर नए कमेटी का गठन किया गया। इसमे राम सिंह, केशव लाल, दयाशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में सर्वसम्मति से नई कमेटी बनी। नये कमेटी में अध्यक्ष गौरीशंकर सिंह, उपाध्यक्ष रवि राय, राजकुमार पाण्डेय, साधारण सचिव विंदेश्वर सिंह, सांस्कृतिक सचिव संजय सिंह,सह सचिव गणेश सिंह ,सह सचिव सचिता सिंह बनाए गए है। वहीं कार्यकारी सदस्य विजय सिंह,कालीचरण साहु,किशन गुप्ता, विपिन तिवारी,ओडिटर सत्येंद्र प्रजापति, सह ओडिटर निरज चतुर्वेदी, सलाहकार वासुदेव यादव, अरुण सिंह, नागेन्द्र सिंह, शिवलाल सिंह, वीपी सिंह, सुरेश रजक, को विनय पाठक ने शपथ दिलाया गया। कमिटी दो सालों के लिए बनाया गया है।

राज्य आपदा तैयारी दिवस पर ली गई शपथ

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम ने रविवार को राज्य आपदा तैयारी दिवस और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस मनाया। इस मौके पर आरएमसी सभागार में सेमिनार का आयोजन किया गया। उपायुक्त सुकांत कुमार बेउरा ने उपस्थित सरकारी अधिकारियों को आपदा तैयारी के लिए शपथ दिलायी। उपायुक्त रोनित कुमार, ओएसडी आरडीए चंद्रकांत मल्लिक, तहसीलदार निबेदिता प्रधान, एसीएफ सौम्य रंजन गोछायत, राउरकेला सहायक अग्निशमन अधिकारी सरोज कुमार बेहरा, साथ ही आरएमसी और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, उपायुक्त सुधांशु भोई की देखरेख में अग्निशमन विभाग और नागरिक सुरक्षा द्वारा एक आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज के छात्रों, स्थानीय निवासियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। फायर ब्रिगेड और नागरिक सुरक्षा ने आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा और सुरक्षित निकासी प्रक्रियाओं पर सलाह प्रदान की। अग्नि सुरक्षा जागरूकता और अग्निशामक यंत्रों के उपयोग पर भी प्रशिक्षण दिया गया। आपदा प्रबंधन के लिए स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया।

पूर्णिमा पर कुआरी देवी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले के बणई में कुआरी देवी के दर्शन के लिए रविवार को मंदिर में भारी भीड़ देखी गई। जिले और राज्य के बाहर से श्रद्धालु मंदिर में आते हैं। यहां पुराने समय से ही पूजा होते आ रही है। फसल कटने के बाद से ही कुंवारी देवी की पूजा होती है। लोगों के अनुसार जंगल में एक छोटे से मंदिर में देवी की पूजा की जाती थी। राजा द्वारा नियुक्त देहुरी, देवी की पूजा करती है। चूंकि कुंआरी देवी प्रत्यक्ष देवता हैं, इसलिए भक्त अपना मन्नत मांगते है। मन्नत पूर्ण होने पर मुर्गे और बकरा की बलि दी जाती है। खासतौर पर पूर्णिमा के दिन मां की पूजा का मुख्य दिन होता है। इसीलिए दूर-दूर से भक्त पूजा करने आते हैं।

ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर रेल रोको आंदोलन आज

ROURKELA : बिसरा पब्लिक एक्शन कमेटी की ओर से सोमवार को रेल रोको आह्वान किया गया है। कोरोना महामारी से पहले बिसरा रेलवे स्टेशन पर उत्कल एक्सप्रेस, समलेश्वरी एक्सप्रेस, इस्पात एक्सप्रेस, बोकारो-एलेप्पी एक्सप्रेस जैसी यात्री ट्रेनों का ठहराव होता था। बाद में कोरोना के कारण ट्रेन बंद कर दी गई। यह स्थिति दो साल से अधिक समय से बनी हुई है। इसके लिए बिसरा के लोगों ने विभिन्न स्तरों पर असफल होने के बाद रेल रोकने का आह्वान किया है। रेलवे विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा विफल होने के बाद रविवार को यह निर्णय लिया गया। इस बैठक में बिसरा पब्लिक एक्शन कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप राउत राय, पूर्व विधायक जॉर्ज तिर्की, हालु मुंडारी प्रमुख रूप से उपस्थित थे। गौरतलब है कि बिसरा जिले का सबसे पुराना रेलवे स्टेशन है। इस स्टेशन से चूना पत्थर को उडुसु अंचल से केंद्र सरकार के विभिन्न उद्योग तक चूना पत्थर परिवहन किया जाता था। यह क्षेत्र धीरे-धीरे एक व्यावसायिक केंद्र बन गया है। इस समय बिश्रावासियों ने कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव बंद करने का विरोध किया है। इसके विरोध में 30 अक्टूबर को हड़ताल और रेल रोको का आह्वान किया गया है।

मुक्तिकांत का भूख हड़ताल जारी, कांग्रेस नेता विजय पटनायक ने किया देव नदी पुल का दौरा

ROURKELA : सामाजिक कार्यकर्ता मुक्तिकांत का अनशन पांचवें दिन भी जारी है। राउरकेला के पास मिटकुंडुरी में देव नदी पर निमार्णाधीन पुल को जल्द पूरा करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल में बैठे है। अब इस मांग का विभिन्न राजनीतिक दलों और अन्य संगठनों ने समर्थन किया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और कांग्रेस अभियान समिति के अध्यक्ष विजय पटनायक देव ने निमार्णाधीन पुल स्थल का दौरा किया। विजय पटनायक ने कहा कि इतने लंबे समय से चल रहा पुल का काम पूरा नहीं हो पाया है।और उन्होंने मांग की कि पुल का काम जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर सरकार चाहे तो भूमि अधिग्रहण की समस्या का समाधान हो सकता है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय पटनायक के साथ युवा कांग्रेसियों और कार्यकताओं ने भी नदी पुल स्थल का दौरा किया।

मां नारायण मंदिर समिति में कलश यात्रा आयोजित

ROURKELA : मां नारायण मंदिर समिति ने रविवार को कलश यात्रा का आयोजन किया गया । इस यात्रा में अधिक संख्या में महिलाएं एवं श्रद्धालु शामिल हुए। दो दिवसीय कार्यक्रम में मां लक्ष्मी की पूजा की गयी। कार्यक्रम में भक्त अपने दोस्तों के साथ प्रसाद चढ़ाते हैं, और परिवार के कल्याण के लिए देवी मां से प्रार्थना करते हैं। मां नारायण मंदिर समिति की ओर से भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गयी थी। मंदिर के आकर्षण का केंद्र 10 महादेवी हैं। मंदिर में एक एएक रुद्राक्ष पेड़ के साथ मां विराजमान है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

लक्ष्मी पूजा का हुआ आयोजन, सुख-समृद्धि की हुई कामना

ROURKELA : शहर के मॉलगोदाम लक्ष्मी मार्केट पूजा कमेटी ने लक्ष्मी पूजा का आयोजन किया। भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किए गए। मां लक्ष्मी पूजा कमेटी ओरामपाडा मंदिर की ओर से मां की पूजा अर्चना करने के साथ-साथ हम यज्ञ पंडितों के द्वारा किया गया। लक्ष्मी पूजा को लेकर आज मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ काफी देखने को मिली। सुबह से ही पंडितों के द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना करने के साथ-साथ जजमान सुरेश अग्रवाल सपत्नी के साथ इस पूजा में शामिल हुए। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष अश्वनी बिसवाल, उपाध्यक्ष अगस्ती चंद्र साहू, महासचिव मलकीत सिंह, कोषाध्यक्ष पवित्र साहू ,सलाहकार पलाशती साहू, जसपाल सिंह, रंजन बिसवाल, प्रताप चंद्र नायक, सरत पात्रों, दिलीप समेत अन्य सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा।

63 प्रधान सहायकों से मांगा स्पष्टीकरण

समय-सीमा के अंदर प्रतिवेदन नहीं कराया उपलब्ध, एक सप्ताह में मांगा जवाब

पटना। पश्चिम चंपारण में 63 प्रधान सहायक कार्रवाई के जद में आ गए हैं। प्रतिवेदन उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतने वाले सभी प्रधान सहायकों से जिला स्थापना शाखा के प्रभारी पदाधिकारी डिप्टी कलेक्टर अनिल कुमार ने स्पष्टीकरण तलब किया है। इसमें देर से प्रतिवेदन भेजने के लिए एक सप्ताह के अंदर वस्तुस्थिति स्पष्ट करने को कहा है। बता दें कि इसको लेकर पश्चिम चंपारण जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने निर्देश दिया था। निर्धारित समय सीमा के अंदर अपने काम-काज का लेखा-जोखा सभी प्रधान सहायक को उपलब्ध करना था। निर्धारित समय सीमा पर प्रतिवेदन नहीं उपलब्ध कराने वाले में बेतिया डीसीएलआर कार्यालय, नरकटियागंज डीसीएलआर कार्यालय, नरकटियागंज अनुमंडल कार्यालय, सिविल सर्जन कार्यालय, पथ निर्माण विभाग बेतिया कार्यालय शामिल है। इसके साथ ही क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्यालय प्रमंडल 1 बेतिया, शिकारपुर अवर निबंधन कार्यालय, जीएमसीएच बेतिया, पीएम पोषण योजना कार्यालय बेतिया द्वारा भी प्रतिवेदन समय पर नहीं दिया गया है। निर्धारित समय सीमा पर प्रतिवेदन नहीं उपलब्ध कराने वाले में अवर निबंधन कार्यालय लौरिया, ग्रामीण

कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल बगहा-एक, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल नरकटियागंज, जिला निबंधन और परामर्श केंद्र बेतिया, ईख कार्यालय बेतिया, जिला मत्स्य कार्यालय, जिला कृषि कार्यालय, जिला नियोजन कार्यालय, नगर परिषद रामनगर, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल बेतिया, लघु सिंचाई प्रमंडल बेतिया, जिला पशुपालन कार्यालय शामिल है। इसके अलावा नप नरकटियागंज, नगर निगम बेतिया, ईख कार्यालय बेतिया, जिला उद्यान कार्यालय, नपं चनपटिया, भवन प्रमंडल बेतिया, राज्य खाद्य निगम बेतिया, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बेतिया, प्रखंड पंचायत कार्यालय मैनाटांड ठकराहां, मझौलिया, लौरिया, बैरिया, बगहा-दो, रामनगर, प्रखंड कार्यालय बगहा- दो, प्रखंड कार्यालय मैनाटांड प्रखंड कार्यालय चनपटिया के प्रधान सहायक शामिल है। जो निर्धारित समय सीमा पर प्रतिवेदन नहीं उपलब्ध कराया है।

वहीं प्रखंड कार्यालय चैरिया, प्रखंड कार्यालय मधुबनी, प्रखंड कार्यालय लौरिया, प्रखंड कार्यालय भितहां, अंचल कार्यालय, लौरिया, अंचल कार्यालय बैरिया, अंचल कार्यालय बगहा-एक, अंचल कार्यालय भितहां, अंचल कार्यालय नरकटियागंज अंचल कार्यालय ठकराहा, अंचल कार्यालय सिकटा, अंचल कार्यालय बेतिया व अंचल कार्यालय योगापट्टी के प्रधान सहायक ने अपने काम से संबंधित लेखा-जोखा का प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं कराया है।

संक्षिप्त डायरी

हथियार के साथ दो अपराधियों को किया गिरफ्तार

मोतिहारी। पुलिस दो अलग-अलग थाना क्षेत्र से दो अपराधियों को हथियार और मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। इसमें एक बैंक डकैती में शामिल था और दूसरा अपराध की साजिश रचते हुए गिरफ्तार हुआ है। एसपी कांतेश मिश्रा ने कहा कि बंधन बैंक में लूटकांड के बाद सदर एएसपी राज के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू की गई। इस दौरान डकैती में शामिल एक अपराधी सुगौली थाना एनएच-28 के पास से गिरफ्तार हुआ। पूछताछ में उसने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। वहीं, दूसरी तरफ रामगढ़वा पुलिस ने अपराध की साजिश रचते एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से एक लोडेड कट्टा और गोली बरामद हुआ है। एसपी कांतेश मिश्रा ने कहा कि सूचना मिली कि रामगढ़वा थाना क्षेत्र में कुछ अपराधी जमा हुए हैं। किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। सूचना का सत्यापन करते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए उक्त स्थल पर छापेमारी का निर्देश दिया। इस दौरान हरपुर के मुन्ना पटेल को एक कट्टा और गोली के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में बताया कि लूट की घटना को अंजाम देने के फिराक में था।

हजारी पशु मेला ग्राउंड बना कचरा मुक्त: मेला ग्राउंड को कचरागाह बनाना पर्यावरण के लिए बताया घातक

बेतिया। नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने नगर के हजारी पशु मेला ग्राउंड को नगर निगम का कचरागाह बनाने को शहरी क्षेत्र के पर्यावरण संरक्षण के लिए खतरनाक बताया है। उन्होंने इस ग्राउंड को कचरा मुक्त करने का निर्देश दिया है। महापौर ने शनिवार को नगर आयुक्त शंभू कुमार, सिटी मैनेजर अरविंद कुमार और अन्य कमियों के साथ हजारी पशु मेला ग्राउंड का निरीक्षण की। इस दौरान उन्होंने शहरी क्षेत्र से संग्रहित सैकड़ों टन कचरे का वैज्ञानिक तौर से निपटारे का आदेश दिया। महापौर ने कहा कि शहर का पर्यावरण स्तर कई बार खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है। इस कारण बेहद जरूरी है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और बिहार राज्य पर्यावरण नियंत्रण पार्षद के निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। इसको लेकर महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने शहर के हजारी बगीचा स्थित पशु मेला ग्राउंड को अविलंब कचरामुक्त बनाने का आदेश दिया। अपनी मौजूदगी में मेला ग्राउंड में डंप कचरे को हटवाया। महापौर ने सख्त निर्देश दिया कि भविष्य में हजारी पशु मेला ग्राउंड में निगम का कचरा न गिराया जाए। ताकि नगर निगम क्षेत्र के पर्यावरण को सुरक्षित और संतुलित बनाया जा सके। महापौर के इस कदम की लोगों ने काफी सराहना की है। काफी दिनों से नगर निगम का कचरा हजारी पशु मेला ग्राउंड में गिराया जाता रहा है। इस कारण हजारी मेला ग्राउंड से गुजरने और वहां रहने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है। कई बार लोग इसका विरोध कर चुके हैं। महापौर के इस कार्रवाई से आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली है।

सहकारिता मंत्री बोले- चाय बेचने वाले के प्लेटफॉर्म का पता नहीं, लालू यादव दूध बेचते हैं, वह पता है

गया । गुरारू प्रखंड के मीठापुर गांव में दिवंगत प्रो. रामनरेश यादव के प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम में बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ सुरेंद्र प्रसाद यादव पहुंचे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चाय बेचने वाला है उसका प्लेटफार्म का कोई पता नहीं है लेकिन हम दूध बेचते हैं और हमारा पता चिरैयातांड है। बिहार में सिर्फ दो ही लोग दूध बेचते हैं, एक हम और दूसरे लालू प्रसाद यादव, जिसका पता है। मंत्री डॉ. सुरेंद्र यादव कहा कि हमारी डॉक्टर से ज्यादा लड़ाई नहीं होती है। हमारी लड़ाई ज्यादातर अधिकारियों से होती है। आज भी कार्यक्रम में पहुंचे हैं तो दो ऑफिसर को गाली बक कर चले गए। विजयादशमी के दिन भी घर से ऑफिसर लोग के गाली दे ही रहे थे। क्योंकि, पैसा ऑफिसर ज्यादा मांग देता है अगर कम मांगे तो काम चल जाएगा। ज्यादा मांगता है तो मां और बहन के गाली हम नहीं देते हैं लेकिन जितना डिक्सनरी में गाली पढ़े हैं उतना तो जरूर देते है। उसके बाद बोलते है भेज रहे हैं आपके पास। इसके बाद फ्री में काम कर देता है। मां बहन और बेटी दिवाली में घर को साफ करती है और जो पढ़ी लिखी बेटी होगी वह घर के दरवाजे पर स्वागतम लिखती है और जब कोई बड़ा आदमी पढ़ कर बड़ा जगह पर चला गया तो घर के बाहर लिखते है, खतरनाक कुत्तों से सावधान। दोनों के सोच में अंतर है। जीवन में कोई भी काम करे तो उसे छोटा नहीं समझिए। 10 साल की उम्र से ही हनुमान जी की पूजा कर भैंस को चारा खिलाते थे। सुरेंद्र यादव भी दूध बेचता है। मंत्री ने खुद मिल्क डेयरी के पैकेट वाला दूध को नकली दूध बताते हुए कहा कि वह लोहा का भैंस का दूध निकालता है। इसलिए हम लोहा का भैंस वाला दूध नहीं पीते है। कहा कि हम थोड़ा बैकवर्ड माइनेंड नेता हैं। इसलिए हम पर हमेशा केस होते रहता है। वैसे फॉरवर्ड जाति के लोग भी अगर मेरे पास आते है तो उनका भी काम कर देते हैं।

बिहार में 70 रुपए किलो बिक रहा प्याजः 10 दिनों में दोगुनी हुई कीमत

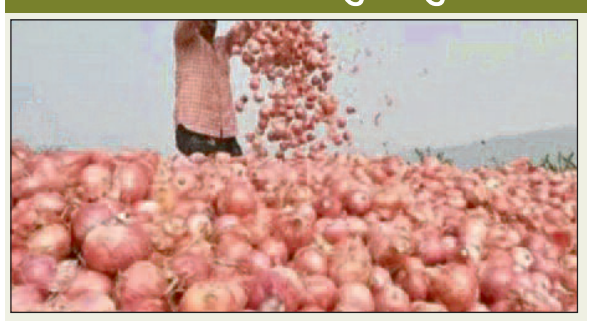

पटना। बिहार में प्याज की कीमतें आसमान छू रही है। पिछले 10 दिनों में प्याज के दाम में दोगुनी से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। राजधानी पटना के रिटेल मार्केट में प्याज की कीमत बढ़कर 70 से 75 रुपए प्रति किलो तक हो गई है। 18 अक्टूबर को प्याज 28 से 30 रुपए किलो/ प्रति किलो मार्केट में बिक रहा था। नवरात्रि खत्म होते ही प्याज की कीमतों में उछाल आ गई। सिर्फ पिछले चार दिनों 30 रुपए/प्रति किलो दाम बढ़े हैं। पटना के थोक व्यापारियों की मानें तो आने वाले दिनों में प्याज की कीमत 120 रुपए/किलो तक जा सकती है। मीठापुर के मंडी के होलसेल दुकानदार गिरधारी ने बताया - आने वाले सप्ताह में प्याज 120 रुपए किलो तक हो सकते हैं। गजेंद्र ने बताया कि 29 अक्टूबर को यहां प्याज की कीमत 70 रुपए किलो है। कल यह 60 रुपए थी, एक हफ्ते पहले कीमतें 32, 37 और 40 रुपए प्रति किलो तक थीं। गजेंद्र ने कहा- 18 अक्टूबर को ये कीमत 30 रुपए थी। जहां मंडी में 40 से 50 ट्रक प्याज रोज उतरता है। अब मुश्किल से 22 ट्रक आती हैं। इसका मुख्य कारण है जमाबंदी। बड़े व्यापारी पैसा लगा कर माल रोक लेते हैं। जिससे जरूरत और आवक के रेसियों में अंतर हो जाता है। जिससे दाम का बढ़ना लाजमी है। अगर सरकार जमाखोरी पर लगाम लगाए तो एक हद तक दामों को नियंत्रित कर लिया जाएगा। पटना के किसान राजेश प्रसाद ने बताया कि बारिश समय पर ना होने से बिहार में प्याज का उत्पाद करना पड़ रहा है। देश में सबसे ज्यादा प्याज उत्पादन करने वाले राज्यों जैसे महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में सामान्य से कम बारिश के चलते उत्पादन कम हुआ है। साथ ही बेमौसम बरसात के कारण बुआई में भी देरी हुई है। इससे सप्लाई भी देरी से होगी। जब तक नया प्याज आएगा तब तक पुराने प्याजों की कीमते बढ़ती रहेगी। वहीं प्याज के थोक और खुदरा विक्रेता सुनील प्रसाद ने बताया कि गाड़ी वाले भाड़ा अधिक ले रहें हैं। मंडी में प्याज का भाव बढ़ा हुआ है। मंडी में प्याज 60-65 रुपए/किलो के भाव से मिल रहा है। वहीं बड़े व्यापारी प्याज स्टॉक कर रहे हैं।

अगुआ समेत दो की बेरहमी से पिटाई

भोजपुर । नवादा थाना क्षेत्र के मिल्की अनाइठ मोहल्ले में शनिवार को झगड़े का समझौता करने आए एक अगुआ समेत दो लोगों की जमकर पिटाई कर दी गई। जिससे अगुआ गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना डायल 112 नंबर पुलिस वाहन को दी गई। सूचना मिलते ही डायल 112 नंबर पुलिस वाहन घटनास्थल पर पहुंची। इसके पुलिस द्वारा जख्मी अगुआ को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल में कराया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के चौबे के छौनी गांव निवासी स्व.केशो पासवान का 40 वर्षीय पुत्र वीर बहादुर प्रसाद है। इधर,वीर बहादुर प्रसाद ने

बताया कि उन्होंने अपने गांव के ही फुलेंद्र पासवान की पुत्री रिशु कुमारी की शादी नवादा थाना क्षेत्र के मिल्की अनाइठ मोहल्ला निवासी छोटू पासवान से तीन वर्ष पूर्व कराई थी। शादी के कुछ दिन बाद से ही छोटू पासवान को नशे की आदत लग गई और वह नशीले पदार्थ का सेवन करने लगा। जिसको लेकर वह घर के समान एवं उक्त लड़की के गहने को भी बेच दिया। जिसको लेकर दोनों पक्षों के बीच कुछ महीनो से विवाद चला आ रहा है। शनिवार की दोपहर वह एवं लड़की के फुलेंद्र पासवान झगड़े का समझौता करने के लिए लड़की के ससुराल मिल्की अनाइठ आए थे। लड़के द्वारा गाली-गलौज किया जाने लगा। इसके बाद उसने मुझ पर पहले धारदार हथियार से वार किया, लेकिन मैंने उसका हाथ पकड़ लिया। उसके बाद उसने लोहे के रॉड से मेरे सिर पर वार कर दिया।

जिससे मैं गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वहीं उसके लड़की के पिता फुलेंद्र पासवान मौके से भाग किसी तरह अपनी जान बचाई। इसके बाद डायल 112 नंबर पुलिस वाहन द्वारा इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं दूसरी ओर जख्मी वीर बहादुर प्रसाद ने उक्त युवक छोटू पासवान पर लोहे के रॉड से मारकर खुद को जख्मी करने का आरोप लगाया है।

लौंडा डांस की आड़ में अश्लील गानों पर डांस

पूर्णिया । सांस्कृतिक कार्यक्रम में रात भर लौंडा नाच हुआ। इस दौरान अश्लील गानों पर भरी भीड़ के बीच शर्ट तक खोल दिए गए। स्टेज पर चढ़कर पार्षद प्रतिनिधि ने खुले बदन डांस किया। वहीं डांस का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो विजयदशमी की रात का है, जहां एक तरफ देश भर में रावण दहन का कार्यक्रम चल रहा था, तो वहीं पूर्णिया में सांस्कृतिक आयोजन की आड़ में अश्लील गानों पर डांस हो रहा था। वायरल वीडियो पूर्णिया पूर्व प्रखंड के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भादो टोला के वार्ड नंबर 43 का है।

वायरल वीडियो में वार्ड 43 के पार्षद प्रतिनिधि खुद खुले बदन स्टेज पर चढ़कर डांस करते नजर आ रहे हैं। वो इस कार्यक्रम में बतौर पार्षद प्रतिनिधि मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। वायरल वीडियो करीब 1:27 सेकेंड का है, जिसमें पार्षद प्रतिनिधि शंकर यादव को खुले बदन भरी भीड़ के बीच मंच पर चढ़कर कमर हिलाते देखा जा सकता है। वीडियो को लेकर स्थानीय लोगों का कहना था कि वो शराब के नशे में थे और अपना आपा खो बैठे। हालांकि उन्होंने इस बात को फर्जी बताते हुए इसे उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश बताया है। पूरे मामले पर अपनी सफाई देते हुए वार्ड पार्षद प्रतिनिधि शंकर यादव ने कहा कि मैंने अपने क्षेत्र के जनता के निवेदन पर खुशी के माहौल में डांस किया था। मैंने शराब नहीं पी रखी थी। मैंने शराब को कभी छुआ ही नहीं। महर्षि मेंही का शिष्य होने के कारण शराब उनके और उन कैसे अनुयाइयों के लिए वर्जित है। लोगों के निवेदन पर उन्होंने ऐसा किया।

आनंद मोहन के जेल के साथियों की डिमांड, बीपीपी को फिर जिंदा की मांग

बोले-अपने कद के हिसाब से लें फैसला

पटना। बाहुबली और पूर्व सांसद आनंद मोहन मुख्य धारा की सियासत में वापसी किस झंडे के साथ करेंगे, इस पर जेल से रिहाई होने के 6 महीने बाद भी सस्पेंस बरकरार है। 27 अक्टूबर को आनंद मोहन ने अपने गांव सहरसा के पंचगछिया में बड़ा कार्यक्रम किया। इस बात की संभावना थी कि वे यहां सीएम नीतीश कुमार के सामने अपने भविष्य की सियासत का ऐलान करेंगे, लेकिन उन्होंने कोई घोषणा नहीं की। बाहुबली नेता भले चुप्पी साधे रहें, लेकिन उनके समर्थक अब खुल कर सामने आने लगे हैं। आनंद मोहन के साथ पिछले 20 सालों से जुड़े और जेल तक साथ गए। ऐसे ही उनके कुछ साथियों और समर्थकों से बात कर उनके इरादे समझने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि आनंद मोहन किसी पार्टी के पीछे जाने वाले शख्स नहीं है। पार्टियां उनके पीछे चलती है। उन्हें किसी पार्टी में जाने की बजाय अपनी पुरानी पार्टी बिहार पीपुल्स पार्टी में जान फूंकना चाहिए और उसे जिंदा करना चाहिए। हम सब उनसे ये मांग कर रहे हैं। जेपी आंदोलन और इमरजेंसी के दौरान 13 महीने तक आनंद मोहन के साथ जेल में रहे सहरसा के तेलवा प्रखंड के राम प्रसाद रौशन कहते हैं कि इन्हें किसी पार्टी में शामिल होने की जरूरत नहीं है।

आनंद मोहन को अपनी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर विकसित करना चाहिए। संगठन को और धारदार बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार पीपुल्स पार्टी अब भी एक्टिव है। सुरेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि वे जहां पर रहेंगे, उनकी दूर दृष्टि है। देश के लिए फैसला करेंगे। सोच-समझ कर फैसला करेंगे। 25 वर्षों से उनके साथ रहे अक्बुल हसन बताते हैं वे किसी पार्टी में नहीं जाएंगे। वे ऐसे नेता हैं, जिनके पीछे पार्टी भागती है। वे किसी भी पार्टी के पीछे नहीं भागते हैं। जेपी के सपने को आगे बढ़ाया है। वे व्यवस्था परिवर्तन पर फोकस करें। न लालू जेल पहुंचाएं और न नीतीश जी निकालें। परिस्थिति थी कि नीतीश जी को जेल से बाहर निकालना पड़ा। अब आगे का फैसला वे खुद करेंगे। आनंद मोहन 5 नवंबर को पटना में अपने समर्थकों के साथ बड़ी मीटिंग करने वाले हैं। इसमें वे दो बिन्दुओं पर चर्चा करेंगे। पहली पटना में बड़ी रैली का आयोजन नवंबर में किया जाए या जनवरी में। वहीं, इसी बैठक में वे अपने कार्यकताओं के साथ रायशुमारी करेंगे कि उन्हें किस पार्टी के साथ जाना चाहिए। किस पार्टी से जुड़ना चाहिए या अपनी पार्टी को एक बार फिर से धारदार बनाना चाहिए। यहां कार्यकताओं से मिले सलाह के आधार पर वे अपनी रैली में इसकी घोषणा कर सकते हैं। हालांकि वे अभी खुलकर कुछ भी नहीं बोल रहे हैं। आनंद मोहन के बेटे चेतन आनंद अभी शिवहर से आरजेडी के विधायक हैं। वहीं, लवली आनंद आरजेडी के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ चुकी हैं। आनंद मोहन और उनका परिवार लगातार इस बात को कहते आ रहे हैं कि दोनों का फिलहाल आरजेडी छोड़ने का कोई प्लान नहीं है। वे आरजेडी से ही अगला चुनाव लड़ेंगे। ठाकुर विवाद के बाद से विधायक चेतन आनंद ने अपनी ही पार्टी के सांसद मनोज झा का विरोध किया था। हालांकि बाद में आनंद मोहन ने इस पर सफाई भी दी थी। जनता दल से अलग होकर आनंद मोहन ने 1993 में बिहार पीपुल्स पार्टी का गठन किया था। 1994 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के कैंडिडेट और आनंद मोहन की पत्नी लवली आनंद ने वैशाली लोकसभा चुनाव लड़ा और दिग्गज नेता सत्येंद्र नारायण सिन्हा की पत्नी किशोरी सिन्हा को हराने में कामयाब रही। इस जीत से उत्साहित पार्टी ने 1995 के विधानसभा चुनाव में 100 विधानसभा क्षेत्रों में अपना कैंडिडेट्स उतारा। हालांकि पार्टी सभी सीट से हार गई। इसके बाद आनंद मोहन ने समता पार्टी, जेडीयू और ऑल इंडिया राष्ट्रीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन किया और अलग-अलग चुनावों में उतरे। इस बीच आनंद मोहन शिवहर से लोकसभा चुनाव जीतने में सफल रहे। 2000 के विधानसभा चुनाव में भी पार्टी 2 सीट जीतने में सफल रही। आनंद मोहन के जेल जाने के बाद पार्टी पूरी तरह बिहार की सियासत से गायब हो गई।

ई-रिक्शा ने वृद्ध को मारी टक्कर, मौत

सीवान । सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। घटना सीवान-मैरवा मुख्य मार्ग के गोपालचक मोड़ के पास की है। तेज रफ्तार में आ रही ई रिक्शा ने अनियंत्रित होकर एक वृद्ध को टक्कर मार दिया। मृतक गोपालचक गांव निवासी विंदेश्वरी राम (60) है। बताया जा रहा है की विंदेश्वरी राम शनिवार की शाम मैरवा नगर में मेला घूमने गए थे। विजयादशमी के बाद मैरवा नगर में मेला का आयोजन किया गया था। इस मेले में कई स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। इसे विंदेश्वरी राम देख कर रात में करीब 9 बजे वापस अपने घर लौट रहा था। वह पैदल ही अपने घर जा रहा था। जैसे ही अपने गांव के बाहर गोपालचक मोड़ के समीप पहुंचा, विपरित दिशा से आ रही ई-रिक्शा ने अनियंत्रित होकर वृद्ध को टक्कर मार दिया। दुर्घटना में ई-रिक्शा भी पलट गई। हालांकि ई-रिक्शा चालक मौका पाकर वहां से ई-रिक्शा छोड़कर फरार हो गया। आते-जाते राहगीरों ने उन्हें सड़क पर पड़ा देख परिजनों को सूचना दी। परिजन आनन-फानन में उन्हें मैरवा के रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृत्यु की सूचना पाते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मौके पर पहुंच कर ई-रिक्शा को जब्त कर ली है। इस संबंध में थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि परिजनों के आवेदन पर ई रिक्शा चालक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। ई-रिक्शा के रजिस्ट्रेशन संख्या के आधार पर चालक को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सीवान के सदर अस्पताल में भेज दिया।

अखिलेश प्रसाद सिंह ने बीजेपी को आड़े हाथों लिया

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डॉक्टर अखिलेश प्रसाद सिंह जमुई पहुंचे। यहां वह शनिवार को बिहार सरकार के पूर्व मंत्री स्व.अर्जुन मंडल के पैतृक गांव प्रधानचक गांव पहुंचे। उनके परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए बीजेपी को आड़े हाथों लिया। अखिलेश सिंह ने मीडिया के कई सवालों के जवाब भी दिए।

डॉ.अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि उनको सांसद बनाने के लिए आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सोनिया गांधी को उनके सामने फोन नहीं किया था। इस पर मीडिया ने कहा कि बाद में किया था क्या।

अखिलेश सिंह ने मीडिया से कहा कि यह तो आपको पता होगा। डॉ.अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि वह होटवार जेल लालू प्रसाद से मिलने गए थे। उन्होंने कहा कि सांसद बनने के लिए आरजेडी से समर्थन नहीं लेते तो क्या बीजेपी से लेते। 9वीं की परीक्षा में संस्कृत विषय में इस्लाम का सवाल पूछे जाने को लेकर कहा कि इसमें गलत क्या है। क्या संस्कृत में केवल हिंदू धर्म का सवाल पूछा जाए। उन्होंने मीडिया से ही पूछ लिया कि आप ही बताइए संस्कृत की उत्पत्ति कहां से हुई, क्या ये ज्ञान है आपको। इतिहास पढ़ने पर पता चल जाएगा कि संस्कृत की उत्पत्ति कहां से हुई। ऐसे इसके बारे में शिक्षा विभाग बेहतर जवाब दे पाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बाबू की जयंती में लालू प्रसाद को बुलाने से बीजेपी के पेट में दर्द हो रहा है। बाबू की जयंती में लालू प्रसाद के आने से सभी खुश थे। जयंती में लालू प्रसाद को बहुत सम्मान मिला। उन्होंने कहा कि भूमिहार जाति के लोग अब बीजेपी का बेगारी करने को तैयार नहीं। इसी कारण बीजेपी में भूमिहार को सम्मान नहीं मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बाबू की जयंती में लालू प्रसाद को नहीं तो क्या बीजेपी और आरएसएस को बुलाते। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी बुलाया गया था। लेकिन व्यस्तता के कारण वह नहीं आ सके।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ साकार होगा गोरक्षपीठ का सपना

संवाददाता

लखनऊ। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में जन्मभूमि पर बन रहे भव्य राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। यकीनन यह गोरक्षपीठ के लिए एक सपने के साकार होने जैसा होगा। करीब 100 साल से पीठ की तीन पीढ़ियों का यह सपना रहा है। अपने-अपने समय में इस दौरान राम मंदिर को लेकर होने वाले संघर्ष की पीठ के तबके पीठाधीश्वरों ने अगुवाई की थी। पीढ़ियों का यह संघर्ष अब मंदिर के रूप में हर्ष का प्रतिरूप सा दिखेगा। 100 वर्षों में मंदिर आंदोलन से जुड़ी हर घटना के समय पीठ के मौजूदा पीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ या उनके गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रभावी उपस्थिति रही। दिग्विजयनाथ ने इसकी (श्रीराम मंदिर) बात तब की जब हालात बेहद चुनौतीपूर्ण थे। उस समय कांग्रेस की आंधी चल रही थी। धर्मनिरपेक्षता का नारा उफान पर था। हिंदू और हिंदुत्व की बात करना अराष्ट्रीय माना जाता था। उन हालातों में भी वह सड़क से लेकर संसद तक मंदिर आंदोलन के मुखर और निर्भीक आवाज थे। महंत अवेद्यनाथ का तो ताउम्र सपना था कि उनके जीते जी यह काम हो जाय। वह मंदिर आंदोलन से जुड़ी शीर्ष संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारी

भी थे। जब मंदिर आंदोलन चरम पर था तो उनकी ही वजह से गोरक्षपीठ, अयोध्या के बाद इसका केंद्र बन गया था। संयोग से अपने योग्य शिष्य योगी आदित्यनाथ की देखरेख में इस सपने को साकार होते देख उनकी आत्मा जरूर खुश होगी। खासकर यह देखकर कि देश और दुनिया के करोड़ों हिंदुओं के आराध्य मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर करीब 500 वर्ष के इंतजार के बाद 5 अगस्त 2020 को भव्यतम मंदिर की बुनियाद उनके शिष्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी। यह भी सबको मालूम होना चाहिए कि राम मंदिर के बाबत सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद राम मंदिर न बनने तक टेंट से हटाकर चांदी के सिंहासन पर एक अस्थाई ढांचे में ले जाने का काम योगी ने ही किया था। मंदिर आंदोलन के इतिहास पर गौर करें तो पता चलेगा कि देश की जंगे आजादी और आजादी के तुरंत बाद के वर्षों में जब हिंदू और हिंदुत्व की बात करना भी गुनाह था, तब योगी आदित्यनाथ के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने गोरक्षपीठाधीश्वर और सांसद के रूप में हिंदू- हिंदुत्व की बात को पुरजोर तरीके से उठाया। न सिर्फ उठाया बल्कि राम मंदिर आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई। सच तो यह है कि करीब 500 वर्षों से राम मंदिर के लिए संघर्ष को 1934 से 1949 के दौरान आंदोलन चलाकर एक बेहद मजबूत बुनियाद और आधार देने का काम महंत दिग्विजयनाथ ने ही किया था। दिसंबर 1949 में अयोध्या में रामलला के प्रकटीकरण के समय वह वहीं मौजूद थे। उसके बाद तो यह सिलसिला ही चल निकला। नब्बे के दशक में जब राम मंदिर आंदोलन चरम पर था तब भी गोरक्षपीठ की ही केंद्रीय भूमिका रही। मंदिर आंदोलन से जुड़े सभी शीर्षस्थ लोगों अशोक सिंहल, विनय कटियार, महंत परमहंस रामचंद्र दास, उमा भारती, रामविलास वेदांती आदि का लगातार पीठ में आना-जाना लगा रहता था। उनकी इस बाबत तबके गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ से लंबी गुफ्तगू होती थी। यही नहीं 1984 में शुरू रामजन्म भूमि मुक्ति आंदोलन के शीर्षस्थ नेताओं में शुमार महंत अवेद्यनाथ आजीवन श्रीरामजन्म भूमि मुक्ति यज्ञ समिति के अध्यक्ष व रामजन्म भूमि न्यास समिति के सदस्य रहे।

संक्षिप्त डायरी

श्रीलंका बुद्ध बिहार में भिक्षुओं को भन्ते डा0 नन्द रतन ने किया दान

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। अश्वनी शरद पूर्णिमा वषार्वास की समाप्ति अवसर श्रीलंका बुद्ध बिहार में भन्ते डा0 नन्द रतन थेरो के नेतृत्व में अशोका स्तूप परिसर में तथागत बुद्ध का पूजन अर्चन किया गया। इस अवसर पर बौद्ध भिक्षुओं ने बुद्ध की लेटी प्रतिमा पर चीवर चढाकर पूजन किया और थाईलैंड, कोरिया, श्रीलंका, तिब्बत, म्यांमार, कंबोडिया, ताईवान आदि देशों व स्थानीय भिक्षुओं को दान दिया। भन्ते नन्द रतन ने कहा कि वषार्वास बौद्ध धर्म में बहुत महत्व रखता है। तीन मास तक भिक्षु एक स्थान पर वास करते हैं और बुद्ध के करुणा, शील, त्याग, अहिंसा आदि के पंचशील के सिद्धांत का पालन करते हैं। इस दौरान थाई भन्ते सों क्रान, लामा कुन्चुक आदि भन्ते शामिल हुए। भन्ते किती फान, विनय कीर्ति, भिक्षु नंदिका, भिक्षु शीलप्रकाश, भन्ते अशोक, श्रीलंका भन्ते, भन्ते राहुल, भन्ते समिट, भन्ते मन मोहन, भन्ते उपाली, भन्ते राहुल आदि भिक्षुओं के अलावा राम नगीन, ओमप्रकाश कुशवाहा, सुमित शाक्य, शंम्भू कुशवाहा, दीपक, अवनीश, संतोष कुशवाहा, मधुसूदन, चन्द्र प्रकाश शर्मा उर्फ भोलू, हिमांशु पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

शिविर में 128 रोगियों की हुई जांच, बीमारियों को लेकर किया गया जागरूक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर में पुरानी फाजिलनगर रोड स्थित विश्वकर्मा मंदिर के समीप रविवार को एक निजी हास्पिटल तत्वावधान में निश्शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। इस दौरान चिकित्सकों ने 128 रोगियों की जांचकर उनमे दवाएं वितरित किया। लोगों को बदलते मौसम में हो रही बीमारियों से बचाव के बारे में बताते हुए उन्हें जागरूक किया गया। वरिष्ठ फिजिसियन डा. सर्वेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि इस मौसम लोग अधिक बीमार पड़ते हैं। बुखार, सर्दी, जुकाम, खांसी, त्वचा आदि रोगों से लोग पीड़ित रहते हैं। यह वायरल है। इसमें दवा के साथ जागरूक रहने की आवश्यकता है। ठंडी वस्तुओं को खाने से बचना चाहिए। सोते समय मच्छरदानी व गर्म पानी से सेवन करना चाहिए। महिला रोग विशेषज्ञ डा. आदिति मित्तल ने कहा कि सबसे अधिक महिलाए बीमार हो रहीं हैं। इसका जिम्मेदार वह खुद है। खानपान व साफ-सफाई पर ध्यान दें तो बहुत सी बीमारियों से बचाव कर सकती है। कहा कि माहवारी के समय गंदे कपड़े का इस्तेमाल बिलकुल न करें। हमेशा सैनेटरी पैड का प्रयोग करना चाहिए। दन्त रोग विशेषज्ञ डा. रिजवान आलम ने कहा कि दांतों की सफाई भोजन के बाद अवश्य करना चाहिए। इसके कई लाभ हैं। जनरल सर्जन डा. रवि प्रकाश प्रजापति, डा. धैर्य प्रकाश, डा. सोएब आदि ने भी रोगियों का परामर्श कर बचाव के उपाय बताएं। आयोजक देवेश शुक्ल ने टीम के प्रति आभार जताया। इस दौरान फार्मासिस्ट दीपू राव, सौम्य सिंह, खुशबू विश्वकर्मा, कबीर अहमद आदि उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट लाइक करना नहीं, शेयर करना हैं अपराध : इलाहाबाद हाई कोर्ट

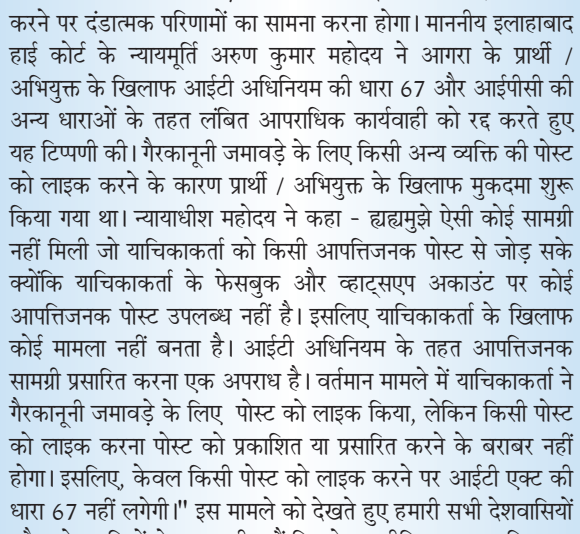

संवाददाता

आगरा। माननीय इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बुधवार एक मामले में अपनी टिप्पणियों में कहा कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट को साझा करना सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत प्रसार माना जाएगा और दंडनीय होगा। इस सन्दर्भ में सीनियर क्रिमिनल लॉयर अरविन्द कुमार पुष्कर एडवोकेट ने प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया कि हमारी सभी से अपील हैं कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट शेयर ना करें। पूर्व में आगरा की एक अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लिया था और 30 जून को आरोपी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था और सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेशों को लाइक करने के लिए उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था। आरोपों के मुताबिक संदेशों के परिणामस्वरूप बिना अनुमति के जुलूस में शामिल होने के लिए विशेष समुदाय से संबंधित लगभग 600 -700 व्यक्ति एकत्रित हो गए थे।

इस बावत बुधवार को माननीय इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि - "सोशल मीडिया पर किसी आपत्तिजनक पोस्ट को लाइक करना कोई अपराध नहीं है। हालांकि ऐसी सामग्री को साझा करने या दोबारा पोस्ट करने पर दंडात्मक परिणामों का सामना करना होगा। माननीय इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अरुण कुमार महोदय ने आगरा के प्रार्थी / अभियुक्त के खिलाफ आईटी अधिनियम की धारा 67 और आईपीसी की अन्य धाराओं के तहत लंबित आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। गैरकानूनी जमावड़े के लिए किसी अन्य व्यक्ति की पोस्ट को लाइक करने के कारण प्रार्थी / अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा शुरू किया गया था। न्यायाधीश महोदय ने कहा - ह्यह्यमुझे ऐसी कोई सामग्री नहीं मिली जो याचिकाकर्ता को किसी आपत्तिजनक पोस्ट से जोड़ सके क्योंकि याचिकाकर्ता के फेसबुक और व्हाट्सएप अकाउंट पर कोई आपत्तिजनक पोस्ट उपलब्ध नहीं है। इसलिए याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। आईटी अधिनियम के तहत आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करना एक अपराध है। वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता ने गैरकानूनी जमावड़े के लिए पोस्ट को लाइक किया, लेकिन किसी पोस्ट को लाइक करना पोस्ट को प्रकाशित या प्रसारित करने के बराबर नहीं होगा। इसलिए, केवल किसी पोस्ट को लाइक करने पर आईटी एक्ट की धारा 67 नहीं लगेगी।" इस मामले को देखते हुए हमारी सभी देशवासियों और प्रदेशवासियों से पुनः अपील हैं कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट शेयर ना करें।

मानव योग मंच संगठन द्वारा स्कूल बैग व मिठाई वितरित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। आज रविवार को कुशीनगर के कुडवा उर्फ दिलीप नगर में संचालित मानव योग मंच रजिस्टर्ड अखिल भारतीय संगठन द्वारा सैकड़ों गरीब व जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क स्कूल बैग व मिठाई वितरण किया गया। जिसमें यूपी के प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस आर्या, प्रदेश प्रभारी विश्वजीत नाथ और प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग शर्मा और प्रदेश महामंत्री राजन सिंह शामिल रहे। मानव योग मंच संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस आर्या जी ने कहा कि मानव योग मंच संगठन गरीब व जरूरतमंद लोगों के लिए लगातार देश, प्रदेश स्तर पर व अलग अलग जिला स्तर पर कार्य कर रही हैं। चाहें शिक्षा का क्षेत्र हो, चाहें किसी को दवाई की जरूरत हो, राशन की जरूरत हो, चाहें किसी की न्याय की बात हो मानव योग मंच संगठन हर सम्भव मदद करता रहता हैं। वही प्रदेश प्रभारी विश्वजीत नाथ जी ने कहां की मानव योग मंच संगठन निःशुल्क वृक्ष रोपण, निःशुल्क स्वास्थ शिविर, निःशुल्क स्कूल बैग वितरण, बुक, नोटबूक पेन, पेंसिल वितरण, बुजुर्ग लोगों के लिए खाना, आश्रय, विकलांग व मंदबुद्धि वाले लोगों के लिए निःशुल्क दवा वितरण किया जाता हैं।

किसानो की समस्याओं को सुनने के लिए 4 नवंबर को होगी महारैली भारतीय किसान यूनियन किसान राज

संवाददाता

हापुड़ । भारतीय किसान यूनियन किसान राज के केंद्रीय कार्यालय हापुड़ मैं एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया !जहाँ भाकियू किसान राज के प्रदेश अध्यक्ष इमरान अली ने बताया की किसानों के साथ हो रही अनेकों समस्याओं का निस्तारण करने व उनके हक और अधिकार की लड़ाई लड़ने के लिए 4नवंबर को एक रोड शो रैली का आयोजन किया जा रहा है !वहीं प्रदेश अध्यक्ष ने बताया की ये हमारी रैली सेंकड़ो ट्रेक्टर बाइक कार व अन्य वाहनों के साथ कार्यालय से रेलवे रोड अतरपुरा चोपला गढ़ रोड से सीधी ततारपुर कांठीखेड़ा घूँघराला से अन्य गावों से किसानों को साथ लेकर भ्रमण करेगी !जिसका समापन गाँव सलाई मैं करते हुए किसानो की समस्याएं सुनी जाएंगी !वहीं इस मोके पर मौजूद रास्ट्रीय अध्यक्ष पंडित यतेंद्र शर्मा महिला मोर्चा की रास्ट्रीय अध्यक्ष कविता शर्मा प्रदेश अध्यक्ष इमरान अली प्रदेश महा सचिव डॉ दिलशाद प्रदेश मीडिया प्रभारी नदीम त्यागी मंडल मंत्री अरमान त्यागी जिलाध्यक्ष मेहताब अली विधानसभा अध्यक्ष इशरत अली साजिद अली अतीक अहमद मोहम्मद मुस्लिम शाहेनूर व मशरूफ सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवानपुरी वासियों ने किया अपने सभासद का सम्मान

संवाददाता

हापुड़। शहर के वार्ड 32 के मोहल्ला भगवानपुरी निवासियों ने अपने सभासद रोहतास यादव एवं नगरपालिका सफाई कर्मचारियों के सुपरवाइजर मंगल का सम्मान किया। विदित हो कि भगवानपुरी के निकट विवादित भूमि स्थल डंपिंग ग्राउंड में परिवर्तित हो गया था। इस भूमि स्थल पर आस-पास के कई मोहल्लों का कूड़ा डाला जा रहा था। जिस कारण यह भूमि स्थल गंदगी का केंद्र बन गया था। इस कूड़े और गंदगी से निकट के मोहल्लों में बदबू, वायु प्रदूषण और बीमारियां फैल रही थी। मोहल्लवासियों ने इस समस्या से त्रस्त होकर अपने सभासद श्री रोहतास यादव से शिकायत की थी। जिन्होंने नगरपालिका अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा देवी के समक्ष इस मुद्दे को रखा। जिस पर नगरपालिका अध्यक्षा ने त्वरित कार्यवाही करते हुए भूमि स्थल को गंदगी मुक्त कराने हेतु सक्षम अधिकारियों को निर्देशित किया और सभासद महोदय के साथ स्वयं भूमि स्थल पर पहुंचकर कार्य प्रगति का मुआयना किया। इस कार्यवाही और अपने सभासद के समर्पण भाव से प्रसन्न होकर मोहल्लवासियों ने अपने सभासद और सफाई सुपरवाइजर का माल्यार्पण और स्मारिका भेंट कर सम्मान और धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का आयोजन नितिन गोयल, नितिन गर्ग उर्फ सोनू, बादल चौधरी, नीरज शर्मा और दीपक शर्मा ने किया कार्यक्रम में मोहल्ले के सम्भ्रांत निवासीगण कामेश्वर प्रसाद शर्मा,सुरेश चंद शर्मा, रामकुमार अग्रवाल,राजीव शर्मा, नितिन कंसल,योगेश कंसल, ओमदत्त, वैभव, यश, देव आदि उपस्थित रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष सहित पार्टी जनों ने सुनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात'

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं के साथ जन प्रतिनिधि रविवार को अलग-अलग जगहों पर पूरे उत्साह के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' को सुना। प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को रेडियो पर प्रसारित होने वाले मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम के 106 वें संस्करण को सुनने के लिए पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सुबह 10 बजे ही अपने अपने बूथ पर जुटने लगे थे। मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक व जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल के अनुसार कुशीनगर जनपद के

2527 बूथों पर पार्टी के जनप्रतिनिधि पदाधिकारी और कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन बात सुना जिसमें 25577 लोग सम्मिलित हुए। जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय फाजिलनगर विधानसभा के बूथ संख्या 198 पर, सांसद विजय कुमार दूबे पडरौना नगर के जलकल में बूथ संख्या 246 पर, तमकुहीराज विधायक डॉ असीम राय अपने विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 107, खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय अपने विधानसभा के बूथ संख्या 100, हाटा विधायक मोहन वर्मा अपने विधानसभा क्षेत्र के 185, फाजिलनगर सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा विधायक अपने अपने के बूथ संख्या 391 पर, रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड अपने विधानसभा के बूथ संख्या 139 पर तथा पार्टी के सभी वर्तमान और पूर्व पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि और पार्टी नेता ओं ने अपने - अपने बूथों पर स्थानीय बूथ समिति और पार्टी कार्यकताओं के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी।

जिला उपाध्यक्ष पूनम गोयल के आवास पर सुनी प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम

संवाददाता

अमरोहा। आदमपुर मंडल के रसीदपुर गढ़ी शक्ति केंद्र पर जिला उपाध्यक्ष पूनम गोयल जी के आवास पर प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम के 106वें एपिसोड को सुना इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने स्थानीय उत्पादों की खरीद पर जोर दिया तथा भारत को आत्मनिर्भर बनाने का जो सपना है उसे पूरा करने के लिए कहा । कार्यक्रम के उपरांत संगठन निदेर्शानुसार मतदाता सूचियों का वाचन भी किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष पूनम गोयल जी तथा विधानसभा संयोजक धीर सिंह

जी द्वारा सभी से अधिक से अधिक वोट बनवाने की अपील भी की गई मंडल महामंत्री आशीष शर्मा ने बताया कि मंडल में आज सभी बूथ पर मन की बात कार्यक्रम सुना जा रहा है तथा मंडल में सभी बूथ अध्यक्षों को विधानसभा संयोजक धीर सिंह जी एवं मंडल अध्यक्ष देवेंद्र मलिक जी के सहयोग से मतदाता सूचियां प्राप्त हो गई है एवं सभी के सहयोग से मंडल जिस प्रकार अभियानों में आगे रहता है उसी प्रकार वोट बनाने में भी आगे रहेगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष पूनम गोयल विधानसभा संयोजक धीर सिंह जी,प्रिंस चौधरी, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र मलिक मंडल महामंत्री एवं आदमपुर मंडल की बात संयोजक आशीष शर्मा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रॉबिन चौधरी मंडल अध्यक्ष देवेंद्र मलिक उपाध्यक्ष देशराज सिंह,अभ्रा पाठक, राजेंद्र शर्मा, मनोरमा देवी निधि वर्मा राजीव कुमा मीनू चौधरी अनिल कुमार संजय कुमार कपिल पंकज देवेंद्र सिंह अजय सिंह कमल कुमार समेत अनेक कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

भीम आर्मी जिलाध्यक्ष ने की नई कमेटी बनाने की अपील

संवाददाता

हापुड़ । गढ़ रोड भीम नगर विवेक पब्लिक स्कूल में मिटिंग का आयोजन किया गया जिसमें नए जिला संयोजक उमेश कुमार गौतम जी ने अपने नेतत्व मे मीटिंग का आयोजन किया, जिसमें मंच का संचालन करते हुए ललित राज वर्मा ने कहा कि भीम आर्मी एक सामाजिक संगठन हैं जो एकता और समानता का प्रतीक हैं जिसे सभी साथियों को जिले की तीनों विधानसभाओं मे पहुचना हमारा

कर्तव्य हैं, जिला संयोजक उमेश कुमार गौतम ने बताया की कोई भी पदाधिकारी अपने आप को भीम आर्मी से अलग ना समझे जिस पर जो पद हैं जिले मे हो या विधानसभा व नगर मे सभी अपने अपने पद पर कायम हैं और सभी पदाधिकारी जो काम करना चाहता हैं वह जिला कार्यलय पर आकर अपनी उपस्थिति जरूर दर्ज कराये, जिसमें सभी कार्यकर्ता ने जिला संयोजक जी का फूल माला पहनाकर स्वागत किया। जिसमें जिला संयोजक उमेश कुमार गौतम ने कहा कि जो पिछली कमेटी मे पदाधिकारी हैं सबसे पहले उनका सम्मान किया जायेगा और सभी पदाधिकारीओ से अपील हैं की नई कमेटी बनने से पहले एक बार जिला कार्यलय पर आकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराये। आज की मीटिंग में सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महाकुंभ 2025 : 67 हजार से ज्यादा स्ट्रीट लाइटों से जगमग होगा मेला क्षेत्र

संवाददाता

लखनऊ । प्रयागराज का महाकुंभ 2025 हर दृष्टिकोण से ऐतिहासिक होने जा रहा है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए करोड़ों की संख्या में आस्थावान सनातनी पूरी दुनिया से प्रयागराज में उमड़ेंगे। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशानिर्देश पर महाकुंभ को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। योगी सरकार ने महाकुंभ 2025 को सुरक्षित और सुविधाजन बनाने के लिए लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये का बजट पहले ही तय कर दिया है।

वहीं अकेले बिजली की व्यवस्था पर ही सरकार तकरीबन 400 करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है, जोकि 2018-19 के कुंभ की तुलना में दोगुना है। बता दें कि 2018-19 में सरकार ने 192 करोड़ रुपये खर्च किये थे, जबकि इस बार ये रकम 400 करोड़ के

करीब है। पूरे महाकुंभ मेला क्षेत्र को दूधिया रोशनी से जगमग करने के लिए 67 हजार से भी अधिक स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इनमें लगभग दो हजार सोलर हाईब्रिड स्ट्रीट लाइटें होंगी, जिन्हें प्रमुख घाटों और मेला क्षेत्र में सड़कों के जंक्शन पर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए योगी सरकार 109 डीजी सेट की भी व्यवस्था करेगी। जिससे पूरे मेला क्षेत्र को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा 11 केवी के 15 रिंग मेन यूनिट्स भी लगाए जाएंगे, जिनसे अचानक पॉवर सप्लाई बाधित होने की दशा में तत्काल दूसरे स्त्रोत से बिजली को ऑटो चेंज करके प्राप्त किया जा सके। इन्हें हर 6 सब स्टेशन के बाद स्थापित किया जाएगा। मेला क्षेत्र में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त मैन पॉवर और अत्याधुनिक उपकरणों के लिए योगी सरकार ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी है। इनमें स्ट्रीट लाइट की रिपेयरिंग के लिए चार आधुनिक वैन लगाये जाएंगे। महाकुंभ मेला खत्म होने के बाद इन वैनों का उपयोग आगामी माघ मेलों और प्रयागराज शहर के स्ट्रीट लाइटों के लिए किया जाएगा। इसके अलावा चार मोबाइल हाईमास्ट जनरेटर भी लगाये जाएंगे। इनका उपयोग मेले के विद्युतिकरण से पहले मेला क्षेत्र में विभिन्न कार्यस्थलों पर रोशनी देने के लिए किया जाएगा। महाकुंभ मेला खत्म होने के बाद इन मोबाइल हाईमास्ट जनरेटर का उपयोग आगामी माघ मेलों और प्रयागराज शहर के लिए किया जाएगा। इतना ही नहीं मेले में लगे स्ट्रीट लाइट और तारों की देखरेख के लिए इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईसीटी) की मदद ली जाएगी। तकरीबन डेढ़ लाख आईसीटी बेस्ड मॉनीटरिंग सिस्टम में क्यू आर कोडिंग और जीओ टैगिंग के जरिए बिजली आपूर्ति की मॉनीटरिंग की जाएगी। इससे फॉल्ट और करेंट लीकेज का तत्काल पता लगाकर उन्हें जल्द से जल्द ठीक करने में मदद मिलेगी। मेला क्षेत्र में बिजली व्यवस्था की मॉनीटरिंग के लिए पूरे इलाके की ऑटोकैड के जरिए प्रॉपर मैपिंग कराई जाएगी।

साइंटिफिक नजरिया जरूरी

नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग (NCERT) की एक उच्चस्तरीय समिति ने स्कूलों में सोशल साइंस के पाठ्यक्रम में संशोधन से जुड़ी जो सिफारिशें दी हैं, उनमें से कुछ को महज अनावश्यक कहकर काम चलाया जा सकता है, लेकिन कुछ सिफारिशें ऐसी भी हैं जिनके पीछे की दृष्टि गंभीर विचार-विमर्श की मांग करती है। समिति की जिस सिफारिश पर तत्काल और सबसे तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली वह यह है कि स्कूली किताबों में देश का नाम अब सिर्फ भारत ही लिखा जाए, इंडिया नहीं। यह मसला कुछ समय पहले ही चर्चा में आ चुका है और इसके पक्ष-विपक्ष में दलीलें भी उसी समय से दी जाती रही हैं। उसे अलग से यहां दोहराने की जरूरत नहीं है। लेकिन चूंकि दोनों ही नामों का जिक्र संविधान में है इसलिए दोनों में से किसी भी नाम को कमतर या हीन मानते हुए दिखना उचित नहीं कहा जाएगा। खैर, अभी इस सलाह को NCERT ने भी स्वीकार नहीं किया है, इसलिए साफ नहीं है कि इस सलाह का भविष्य क्या होने वाला है। फिर भी इतना जरूर है कि इस सलाह से न तो स्कूलों के पाठ्यक्रम में किसी तरह का कोई गुणात्मक बदलाव होना है और न ही बच्चों की सोच-समझ या पढ़ाई में कुछ घटना या बढ़ना है। ऐसे में बेवजह एक राजनीतिक विवाद शुरू करना NCERT की इस समिति के लिए जरूरी नहीं था। इससे आसानी से बचा जा सकता था। लेकिन समिति के अन्य सुझावों को बेवजह का नहीं बताया जा सकता है। न सिर्फ उनके पीछे पर्याप्त गंभीरता है बल्कि उन पर खास तरह की वैचारिकता की छाप भी दिखती है। उदाहरण के लिए, समिति की एक सलाह यह है कि अतीत में हुए युद्धों का जिक्र करते हुए स्कूली किताबों में 'हिंदू विजयों' को रेखांकित किया जाए। समिति के अध्यक्ष सी आई इसाक के शब्दों में, 'पाठ्यपुस्तकों में हमारी विफलताओं का जिक्र तो है, लेकिन मुगलों और सुल्तानों पर हमारी जीतों का जिक्र नहीं है।' जाहिर है, हिंदू जीतों पर जोर देने का समिति का आग्रह इस तथ्य से मेल खाता है कि समिति के अध्यक्ष खुद को युद्ध के एक पक्ष (मुगलों और सुल्तानों) के खिलाफ और दूसरे पक्ष के साथ खड़ा करके इतिहास को देखने की कोशिश कर रहे हैं। यह नजरिया दो वजहों से दोषयुक्त कहा जाएगा। एक तो इसमें वह वस्तुनिष्ठता या ऑब्जेक्टिविटी नहीं है जो इतिहास जैसे विषय के साथ बरतने की जरूरत होती है। दूसरी बात यह कि अगर किसी खास समूह के साथ जुड़ाव रखते हुए भी चीजों को देखा जाए तो अपनी गलतियों या कमजोरियों से बचने की या किसी उपाय से उन्हें छुपाने की जो घोषित-अघोषित इच्छा इसमें झलकती है, वह यूं भी किसी व्यक्ति या समाज को स्वस्थ नजरिया नहीं दे सकती। पाठ्यपुस्तकों में किसी भी तरह का फेरबदल करते हुए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि उसके पीछे नजरिया हमेशा स्वस्थ और वैज्ञानिक हो।

नवाज शरीफ की पाकिस्तान वापसी

छह साल पहले, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता और तीन बार के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान के साथ बिगाड़ होने के बाद सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। उसके बाद हुए चुनाव में, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के इमरान खान को सत्ता मिली, जो उस वक्त सैन्य प्रतिष्ठान के 'अजीज' थे। शरीफ को अयोग्य करार दिया गया और जेल में डाल दिया गया, जबकि उनकी पार्टी ने सेना पर पीटीआई के पक्ष में चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाया। सन 2019 में, वह लंदन में निर्वासित जीवन बिताने लगे। चार साल बाद, स्थितियां नाटकीय ढंग से बदल गयी हैं। पिछले साल सत्ता से बेदखल हुए इमरान खान अब जेल में हैं और सेना के मुखर आलोचक बन गये हैं, और जो नवाज शरीफ कभी फौजी जनरलों के शत्रु हुआ करते थे, वह पिछले हफ्ते जोरदार स्वागत के बीच पाकिस्तान लौटे। इस दौरान एक रैली में उनके हजारों समर्थक एक सुर में नारा लगा रहे थे - 'आओ फिर से संभालो, मुल्क बचा लो, नवाज शरीफ'। इस किस्म की सियासी कलाबाजी पाकिस्तान में कोई नयी चीज नहीं है। वहां राजनेता अपने विरोधियों से निपटने के लिए जनरलों से हाथ मिलाते हैं और सत्ता तक पहुंचने की अपनी राह आसान बनाते हैं, जो सिर्फ सेना द्वारा तैयार की जाती है। खुद शरीफ यह काम तीन बार कर चुके हैं। लिहाजा, आम चुनावों से पहले, शायद जनरलों के साथ एक समझदारी के तहत हुई शरीफ की वतन वापसी से, पाकिस्तान अतीत की ओर लौट गया है। शरीफ सत्ता चाहते हैं और जनरल अपने नये शत्रु इमरान खान को किनारे करना और उनकी पार्टी को भंग करना चाहते हैं। यह सुविधा की दोस्ती है। अपनी बेदखली के बाद, खान ने पीएमएल-एन और सेना पर सामने से हमला शुरू किया। जवाब में, इमरान खान के बाद बनी, शरीफ के छोटे भाई शाहबाज शरीफ की अगुवाई वाली सरकार के साथ-साथ, प्रतिष्ठान ने पीटीआई पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की। लेकिन सेना द्वारा निशाना बनाये जाने से खान को और लोकप्रियता ही मिली है। दूसरी तरफ, खान की मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, पीएमएल-एन आंतरिक विभाजनों और बाहरी चुनौतियों से जूझ रही है। पार्टी को अब उम्मीद है कि करिश्माई बुजुर्ग नेता नवाज शरीफ (जो पार्टी के रूढ़िवादी जनाधार के बीच लोकप्रिय हैं और पंजाब के अमीर कारोबारी वर्ग में असर रखते हैं) चुनाव से पहले पीएमएल-एन में नयी जान फूंक सकते हैं। शरीफ के लिए, अपने खिलाफ चल रहे मामलों को खत्म करवाने और अपनी अयोग्यता को हटवाने के लिए जनरलों का समर्थन जरूरी है। लेकिन आगे की राह कठिन है। पीएमएल-एन के खिलाफ लोगों में भारी गुस्सा है, क्योंकि उसी की देखरेख में अत्यधिक महंगाई, बेरोजगारी, गिरते रुपये और भुगतान-संतुलन के आसन्न संकट के साथ आर्थिक स्थिति बिगड़ी है।

रक्तहीन क्रांति के संवाहक सरदार पटेल

ANALYSIS

रमेश सर्राफ धमोरा

यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री, गृहमंत्री, सूचना प्रसारणमंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी। सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की, लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। देश के वो पहले गृहमंत्री गृहमंत्री थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आईसीएस) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आईएएस) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री, गृहमंत्री, सूचना प्रसारणमंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी। सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की, लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए, जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टेच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगुनी ऊंची (182 मीटर) है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल रहा होगा। सरदार यानी नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षों में तपकर उनका मनोबल लोहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होंने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होंने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होंने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। अपराजेय पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निमार्ता हैं। देश के विकास में सरदार पटेल के महत्व को सदैव याद रखा जायेगा। सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनों ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के संगठन को व्यवस्थित किया। अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे, लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते। सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ़ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा। जब चीन के तत्कालीन प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं। सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर, 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हें बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देशभर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मानित किया है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

हवा में घुलता जहर-सांसों पर कहर

दीवाली से कई दिन पहले ही दिल्ली-एनसीआर की हवा में जहर घुल चुका है। वायु प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ रहा है कि दमघोंटू हवा में लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। वैसे तो वर्तमान में मुंबई में भी वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई है और वहां बीएमसी द्वारा बिगड़ते वायु प्रदूषण को रोकने के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं लेकिन देश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तो वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में है। दिल्ली हो या नोएडा अथवा आसपास के अन्य इलाके, एक्यूआई 300 के ऊपर जा चुका है तथा माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में यह 400 के पार पहुंच जाएगा, तब लोगों को सांस लेने में काफी तकलीफ महसूस होने लगेगी। वैसे अभी से सांस संबंधी परेशानियों के साथ बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंचने लगे हैं। 'सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फॉरकास्टिंग एंड रिसर्च' (सफर) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है। सफर की स्थापना भारत में महानगरों के प्रदूषण स्तर और वायु गुणवत्ता को मापने के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की पहल के तहत 2010 में की गई थी। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता बहुत खराब रहेगी, जिसका कारण तापमान में कमी और पराली जलाने से होने वाला उत्सर्जन है। केंद्र सरकार के डिसीजन सपोर्ट सिस्टम फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (डीएसएस) ने पराली जलाए जाने की गतिविधियों में वृद्धि की आशंका जताई है, जिससे अगले कुछ दिनों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब होने की आशंका है। चिंता का विषय यह है कि हर साल दिल्ली सहित हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों में इस सीजन में खेतों में बड़े स्तर पर पराली जलाई जाती है, जिसके चलते प्रदूषण का यही आलम देखने को मिलता है। यह बेहद चिंता की बात है कि किसानों से खेतों में पराली नहीं जलाए जाने के निरंतर अनुरोधों के बाद भी इस बार दशहरे के मौके पर तो जैसे किसानों में पराली फूंकने की होड़ सी लगी दिखी। खेतों में जलती पराली, विकास के नाम पर अनियोजित तथा अनियंत्रित निर्माण कार्यों के चलते बिगड़ते हालात, वाहनों और औद्योगिक इकाइयों के कारण अत्यधिक प्रदूषित हो रहे वातावरण के भयावह खतरों को हम इसी प्रकार साल-दर-साल झेलने को विवश हैं। हालांकि पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण के मामले में देश में पहले से ही कई कानून लागू हैं लेकिन उनकी पालना कराने के मामले में पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग में सदैव उदासीनता का माहौल देखा जाता रहा है। देश की राजधानी दिल्ली तो वक्त-बेवक्त 'स्मॉग' से लोगों का हाल बेहाल करती रही है। न केवल दिल्ली-एनसीआर में बल्कि देशभर में वायु, जल तथा ध्वनि प्रदूषण का खतरा निरन्तर मंडरा रहा है। वायु, जल तथा अन्य प्रदूषण के कारण अब हर साल देशभर में लाखों लोग जान गंवाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक मानव निर्मित वायु प्रदूषण के ही कारण प्रतिवर्ष करीब पांच लाख लोग मौत के मुंह में समा जाते हैं। अब देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जहां लोग धूल, धुआं, कचरा और शोर के चलते बीमार न हो रहे हों। पर्यावरण तथा मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत डेविड आर. बॉयड का कहना है कि विश्वभर में इस समय छह अरब से भी ज्यादा लोग इतनी प्रदूषित हवा में सांस ले रहे हैं, जिसने उनके जीवन, स्वास्थ्य और बेहतरी को खतरे में डाल दिया है और सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि इसमें करीब एक-तिहाई संख्या बच्चों की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण के चलते दुनियाभर में प्रतिवर्ष करीब 70 लाख लोगों की असामयिक मृत्यु हो जाती है, जिनमें करीब छह लाख बच्चे भी शामिल होते हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक वातावरण में बढ़ रहा वायु प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य के लिए काफी समस्यादायक स्थिति पैदा कर सकता है, जिससे रेसपिरेटरी, न्यूरोबिहेवियरल, कार्डियोवैस्कुलर तथा इम्यून सिस्टम से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में बताया गया है कि वायु प्रदूषण न केवल फेफड़ों को बल्कि स्वास्थ्य को तमाम अन्य तरीकों से भी प्रभावित करता है। हवा की खराब गुणवत्ता के कारण अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, और बैक्टीरियल संक्रमण के खतरे बढ़ सकते हैं। वायु की खराब गुणवत्ता व्यक्ति में ऑटिज्म, तनाव और स्ट्रोक जैसे तमाम न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर सहित अन्य बीमारियों को भी बढ़ावा देती हैं। वायु प्रदूषण के कारण हवा में कई प्रकार की हानिकारक गैसें सम्मिलित हो जाती हैं, जिनसे सिरदर्द, खांसी, जुकाम और एलर्जी जैसी आम समस्याएं भी देखने को मिलती हैं। शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट शिकागो (ईपीआईसी) के निदेशक और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर माइकल ग्रीनस्टोन तथा उनकी टीम द्वारा किए गए एक अध्ययन के बाद कुछ समय पहले कहा जा चुका है कि भारत की कुल आबादी का बड़ा हिस्सा ऐसी जगहों पर रहता है, जहां पार्टिकुलेट प्रदूषण का औसत स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से ज्यादा है। देश में करीब 84 फीसदी व्यक्ति ऐसी स्थानों पर रहते हैं, जहां प्रदूषण का स्तर भारत द्वारा तय मानकों से अधिक है और भारत की एक चौथाई आबादी बेहद प्रदूषित वायु में जीने को मजबूर है। चूंकि वायु प्रदूषण का प्रभाव मानव शरीर पर इतना घातक होता है कि सिर के बालों से लेकर पैरों के नाखून तक इसकी जद में होते हैं, इसीलिए शिकागो विश्वविद्यालय के माइकल ग्रीनस्टोन कहते हैं कि वायु प्रदूषण पर अब गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है ताकि करोड़ों-अरबों लोगों को अधिक समय तक स्वस्थ जीवन जीने का हक मिल सके।

Social Media Corner

सच के हक में...

आदिवासियों को शिक्षित और संपन्न बनाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करनेवाले बाबा कार्तिक उरांव जी की जयंती पर शत शत नमन। उन्होंने झारखंड की संस्कृति और परंपरा को अक्षुण्ण रखने के लिए आजीवन कार्य किया।

(पूर्व सीएम रघुवर दास के ट्विटर अकाउंट से)

झारखंड की पावन धरती पर एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप का होना बड़े ही गर्व की बात है। परंतु यहाँ के कुछ 'तुगलकी सोच' के अधिकारी अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे है। हेमंत सोरेन जी, एक नजर पुलिस के जवानों पर भी डालिये। मेहमानों की खिदमत में दूसरों का शोषण एवं निचले तबके के मेहनतकश कर्मचारियों को प्रताड़ित मत करने दीजिये।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

थाईलैंड पर 7-1 की शानदार जीत के लिए टीम इंडिया को हार्दिक बधाई! झारखण्ड में खेल के लिए भी आज ऐतिहासिक दिन है। आज से रांची में झारखण्ड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 की शुरूआत हुई है। चैंपियंस ट्रॉफी के पहले दिन आज सभी छह टीमों ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया। आज के अपने-अपने मैच जीतने के लिए भारत, जापान और कोरिया की टीम को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

मधुर होते रिश्ते : भूटान-चीन संबंध और भारत की चिंताएं

इस सप्ताह भूटान के विदेश मंत्री टांडी दोरजी की चीन यात्रा कई मायनों में अभूतपूर्व थी। भूटान और चीन के बीच राजनयिक रिश्ते नहीं हैं। दोरजी की यह यात्रा किसी भूटानी विदेश मंत्री की पहली चीन यात्रा थी। इसके अलावा, इस यात्रा का मुख्य मकसद उस सीमा वार्ता को शुरू करना था जो सात सालों से ज्यादा समय से बंद पड़ी थी। एक संयुक्त बयान के मुताबिक, बातचीत में ठोस प्रगति होती दिख रही है और दोनों देशों ने सीमा के परिसीमन व सीमांकन के लिए एक नई संयुक्त तकनीकी टीम के कामकाज की रूपरेखा तैयार करने वाले एक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर भी किए हैं। डॉ. दोरजी के साथ बातचीत में, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने दोनों पक्षों से जल्द ही राजनयिक रिश्ते स्थापित करने और अपनी सीमा वार्ता को पूरा करने का आह्वान किया। यह सच है कि भूटान के साथ अपने विशेष रिश्तों के मद्देनजर, भारत इन दोनों देशों के बीच राजनयिक रिश्तों की स्थापना और एक सीमा समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना को लेकर बेहद सतर्क रहा है। लेकिन ये दोनों नतीजे तेजी से अपरिहार्य होते नजर आ रहे हैं। दरअसल, इसी महीने, भूटान के प्रधानमंत्री ने इस अखबार के साथ एक साक्षात्कार में कहा था कि दोनों देश सीमा निर्धारण और सीमांकन के मसले पर तीन-चरणों वाले एक रोडमैप को पूरा करने की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि चीन के साथ कोई भी समझौता किसी भी तरह से भारत के हितों के खिलाफ नहीं जाएगा। भारत पर भूटान की अनूठी निर्भरता को देखते हुए, इसमें कोई संदेह नहीं है कि उसने चीन के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने के अपने प्रयासों में नई दिल्ली को शामिल किया होगा, बदले में भारत के सुरक्षा हितों और आशंकाओं का ध्यान रखने की गारंटी दी होगी। ऐसी ही एक आशंका में भारत के ह्लसिलीगुड़ी कॉरिडोरह्व के करीब स्थित दक्षिणी डोकलाम की चोटियों से चीन को दूर रखना शामिल होगा, खासकर जब बीजिंग और थिम्पू उत्तर की घाटियों में उन इलाकों की ह्लअदला-बदलीह्व करने पर विचार कर रहे हैं, जहां भूटान जबरदस्त चीनी दबाव झेल रहा है और जो पश्चिम में डोकलाम पठार पर स्थित हैं। एक दूसरी आशंका में संभवतः सीमा वार्ता जारी रखते हुए थिम्पू को रिश्तों को सामान्य बनाने और स्थायी चीनी राजनयिक मौजूदगी के लिए खुद को खोलने की दिशा में धीमी रफ्तार से आगे बढ़ना शामिल होगा। अब नई दिल्ली के सामने सवाल यह होगा कि अपने हितों की रक्षा कैसे की जाए। भारत-चीन डोकलाम गतिरोध के दौरान 2017 में थिम्पू पर जो संकट उमड़ा था, उसका एक सबक यह है कि एक संप्रभु राष्ट्र, जोकि जाहिर तौर पहले अपने हितों को ही तवज्जो देगा, से रजामंदी की उम्मीद करने के बजाय भारत के हित बेहतर तरीके से भूटान को अपने साथ लेने और अपनी रणनीतियों को उसी के अनुरूप ढालने से ही सधेंगे। जरूरी नहीं कि पश्चिम में भारत की आशंकाओं को संरक्षित करते हुए उत्तर में भूटान की चिंताओं को दूर करने वाला एक सीमा समझौता नई दिल्ली के हितों को कमजोर ही करेगा। घबराने के बजाय, भारत को इस सीमा वार्ता के पीछे के भूटान के तर्कों पर ज्यादा समझदारी और इस विश्वास के साथ गौर करना चाहिए कि लंबे समय से भारत का यह भरोसेमंद पड़ोसी किसी भी अंतिम समझौते से पहले भारत और अपने हितों को जरुर ध्यान में रखेगा।

सजा से उपजे सवाल

कतर में पिछले साल से हिरासत में बंद आठ भारतीय पूर्व नौसेनाकर्मियों को सुनाई गई मौत की सजा ने स्वाभाविक ही पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। इनकी गिरफ्तारी की खबर ने भी सबको चौंकाया था, लेकिन भारत सरकार ने न केवल इसे संज्ञान में ले लिया था बल्कि आवश्यक कार्रवाई भी शुरू कर दी थी। उसके बाद इन लोगों की परिवार वालों से फोन पर बात करवाई गई और इन्हें काउंसलर मदद भी मुहैया कराई गई। लेकिन जिस तरह से अचानक वहां की एक अदालत ने इन्हें मौत की सजा सुना दी, उससे स्पष्ट है कि यह मामला भारत सरकार के लिए एक बड़ी कूटनीतिक चुनौती साबित होने वाला है। अभी तक इन आठों भारतीयों की गिरफ्तारी की वजह भी नहीं बताई गई है। स्थानीय मीडिया में जो खबरें चल रही हैं उनसे लगता है कि इन पर कतर के एक महत्वपूर्ण पनडुब्बी प्रॉजेक्ट से जुड़ी सूचनाएं लीक करने का संदेह है। ये सूचनाएं इस्राइल को भिजवाने की बात कही जा रही है। चूंकि न तो आरोप आधिकारिक तौर पर बताए गए हैं और न ही उपलब्ध सबूतों के बारे में कोई जानकारी मिल पाई है, इसलिए स्वाभाविक ही इस सजा को लेकर भारत में सवाल उठ रहे हैं। ध्यान देने की बात यह भी है कि भले वे सब व्यक्तिगत हैसियत से काम कर रहे हों, लेकिन नौसेना में इनके कामकाज का बहुत अच्छा रेकॉर्ड रहा है। हालांकि यह बात भी सही है कि इन्हें वहां की एक अदालत ने सजा सुनाई है और कोई भी देश आम तौर पर बाहरी कारणों से अपने जुडिशल सिस्टम में हस्तक्षेप होता नहीं देखना चाहता। लेकिन जिस वजह से यह मामला खास तौर पर संवेदनशील हो गया है, वह है इसकी टाइमिंग। कतर की अदालत का यह फैसला ऐसे समय आया है जब पूरा मध्यपूर्व एक बेहद नाजुक दौर से गुजर रहा है। कतर में न केवल अमेरिकी और तुर्की सैनिक अड्डे हैं बल्कि उसके ईरान से भी करीबी रिश्ते हैं। यह हमास, मुस्लिम ब्रदरहुड और तालिबान से जुड़े कई नेताओं का ठिकाना भी माना जाता है। मुस्लिम दुनिया में जनमत निर्माण का एक असरदार मंच अलजजीरा न्यूज चैनल भी दोहा में ही है। कतर के विशेष प्रभाव के पीछे गैस की बदौलत फलती-फूलती उसकी इकॉनमी है। भारत कतर की गैस के सबसे बड़े आयातकों में शामिल है और वहां करीब 8 लाख भारतीय रहते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

केंद्र सरकार का अनुमान, इस साल 3.79 प्रतिशत घटकर 106.31 मिलियन टन रहेगा चावल का उत्पादन

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के नवीनतम अनुमान के अनुसार प्रमुख उत्पादक राज्यों में कम बारिश के कारण फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) के खरीफ सीजन में देश का चावल उत्पादन 3.79 प्रतिशत घटकर 106.31 मिलियन टन होने की उम्मीद है। पिछले फसल वर्ष के समान सीजन में चावल का उत्पादन 110.5 मिलियन टन था। चावल मुख्य खरीफ फसल है और इसकी कटाई चल रही है।

मंत्रालय द्वारा जारी अग्रिम खाद्यान्न उत्पादन अनुमान के अनुसार, खरीफ सीजन 2023-24 में मक्के का उत्पादन 22.48 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो पिछले साल के 23.6 मिलियन टन से कम है। दालों में, तुअर का उत्पादन इस वर्ष पिछले वर्ष के 3.31 मिलियन टन के मुकाबले थोड़ा अधिक 3.42 मिलियन टन होने की उम्मीद है। मूंग का उत्पादन 1.40 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो पिछले साल के 1.71 मिलियन टन से कम है।

तिलहन उत्पादन 26.15 मिलियन टन से घटकर 21.53 मिलियन टन होने के आसार हैं। मूंगफली और सोयाबीन का उत्पादन क्रमशः 7.82 मिलियन टन और 11.52 मिलियन टन होने की संभावना है।

नकदी फसलों में गन्ने का उत्पादन पिछले साल के 490.53 मिलियन टन से घटकर 434.7 मिलियन टन होने की उम्मीद है। कपास का उत्पादन भी 33.6 मिलियन गांठ से घटकर 31.65 मिलियन गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम) और जूट का उत्पादन 9.39 मिलियन गांठ से घटकर 9.19 मिलियन गांठ (प्रत्येक 180 किलोग्राम) होने की उम्मीद है।

खाद्यान्न का कुल उत्पादन 148.56 मिलियन टन होने की उम्मीद

खरीफ सीजन 2023 के दौरान खाद्यान्न का कुल उत्पादन 148.56 मिलियन टन होने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 155.7 मिलियन टन से कम है। मंत्रालय ने कहा, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 2023-24 (खरीफ) के लिए यह पहला उत्पादन मूल्यांकन काफी हद तक पिछले तीन वर्षों की औसत उपज पर आधारित है और वास्तविक फसल काटने के प्रयोगों के आधार पर उपज अनुमान प्राप्त होने के बाद बदलाव हो सकता है।

खुले बाजार से 200 टन तक गेहूं खरीद सकेंगे थोक व्यापारी, देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटा

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार ने एक नवंबर से केंद्रीय पूल से दिए जाने वाले गेहूं के लिए खुला बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत ई-नीलामी में बोली लगाने की मात्रा बढ़ाकर 200 टन कर दी। फिलहाल ओएमएसएस के तहत यह मात्रा 100 टन है। गेहूं और उसके आटे की कीमतों को अधिक स्थिर करने के लिए यह कदम उठाया गया है। बयान में कहा गया है कि देश में हर ई-नीलामी में पेश की जाने वाली कुल मात्रा भी दो लाख टन से बढ़ाकर तीन लाख टन कर दी गई है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) इन वस्तुओं की खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए साप्ताहिक ई-नीलामी के जरिये 28 जून से ओएमएसएस के तहत आटा मिलर्स और छोटे व्यापारियों जैसे थोक खरीदारों को केंद्रीय पूल से गेहूं व चावल बेच रही है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में 2.36 अरब डॉलर घटकर 583.53 अरब डॉलर रह गया।विदेशी मुद्रा संपत्ति 4.15 अरब डॉलर घटकर 515.2 अरब डॉलर रह गई।हालांकि, सोने के भंडार में 1.85 अरब डॉलर की वृद्धि रही। मारुति सुजुकी इंडिया का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 80.3 फीसदी बढ़कर 3,716.5 करोड़ रुपये पहुंच गया।शुद्ध बिक्री 24.5 फीसदी बढ़कर 35,535.1 करोड़ पहुंच गई।इस दौरान कंपनी ने 5.52 लाख से ज्यादा वाहन बेचे। इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 25 फीसदी बढ़कर 625 करोड़ रुपये पहुंच गया।इस अवधि में बैंक का सकल एनपीए अनुपात 8.53 फीसदी से घटकर 4.74 फीसदी रह गया।

प्याज की कीमतों में 57 फीसदी का इजाफा, रियायती दरों पर बेचकर केंद्र सरकार देगी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। हाल में टमाटर की कीमतों में बेतहाशा तेजी के बाद अब प्याज भी लोगों को सताने लगी है। एक साल में प्याज की खुदरा कीमत 57 फीसदी बढ़कर 47 रुपये प्रति किलो पहुंच गईहै।कीमतों में तेजी के बाद केंद्र ने ग्राहकों को राहत देने के लिए बफर स्टॉक से रियायती दर पर ज्यादा प्याज बेचने का फैसला लिया है। सरकार फिलहाल 25 रुपये किलो प्याज बेच रही है। पिछले साल इस समय प्याज के दाम 30 रुपये किलो थे, जो अब 50 रुपये के करीब पहुंच गए हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि हम अगस्त के मध्य से बफर से प्याज को छोड़ रहे हैं। कीमतों में और वृद्धि को रोकने के लिए हम खुदरा बाजार में ज्यादा प्याज बेच रहे हैं। उन्होंने कहा, जिन राज्यों में कीमतों में तेज वृद्धि हो रही है, वहां थोक और खुदरा दोनों बाजारों में बफर स्टॉक से प्याज भेजा जा रहा है। अगस्त के मध्य से अब तक 22 राज्यों में विभिन्न स्थानों पर लगभग 1.7 लाख टन प्याज बफर स्टॉक से भेजा गया है। सचिव ने कहा, मौसम संबंधी कारणों से खरीफ प्याज की बुआई में देरी हुई है। इससे फसल की आवक में भी देरी हुई है। खरीफ प्याज की आवक अब तक शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन नहीं हुई है। रबी सीजन की प्याज का भंडार खत्म होने से आपूर्ति कम हो रही है, जिससे कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, सरकार ने चालू वर्ष के लिए बफर प्याज स्टॉक को दोगुना कर दिया है। इससे घरेलू उपलब्धता में सुधार होगा और आने वाले दिनों में कीमतों पर अंकुश लगेगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का शुद्ध लाभ बढ़ा, सितंबर की दूसरी तिमाही में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को सितंबर के दूसरे तिमाही में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जिसके तहत 17,394 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया गया। कंपनी ने मुताबिक, तेल और गैस कारोबार में सुधार, फैशन और लाइफस्टाइल क्षेत्र में वृद्धि होने से मुनाफा बढ़ा। कंपनी के चेयरमैन एवं एमडी मुकेश अंबानी ने कहा, ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता के बावजूद तेल से गैस क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई। सभी व्यावसायिक क्षेत्रों के मजबूत परिचालन और वित्तीय योगदान से रिलायंस को तिमाही में मजबूत हासिल करने में मदद मिली है। रिलायंस रिटेल को 2,790 करोड़ रुपये का फायदा हुआ, जो 21 फीसदी अधिक है। कंपनी का राजस्व 19 फीसदी बढ़कर 68,937 करोड़ रुपये रहा है। जुलाई-सितंबर में रिलायंस रिटेल ने अपने बिक्री नेटवर्क में 471 नए स्टोर जोड़े। जिससे तिमाही के अंत में स्टोर की कुल संख्या 18,650 हो गई। आरआईएल के आय विवरण के मुताबिक, इन वृद्धि के ये प्रमुख कारण हैं।

जियो का लाभ 12 फीसदी बढ़ा

रिलायंस जियो का मुनाफा सितंबर के दूसरे तिमाही में 12 प्रतिशत बढ़कर 5,297 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने तिमाही में 1.11 करोड़ नए ग्राहक जोड़े और प्रति ग्राहक कमाई 181 रुपये से ज्यादा रही। सितंबर तिमाही के दौरान रिलायंस रिटेल ने वैश्विक प्रमुख निवेशकों से 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के मूल्यांकन पर 15,314 करोड़ रुपये जुटाए। आरआरवीएल के कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने कहा, यह प्रदर्शन हमारे ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण का एक सबूत है। त्योहारी सीजन में नए उत्साह के साथ अपने ग्राहकों की सेवा के लिए तैयार हैं।

विदेशों में जमकर हो रही आम की मांग, 19 प्रतिशत बढ़ गया भारत से निर्यात

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के आम की मिठास दुनियाभर में बढ़ती जा रही है। वित्त वर्ष 2023-24 के अप्रैल से अगस्त महीने के दौरान भारत से विदेशों में निर्यात किए जाने वाले आम में 19 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। इस अवधि के दौरान भारत ने कुल 47.98 मिलियन डॉलर का आम निर्यात किया है। जबकि 2022-23 के इसी अवधि के दौरान भारत ने कुल 40.33 मिलियन डॉलर का आम निर्यात किया था। वाणिज्य मंत्रालय ने भारत से आम के निर्यात किए जाने वाले आम को लेकर डेटा जारी किया है। मंत्रालय ने बताया कि कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर एपीईडीए ने अप्रैल से अगस्त 2023 के दौरान कुल 27,330 टन आम का एक्सपोर्ट किया है, जो एक साल पहले की अवधि में 22,963.78 टन था। इन पांच महीनों में सबसे ज्यादा आम का निर्यात अमेरिका को किया गया है। अमेरिका को कुल 2043.60 टन आम का निर्यात किया गया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा जापान को 43 टन, दक्षिण अफ्रीका को 4.44 टन, ऑस्ट्रेलिया को 58.42 टन, न्यूजीलैंड को 111 टन आम का निर्यात किया गया। इसके अलावा ईरान, नाइजीरिया, चेक रिपब्लिक, मारीशस को निर्यात किया गया है। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और एपीडा ने संयुक्त रूप से दक्षिण कोरिया के निरीक्षकों को वहां निर्यात के लिए आम के क्लीरेंस के लिए आमंत्रित किया।

500 करोड़ से अधिक का आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 34 प्रतिशत बढ़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। आकलन वर्ष 2021-22 (वित्त वर्ष 2020-21) में 500 करोड़ रुपये से अधिक की सकल कुल आय के साथ 589 करदाताओं ने रिटर्न दाखिल किया। दूसरी ओर, लगभग 2.1 करोड़ करदाताओं ने कर का भुगतान किया, लेकिन 2021-22 में रिटर्न दाखिल नहीं किया। आयकर विभाग की ओर से जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है।

आकलन वर्ष 2021-22 में 500 करोड़ रुपये से अधिक का रिटर्न दाखिल करने वाली 441 इकाइयों की तुलना में यह संख्या लगभग 34 प्रतिशत बढ़ी है। आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 1.6 करोड़ करदाताओं ने कर का भुगतान किया, लेकिन आकलन वर्ष 2020-21 के लिए रिटर्न दाखिल नहीं किया। इस दौरान करीब 6.7 करोड़ रिटर्न फाइल किए गए।

प्रत्यक्ष करों में आय और निगम कर शामिल हैं, जिसमें 554 में से 589 कंपनियां ऐसी हैं जिन्होंने 500 करोड़ रुपये से अधिक की सकल कुल आय का रिटर्न दाखिल किया है।

इससे पिछले वित्त वर्ष में ऐसी 413 कंपनियां थीं। इसके विपरीत, 500 करोड़ रुपये से अधिक की सकल आय दर्ज करने वाले व्यक्तियों की संख्या आकलन वर्ष 20-21 के 12 से घटकर आकलन वर्ष 2021-22 में सात हो गई। शेष 589 एचयूएफ, फर्म, व्यक्तियों के संघ और अन्य लोग थे। विभाग ने कहा कि ये आंकड़े 31 मार्च, 2023 तक ई-फाइलिंग रिटर्न से तैयार किए गए हैं।

कर विशेषज्ञों ने रिटर्न और आय में वृद्धि के लिए मजबूत आर्थिक वृद्धि, कंपनियों के बढ़ते मुनाफे, उच्च घरेलू आय और कर अधिकारियों द्वारा बड़े आंकड़ों और प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग को जिम्मेदार ठहराया है।

तकनीकी उपयोग से प्रत्यक्ष कर संग्रह में वृद्धि को बढ़ावा मिलता है इसके दो या तीन प्रमुख कारण हैं। एक यह है कि कॉर्पोरेट मुनाफा मजबूत रहा है और वे पिछले कुछ वर्षों में बढ़े हैं। ध्रुव एडवाइजर्स के मुख्य कार्याधिकारी दिनेश कनबार ने कहा, 10 लाख रुपये की आय वाले परिवारों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था के अधिक औपचारिक होने के कारण प्रत्यक्ष कर संग्रह भी बढ़ा है और कर विभाग बड़े आंकड़ों सहित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रहा है। हर लेनदेन पर कर लगाया जाता है और अब विदेश यात्रा के लिए भी स्रोत पर कर संग्रह होता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के पूर्व चेयरमैन आर प्रसाद ने इस सुधार का श्रेय कंपनियों के मुनाफे को दिया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्यक्ष कर प्राप्तियों में स्रोत पर कर कटौती का हिस्सा लगभग 45 प्रतिशत है। कर विभाग ने प्राप्तियों को बढ़ावा देने और खामियों को दूर करने के लिए कई उपाय किए हैं। जीएसटी डेटा के इस्तेमाल से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को भी नंबरों का मिलान करने में मदद मिली है। नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि व्यक्तिगत करदाताओं द्वारा दाखिल आयकर रिटर्न में 2013-14 और 2021-22 के बीच 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आंकड़ों से पता चलता है कि व्यक्तिगत करदाताओं द्वारा दाखिल रिटर्न आकलन वर्ष 2013-14 के 3.4 करोड़ से बढ़कर 2021-22 में 6.4 करोड़ हो गया। चालू वित्त वर्ष के दौरान भी आकलन वर्ष 2023-24 के लिए अब तक 7.4 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं, जिनमें 53 लाख नए करदाता शामिल हैं।

एक बार फिर 4 प्रतिशत बढ़ गया डीए

नईदिल्ली, एजेंसी। दिवाली से पहले राज्यों ने भी अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ता (डीए) में इजाफे की तैयारी कर ली है। कई राज्य ऐलान भी करने लगे हैं। इसी कड़ी में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 4 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की है। कितना हो गया भत्ता- मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि केंद्र ने सरकारी कर्मचारियों के लिए डीए 42 प्रतिशत से बढ़ाकर 46 प्रतिशत कर दिया है। इस फैसले को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने भी दिवाली से पहले डीए में चार फीसदी बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों को एक जुलाई, 2023 से बढ़ा हुआ डीए मिलेगा। इस फैसले से हरियाणा में लगभग 3.5 लाख कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।

विस्ट्रॉन संग डील, टाटा बनाएगी देसी आईफोन, दुनियाभर में होगी बिक्री

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप भारत का पहला आईफोन मैन्युफैक्चरर बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। आईफोन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी विस्ट्रॉन के बोर्ड ने टाटा ग्रुप को अपनी भारतीय यूनिट बेचने की मंजूरी दी है। विस्ट्रॉन की यूनिट बेंगलुरु के पास है। विस्ट्रॉन ने एक बयान में कहा कि सौदे की कीमत लगभग 12.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इस मंजूरी के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि ढाई साल के भीतर आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग शुरू हो जाएगी।

विस्ट्रॉन कॉर्प के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने शुक्रवार को बैठक की और अपनी सहायक कंपनियों एसएमएस इन्फोकॉम (सिंगापुर) पीटीई लिमिटेड और विस्ट्रॉन हांगकांग लिमिटेड को टाटा

इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में सौ प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री के लिए शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी दी। दोनों पक्षों के संबंधित समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद यह सौदा आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ेगा। बयान में कहा गया, सौदा पूरा होने के बाद, विस्ट्रॉन आवश्यक घोषणाएं करेगी और शेयर बाजारों को जानकारी देगी।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने टाटा टीम को विस्ट्रॉन का संचालन संभालने के लिए बधाई देते हुए कहा, टाटा समूह अब भारत से घरेलू और ग्लोबल मार्केट के लिए आईफोन बनाना शुरू करेगा। चंद्रशेखर ने एक्स पर पोस्ट में कहा, भारतीय कंपनियों के साथ भारत से ग्लोबल सप्लाई चेन बनाने की दिशा में यह ऐपल के लिए बहुत अच्छा कदम है। उन्होंने कहा कि आईटी मंत्रालय पूरी तरह ग्लोबल लेवल की भारतीय इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों के समर्थन में खड़ा है।

एक साल से चल रही थी बातचीत

टाटा ग्रुप और विस्ट्रॉन के बीच इस डील के लिए पिछले एक साल से बातचीत चल रही थी। विस्ट्रॉन का यह प्लांट आईफोन-14 मॉडल के प्रोडक्शन के लिए जाना जाता है। वर्तमान में इस प्लांट में 10,000 से ज्यादा वर्कर्स काम करते हैं। विस्ट्रॉन का भारतीय प्लांट अपनी 8 प्रोडक्शन लाइनों में आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है। टाटा के अधिग्रहण के बाद विस्ट्रॉन पूरी तरह से भारतीय मार्केट से बाहर हो जाएगा, क्योंकि यह भारत में ऐपल प्रोडक्ट्स का प्रोडक्शन करने वाला कंपनी का एकमात्र प्लांट है। ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन ने 2008 में इंडियन मार्केट में एंट्री की थी, तब कंपनी कई डिवाइसेस के लिए रिपेयर फैसिलिटी प्रोवाइड कराती थी। 2017 में कंपनी ने अपने ऑपरेशंस को एक्सपेंड किया और ऐपल के लिए आईफोन का प्रॉडक्शन शुरू किया था। पिछले साल कैलिफोर्निया बेस्ड कंपनी ऐपल ने चीन और अमरीका के बीच विवाद के कारण अपने ग्लोबल प्रॉडक्शन का लगभग 25 प्रतिशत भारत में शिफ्ट करने के प्लान की घोषणा की थी। ऐपल प्रॉडक्ट्स को असेंबल करने वाली तीन ताइवानी फर्मों में से सिर्फ विस्ट्रॉन भारत छोड़ रही है। फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन ने भारत में अपनी प्रोडक्शन लाइनें बढ़ा दी हैं

एनपीएस से बाहर निकलने के नियमों में किया गया बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने कहा है कि निकासी या योजना से बाहर निकलने के दौरान अंशधारक के बैंक खातों में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) कोष का समय पर जमा करना सुनिश्चित करने के लिए अब तत्काल बैंक खाते का सत्यापन कराना अनिवार्य है। यह बैंक अकाउंट वेरिफिकेशन पेनी-ड्रॉप मेथड के जरिए होगा। पीएफआरडीए के 25 अक्टूबर, 2023 के परिपत्र के अनुसार, निकास/निकासी अनुरोधों को संसाधित करने और ग्राहक बैंक खाते के विवरण को अपडेट करने के लिए नाम मिलान के साथ सफल पेनी-ड्रॉप सत्यापन आवश्यक है। यदि सीआरए पेनी ड्रॉप की पुष्टि करने में असमर्थ है, तो पेंशन नियामक ने कहा कि ग्राहक के बैंक खाते की जानकारी में निकास/निकासी या परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि पेनी ड्रॉप सत्यापन विफल रहता है, तो कारण की परवाह किए बिना, सीआरए उचित जांच-पड़ताल प्रक्रिया का पालन करते हुए ग्राहक के बैंक खाते की जानकारी में संशोधन करने के लिए संबंधित नोडल कार्यालय / मध्यस्थ के साथ इस मुद्दे को उठाएगा। सीआरए मोबाइल और ईमेल के माध्यम से पेनी ड्रॉप विफलता के बारे में ग्राहक को सूचित करेगा, और उन्हें नोडल अधिकारी या पीओपी से संपर्क करने की सलाह देगा।

भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल ने कहा, दुर्गम इलाकों में भी आसान होगी नेटवर्क कनेक्टिविटी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि वनवेब उपग्रह संचार सेवा अगले महीने से देश के सभी हिस्सों से जुड़ने के लिए तैयार है। इससे दूरदराज और दुर्गम इलाकों में भी नेटवर्क कनेक्टिविटी बेहद आसान हो जाएगी। 4जी जैसे नेटवर्क पर भी इंटरनेट स्पीड तेज हो जाएगी। मित्तल ने शुक्रवार को इंडिया मोबाइल कांग्रेस-2023 के उद्घाटन पर कहा, 5जी सेवाएं पिछले साल शुरू की गई थीं। एयरटेल ने अब तक 20,000 गांवों के साथ 5,000 कस्बों और शहरों में इसका विस्तार कर पूरे देश में पहुंच बना ली है। मार्च, 2024 अंत तक देश के हर गांव में 5जी सेवा की पहुंच हो जाएगी।

मित्तल ने कहा कि यूनिवर्सल सर्विसेज ऑब्लिगेशन फंड के जरिये एयरटेल ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों को जोड़ रहा है। अब देश के सभी हिस्सों को जोड़ने के लिए उपग्रह प्रौद्योगिकी उपलब्ध है। वनवेब का यूटेलसैट के साथ विलय हो गया है। यूटेलसैट वनवेब के रूप में काम करेगी। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, भारत मुकदमेबाजी व 2जी घोटाले के

साये से बाहर निकलकर दूरसंचार प्रौद्योगिकी निर्माता और निर्यातक के रूप में उभर रहा है। दुनिया आज भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट दृष्टि और नेतृत्व से प्रेरित होकर दूरसंचार क्षेत्र ने संपर्क, सामर्थ्य एवं मानकों पर मील के कई पत्थर हासिल किए है। वैष्णव ने 5जी सेवाओं के तेजी से शुरू होने व देश के स्पष्ट 6जी दृष्टिकोण का हवाला देते हुए कहा कि दूरसंचार, डिजिटल का मार्ग प्रशस्त करता है। भारत में 10 साल पहले 98 फीसदी मोबाइल फोन आयात होते थे। आज देश में 98 फीसदी मेक इन इंडिया मोबाइल का इस्तेमाल हो रहा है। भारत ने पिछले साल 90,000 करोड से ज्यादा के मोबाइल फोन निर्यात किए थे। आज भारत में बने दूरसंचार उपकरण 70 से ज्यादा देशों में निर्यात हो रहे हैं। भारत ऐसा देश है, जहां सबसे सस्ती डाटा सेवाएं हैं। देश में 114 करोड़ मोबाइल सब्सक्राइबर हैं।

रिलायंस जियो इन्फोकॉम लि. के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा, जियो ने सबसे तेजी से 5जी सेवाओं का विस्तार किया। हर 10 सेकंड में एक 5जी सेल स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व ने भारत और भारतीयों को एक साथ लाकर पूरे देश को प्रेरित किया है। हम आपसे वादा करते हैं कि प्रौद्योगिकी की शक्ति के जरिये एकता की एक डिजिटल प्रतिमा बनाएंगे। अंबानी ने कहा, हम दुनिया में सबसे तेज 5जी इंटरनेट स्पीड देने वालों में हैं। जियो ने सभी 22 सर्किल में 10 लाख से अधिक 5जी सेल स्थापित किए हैं। प्रौद्योगिकी व संपर्क की शक्ति से हम भारत को सबसे समृद्ध, उन्नत व सबसे समावेशी बनाएंगे।

आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा, वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) आने वाली तिमाहियों में 5जी नेटवर्क शुरू करने और 4जी सेवाओं के विस्तार पर महत्वपूर्ण निवेश करेगी। इसके अलावा, कंपनी अहम एवं उभरते क्षेत्रों में मजबूत आपूर्ति शृंखला स्थापित करने के सरकार के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। डिजिटल तंत्र अभूतपूर्व वृद्धि की ओर है। यह प्रयास भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजारों के लिए हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर दोनों डिजाइन तैयार करने में सक्षम बनाएगा।

भारत में आईफोन का निर्माण अब टाटा समूह करेगा। टाटा ने देश में आईफोन बनाने वाली कंपनी विस्ट्रॉन के बंगलूरू प्लांट को खरीदने के लिए करीब 12.5 करोड़ डॉलर (1,040 करोड़ रुपये) में सौदा किया है। इसके साथ ही टाटा भारत का पहला आईफोन निर्माता बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। विस्ट्रॉन कॉर्प के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को सहायक कंपनियों एसएमएस इन्फोकॉम (सिंगापुर) पीटीई लि. व विस्ट्रॉन हांगकांग लि. को टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा. लि. (टीईपीएल) के साथ विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग (इंडिया) प्रा. लि. में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी को मंजूरी दी।

मारुति सुजुकी ने कर दिया धमाका, नेट प्रॉफिट में 80 प्रतिशत की जोरदार उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में धमाकेदार नतीजे पेश किए हैं। कंपनी को अगस्त-अक्टूबर तिमाही का नेट प्रॉफिट 80.3 प्रतिशत उछाल के साथ 3,716.5 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने एक बयान में बताया कि उसे यह मुनाफा बेहतर बिक्री, जिंस की कीमतों में नरमी, लागत घटाने की कोशिशों और ऊंची नॉन-ऑपरेशनल इनकम के चलते हुआ। एमएसआई को पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 2,061.5 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में रजिस्टर्ड शुद्ध बिक्री 35,535.1 करोड़ रुपए रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 28,543.50 करोड़ रुपए रही थी। एमएसआई ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 5,52,055 व्हीकल्स की बिक्री की। इनमें से 4,82,731 व्हीकल्स घरेलू बाजार में जबकि बाकी 69,324 कारों का एक्सपोर्ट किया।

कंपनी ने सितंबर, साल 2022 में 5,17,395 गाड़ियां बेची थीं। मारुति सुजुकी ने बताया कि सितंबर तिमाही में उसकी बिक्री संख्या, शुद्ध बिक्री और शुद्ध लाभ अब तक किसी भी तिमाही के मुकाबले अधिक रहा। मारुति सुजुकी के मुताबिक, वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही के दौरान, इसके सामान, कर्मचारी, मूल्यह्रास और अन्य खर्च पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही की तुलना में कम हो गए। कमोडिटी की कीमतों में नरमी, लागत में कमी के उपाय, बेहतर रिकवरी और दूसरे खर्चों में कमी के चलते मार्जिन बेहतर हुआ। मारुति सुजुकी का शेयर 10,459.95 रुपए पर खुलने के बाद 10,770 रुपए तक पहुंच गया। बाद में शेयर 10,758 रुपए की रेंज में पहुंच गया।

लोकप्रिय हुआ योग
बढ़ी कॅरियर की संभावना

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में दूसरे से आगे निकल जाने की होड़ ने इसका महत्व और बढ़ा दिया है। आजकल न सिर्फ मानसिक शांति, तनाव से छुटकारे के लिए बल्कि बड़ी-बड़ी बीमारियों का इलाज योग-ध्यान से किया जा रहा है। इसलिए दुनिया भर में इसके प्रति लोगों की रुचि में भारी इजाफा हुआ है। देश और दुनिया के तमाम राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में योग पर शोध किए जा रहे हैं। इससे साथ ही योग शिक्षकों की मांग बढ़ी है जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार खुले हैं।

योग भारत की ऐसी प्राचीन विद्या है जो धर्म, स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में दूसरे से आगे निकल जाने की होड़ ने इसका महत्व और बढ़ा दिया है। आजकल न सिर्फ मानसिक शांति, तनाव से छुटकारे के लिए बल्कि बड़ी-बड़ी बीमारियों का इलाज योग-ध्यान से किया जा रहा है। इसलिए दुनिया भर में इसके प्रति लोगों की रुचि में भारी इजाफा हुआ है। देश और दुनिया के तमाम राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में योग पर शोध किए जा रहे हैं। इससे साथ ही योग शिक्षकों की मांग बढ़ी है जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के नए द्वार खुले हैं।

योग अभ्यास के जरिए सीखा जा सकता है। लेकिन प्रशिक्षित योग शिक्षक बनने के लिए विधिवत प्रशिक्षण की जरूरत होती है। इसके लिए अभ्यर्थी को कम से कम दसवीं और बारहवीं उर्त्तीण होना जरूरी है। लेकिन इन्हें योग प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में ही दाखिला मिलता है। योग में डिप्लोमा, बीएड, एमएड और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम करने के लिए स्नातक होना जरूरी है।

योग में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की अवधि चार महीने से लेकर एक वर्ष तक की होती है। दसवीं और बाहरवीं के बाद ही इसमें प्रशिक्षण लेने की चाहत रखने वाले अभ्यर्थी इन विश्वविद्यालयों में दाखिला ले सकते हैं। जिनमें गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वारणासी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, कर्नाटक विश्वविद्यालय छाखाड़, अमरावती विश्वविद्यालय महाराष्ट्र हैं।

जबकि डिम्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा में दाखिला लेने वाले की चाहत रखने वाले अभ्यर्थी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरूपति, अमरावती विश्वविद्यालय महाराष्ट्र, बीएचयू वाराणसी, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, मध्य प्रदेश, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ, बिहार योग भारती मुंगेर, जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता और पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ हैं।

संस्थान

- अंतरराष्ट्रीय क्रियायोग विज्ञान अनुसंधान संस्थान, नई झंसी, इलाहाबाद।
- योग रिसर्च एण्ड फाउंडेशन कैवल्यधाम, लोनावाला पुणे।
- दि डिवाइन लाइफ सोसाइटी शिवानंदनगर, टिहरी गढ़वाल।
- प्राकृतिक चिकित्सा योग केन्द्र सेक्टर-14 करनाल।
- महर्षि दयानंद प्राकृतिक योग प्रतिष्ठान वैदिक आश्रम रामधार रोड़, अलीगढ़।
- देव अंतरराष्ट्रीय योग केंद्र मोझील, कानपुर।

दूसरों की नकल कर न चुनें अपना करिअर

इष्ट-मित्रों या परिचित-रिश्तेदारों के अच्छे वेतन या आमदनी-रुतबे को देख उनके ही कार्य या व्यवसाय को अपना लेना हमेशा सही नहीं हो सकता। अपनी योग्यता, क्षमता, रुचि, लक्ष्य, उपलब्ध साधनों आदि की अनदेखी करना ठीक नहीं। इसके अलावा आज जरूरत इस बात की भी है कि अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए एकाधिक विकल्पों को भी अपनी सूची में शामिल रखा जाए। अपनी रुचि और उससे सम्बन्धित व्यवसाय या कार्य के बारे में अपने माता-पिता या अन्य किसी जानकार और अनुभवी व्यक्ति से बातचीत या परामर्श अवश्य करना चाहिए।

निरन्तर बढ़ती जनसंख्या, रोजगार के घटते अवसर, कड़ी प्रतियोगिता आदि के कारण सामान्य ही नहीं योग्य व्यक्ति के हाथ भी असफलता ही आती है। सफलता पाना आसान नहीं रह गया है। कई बार युवाओं को लगता है कि उन्होंने गलत क्षेत्र चुन लिया है। प्रायः इससे कुंठा और परेशानी ही बढ़ती है। अभिभावक अपने ढंग से बच्चों के भविष्य के बारे में सोचते हैं, योजनाएं बुनते हैं। उसी के अनुसार वे पढ़ाई या प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था करते हैं। इस मामले में अक्सर उनकी उम्मीदें बहुत ज्यादा होती हैं। इष्ट-मित्रों या परिचित-रिश्तेदारों के अच्छे वेतन या आमदनी-रुतबे को देख उनके ही कार्य या व्यवसाय को अपना लेना हमेशा सही नहीं हो सकता। अपनी योग्यता, क्षमता, रुचि, लक्ष्य, उपलब्ध साधनों आदि की अनदेखी करना ठीक नहीं। इसके अलावा आज जरूरत इस बात की भी है कि अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए एकाधिक विकल्पों को भी अपनी सूची में शामिल रखा जाए। अपनी रुचि और उससे सम्बन्धित व्यवसाय या कार्य के बारे में अपने माता-पिता या अन्य किसी जानकार और अनुभवी व्यक्ति से बातचीत या परामर्श अवश्य करना चाहिए।

सोच समझकर निर्णय लेना बहुत अच्छी बात है पर इसमें आवश्यकता से अधिक समय नहीं लगाना चाहिए। न्यूनतम समय में सही और उचित निर्णय लेना ही लाभप्रद होता है। अपनी रुचि के अनुरूप अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेते समय सम्बन्धित कार्य, प्रशिक्षण, व्यवसाय आदि के बारे में पर्याप्त जानकारी और सही आकलन करने का यथेष्ट प्रयास करना चाहिए। यह ध्यान रखना चाहिए कि हर क्षेत्र में प्रवेश करने और उसमें सफल होने के लिए अपेक्षित योग्यता के साथ-साथ उचित जानकारी, प्रशिक्षण, धैर्य, सहनशीलता, परिश्रम, संघर्ष आदि की आवश्यकता भी पड़ती है।

यह सभी जानते हैं कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। संयोग से भले ही किसी व्यक्ति को एकाध बार सफलता मिल जाए पर हर बार ऐसा होना सम्भव नहीं है। आज कम से कम समय में अधिक धन या सफलता पा लेना हर युवा का सपना बन गया है। अति उत्साह में कुद युवा अनुचित कदम उठा लेते हैं जो अन्ततः दुःखदायी सिद्ध होता है। कुछ युवाओं को विरासत में ही बिना मांगे बहुत कुछ मिल जाता है पर ऐसा सभी के लिए हो पाना सम्भव नहीं है। सही मायने में जो हासिल करना हो उसके लिए सही कोशिश करनी ही पड़ती है। अनिश्चय और अनिर्णय की स्थिति अधिक समय तक बनाए रखना ठीक नहीं होता। साथ ही निर्णय लेने के मामले में औरों पर आवश्यकता से अधिक कभी निर्भर नहीं रहना चाहिए। अनेक लोग राय लेने के मामले में काफी उदार होते हैं। वे हर व्यक्ति से राय लेते रहते हैं। नतीजा कुछ नहीं निकलता। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास कहीं गुम हो जाता है और वे कहीं के नहीं रहते। अंततः उन्हें समझौते की राह पकड़नी पड़ती है, यानी जो हाथ लग जाए उसी में सन्तोष करना पड़ता है। कभी-कभी हताशा में वे गलत कदम भी उठा बैठते हैं। कभी-कभी नशे की शरण में चले जाते हैं जो उचित नहीं। प्रयास करने पर भी सफलता न मिले तो भी निराश ओर कुंठित होने से बचना चाहिए। जीवन इतना छोटा नहीं है। एक असफलता सुनहरे कल को नहीं मिटा सकती। ऐसा शायद ही कोई व्यक्ति होगा जिसे हर बार सफलता ही मिली हो। एक सफलता के पीछे एकाधिक बार असफल होना भी हो सकता है। हां, अपनी कमियों और चूकों पर कड़ी निगाह अवश्य डालनी चाहिए। अपनी कमियों को यथाशीघ्र दूर करते हुए फिर चलकर आगे बढ़ने में ही समझदारी है।

एक ही लक्ष्य को पाने वालों की संख्या पहले की तुलना में अब कहीं ज्यादा होती है। सो योग्य व्यक्ति के लिए भी राह आसान नहीं हो सकती। इस प्रतियोगिता भरे समय में उचित विकल्पों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

विकल्पों के बारे में सजग रहना आवश्यक है। एक ही लक्ष्य पर नजर जमाए चलने से काम नहीं चलने वाला यानी अपने मुख्य लक्ष्य के अलावा उप मुख्य लक्ष्य भी ध्यान में रखना चाहिए। अपने मन से चुने हुए व्यवसाय या कार्य क्षेत्र के रूप को विस्तार देते हुए उससे जुड़े अन्य क्षेत्रों पर भी नजर दौड़ानी चाहिए। निश्चय ही लगभग हर क्षेत्र में आपको एकाधिक विकल्प मिल जाएंगे। यह याद रखना आवश्यक है कि आप हर स्थित को अपने अनुकूल नहीं बना सकते अतः आप आवश्यक होने पर सवयं को ही कुछ बदलने का प्रयास करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2989

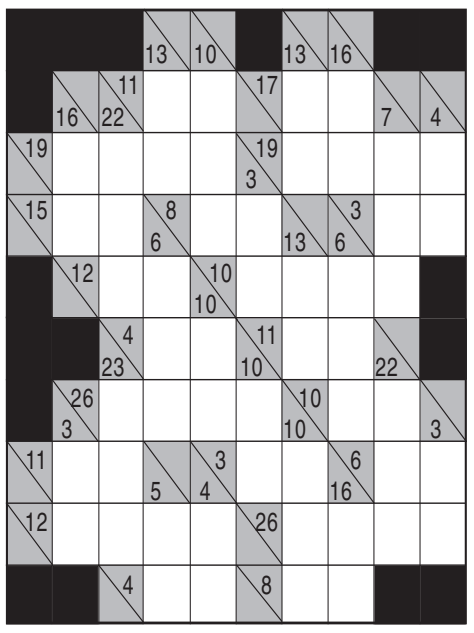

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2988 का हल

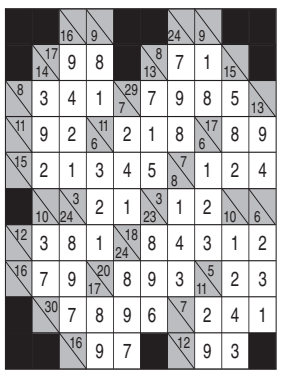

हंसी के फव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

□ □ □

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था,'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे.....'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी,'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

□ □ □

बीवी ने मियाँ से पूछा,'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं ?'

मियाँ डरते-डरते,'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2989

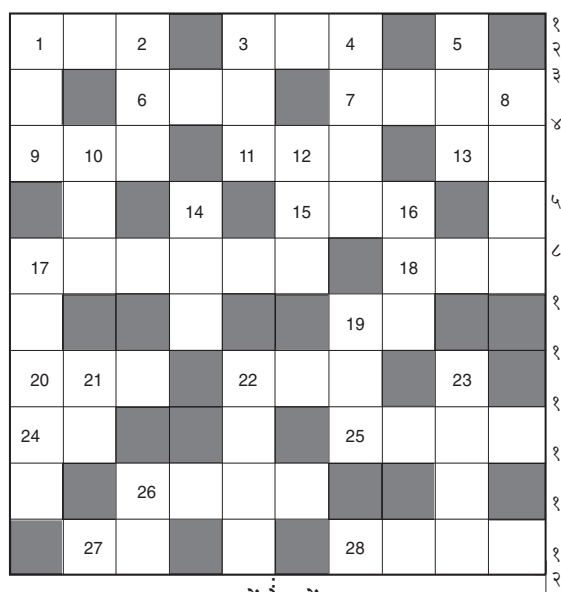

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2988

प	र	दे	स	■	श	ली	मा	र	■
हे	■	व	र	दा	न	■	सु	■	ही
ली	ड	र	■	न	■	ओ	म	का	श
■	र	■	शि	व	श	म	■	पों	■
जु	■	दा	वा	■	ज	■	फ	रे	ब
बै	श	ग	■	चा	ह	त	■	ट	■
दा	■	■	शि	■	ठ	■	दा	■	अ
■	स	त्य	का	म	■	श	मा	■	न
दौ	ड़	■	र	जा	मु	श	द	■	क
■	क	र्ज	■	ल	■	बी	■	जू	ही

सूडोकु -2989

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2988 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 2989

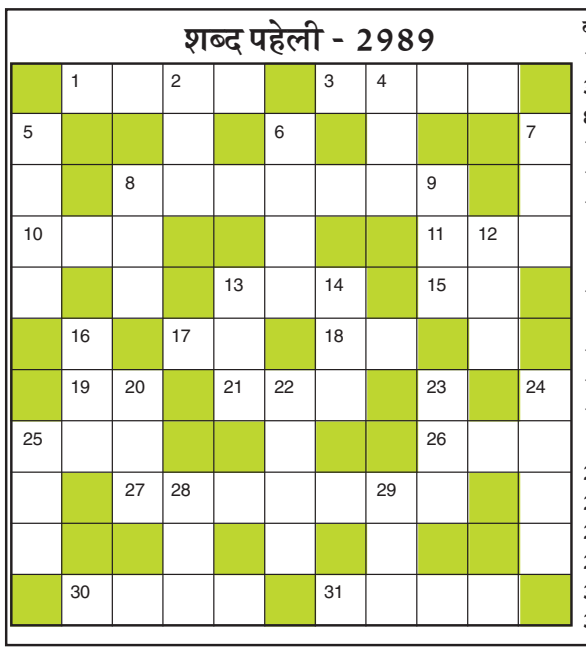

बाएँ से दाएँ

1. ईष्ट कृपा,वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा,बैर-3
11. जंगल,वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा,लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे

2. वलय,घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी,मदमस्त-4
7. यज्ञ,होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2988 का हल

अ	मा	न	त	■	अ	■	बी	र	ब	ल
■	ला	■	वा	■	म	हि	मा	■	ल	व
म	■	■	य	की	न	■	र	■	■	कु
त	क	ली	फ	■	चै	त्र	■	क	ल	श
वा	■	ड	■	रा	न	■	गै	■	ह	■
ला	प	र	वा	ह	■	का	र	गु	जा	री
■	र	■	दा	■	अ	स्त	■	मा	■	मा
प्र	ख	र	■	पा	प	■	म	न	च	ला
जा	■	■	शा	■	ह	न	न	■	■	गू
प	र	■	पि	ह	र	■	ह	■	शा	■
ति	जा	र	त	■	ण	■	र	ह	म	त

करो या मरो मैच में श्रीलंका को अफगानिस्तान से रहना होगा सतर्क

पुणे (एजेंसी)। लगातार दो जीत से उत्साहित श्रीलंका को वनडे विश्व कप में अपनी उम्मीदें जीवंत रखने के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा। श्रीलंका और अफगानिस्तान ने अभी तक पांच मैच में दो-दो जीत दर्ज किए हैं और वह सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हैं। इसके लिए हालांकि उन्हें अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने होंगे और अन्य मैच के परिणाम अपने अनुकूल रहने के लिए भी दुआ करनी होगी।

इस मैच में हालांकि एक टीम को ही जीत मिलेगी और ऐसे में दूसरी टीम की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी। श्रीलंका ने पहले तीन मैच में पराजय झेलने के बाद अगले दो मैच में जीत दर्ज करके अपनी उम्मीद जगाई है लेकिन वह अगर अफगानिस्तान को कम करके आंकते हैं तो यह उनकी बहुत बड़ी भूल होगी। अफगानिस्तान ने इंग्लैंड और पाकिस्तान को हराकर अपनी क्षमता का अच्छा परिचय दिया है और वह अब श्रीलंका के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगा।

श्रीलंका को इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में लाहिरू कुमारा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और मजबूत क्षेत्ररक्षण के कारण जीत मिली। अनुभवी ऑल राउंडर एंजेलो मैथ्यूज के जुड़ने से टीम को मजबूती मिली है। श्रीलंका को हालांकि अफगानिस्तान के खिलाफ मैच से पहले करारा झटका लगा है क्योंकि कुमारा चोटिल होने के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह दुशमंत चमीरा को टीम में शामिल किया गया है।

कुमारा के बाहर होने से अन्य गेंदबाजों की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। दिलशान मदुशंका और कुसान राजिथा ने प्रतियोगिता में अब तक 11 और 7 विकेट लिए हैं और श्रीलंका को अगर अपनी जीत का सिलसिला जारी

रखना है तो उन्हें और स्पिनर महेश तीक्षणा को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। बल्लेबाजी में पथुम निसांका और सदीरा समरविक्रमा इस साल अपने दो सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाजों के रूप में उभरे हैं। टीम को इन दोनों के अलावा कप्तान कुसल मेंडिस से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

जहां तक अफगानिस्तान की बात है तो उसकी तरफ से अभी तक रहमनुल्लाह गुरबाज ने सर्वाधिक 224 रन बनाए हैं लेकिन इब्राहिम जादरान, हशमतुल्लाह शाहिदी, रहमत शाह ने भी पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है और वे श्रीलंका के खिलाफ आत्मविश्वास बनाए रखना चाहेंगे। गेंदबाजी में अफगानिस्तान का दारोमदार तेज गेंदबाज नवीन उल हक तथा राशिद खान, मोहम्मद नबी और मुजीब उर रहमान की स्पिन तिकड़ी पर टिका रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका - कुसल मेंडिस (कप्तान), कुसल परेरा, पथुम निसांका, दुशमंत चमीरा, दिमुथ करुणारत्ने, सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, महेश तीक्षणा, डुनिथ वेलालेज, कासुन राजिथा, एंजेलो मैथ्यूज, दिलशान मदुशंका, दुशान हेमंथा, चमिका करुणारत्ने

अफगानिस्तान - हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्ला उमरजई, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी , अब्दुल रहमान और नवीन उल हक।

पैरा एशियन गेम्स - शतरंज में भारत नें रचा इतिहास , 2 स्वर्ण समेत कुल 8 पदक जीते

हांगझोउ (एजेंसी)। पैरा एशियन गेम्स भारतीय शतरंज टीम नें देश को एक साथ कई पदक देकर गौरान्वित किया है , शतरंज मे भारत नें पुरुष और महिला टीम और व्यक्तिगत वर्ग में 2 स्वर्ण , एक रजत और 5 कांस्य पदक जीतकर कुल मिलाकर 8 पदक हासिल किए है ।

बी1 व्यक्तिगत रैपिड केटेगरी में भारत नें बेहतरीन खेल दिखाते हुए तीनों पदक अपने नाम किए । दर्पण इनानी नें शानदार खेल दिखाते हुए 7 राउंड में 5 जीत और 2 ड्रॉ खेलते हुए 6 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता तो 5.5 अंक बनाकर भारत के सौन्दर्य प्रधान और 5 अंक बनाकर भारत के अश्विन माकवाना कांस्य पदक जीतने में कामयाब रहे । इन तीनों के ही शानदार प्रदर्शन के चलते टीम नें इसी वर्ग का स्वर्ण पदक भी हासिल कर लिया टीम श्रेणी में ईरान नें रजत तो इन्डोनेशिया नें कांस्य पदक हासिल किया ।

पुरुषो की व्यक्तिगत रैपिड बी2बी3 श्रेणी में किशन गांगुली नें 7 राउंड में 5 अंक बनाकर कांस्य पदक हासिल किया और इसी वर्ग मे भारत के आर्यन जोशी और सोमेन्दर बीएल के साथ मिलकर तीनों खिलाड़ियों नें भारत के लिए टीम श्रेणी का कांस्य पदक हासिल किया । इस वर्ग मे फिलीपींस नें स्वर्ण और इन्डोनेशिया नें रजत पदक हासिल किया ।

महिलाओं के व्यक्तिगत बी 1 क्लासिकल श्रेणी में हिमांशी राठी नें 5 अंक बनाकर कांस्य पदक हासिल किया जबकि महिला रैपिड बी1 श्रेणी में महिला टीम नें हिमांशी 4.5 अंक , वृथी जैन 3 अंक और संस्कृति विलास 3 अंक नें मिलकर टीम का कांस्य पदक दिलाया । इस वर्ग में ईरान नें स्वर्ण और इन्डोनेशिया नें रजत पदक हासिल किया ।

भारतीय टीम के इस प्रदर्शन पर प्रधानमंत्री नें सभी खिलाड़ियों को शुभकमनाये दी ।

अब विश्व पटल पर खेलों में भी छाया भारत : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अब खेलों में भी देश दुनिया भर में अपना परचम लहरा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल में हुई खेल आयोजनों में भारतीय दल ने अपने शानदार प्रदर्शन से रिकार्ड बनाते हुए सभी को प्रभावित किया है। मोदी ने एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों के साथ ही विशेष ओलंपिक विश्व खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। मोदी ने कहा कि विजेता खिलाड़ियों ने बहुत ही साधारण परिवार से आने के बाद भी अपनी गरीबी को सफलता में बाधक बनने नहीं दिया। उन्होंने कहा, ''इस समय देश खेलों में भी विश्व पटल पर छाया हुआ है। पिछले दिनों एशियाई खेलों के बाद पैरा एशियाई खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अहम सफलता हासिल की है। इन खेलों में भारत ने 111 पदक जीतकर एक नया रिकार्ड बनाया है। साथ ही कहा कि मैं पैरा एशियाई खेलों में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।'' उन्होंने 'स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स' में भारतीय दल के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इससे बौद्धिक दिव्यांगता वाले खिलाड़ियों की अद्भुत क्षमता का अंदाजा होता है।

मोदी ने कहा, ''रोलर स्केटिंग हो या बीच वॉलीबॉल या फुटबॉल, भारतीय खिलाड़ियों ने सभी में पदक जीते। इन पदक विजेताओं की जीवन यात्रा भी बहुत प्रेरक रही है।'' ये सभी बहुत ही साधारण परिवार से निकले पर इन्होंने कभी भी गरीबी को अपनी सफलता के रास्ते में नहीं आने दिया। मोदी ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की सफलता अन्य बच्चों और परिवारों को भी भी इन क्षेत्रों में आने के लिए प्रेरित करेगी।

'उन्होंने टीम के बारे में नहीं सोचा...'

गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा को बताया स्वार्थी

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड के बीच मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 87 रनों की पारी खेली। वहीं भारतीय पारी में कप्तान एकमात्र ऐसे खिलाड़ी रहे जिसने अर्धशतक पूरा किया। लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान गौतम गंभीर को उनकी ये पारी पसंद नहीं आई। वहीं गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा को इस पारी के लिए स्वार्थी बताया है। गंभीर ने कहा कि, उन्होंने खराब शॉट खेला और 87 के स्कोर तक पहुंचने के लिए की गई सारी मेहनत बर्बाद कर दी। उन्होंने टीम के बारे में नहीं सोचा। अगर वह जसप्रीत बुमराह के साथ बल्लेबाजी कर रहे होते तो मैं कुछ नहीं कहता लेकिन सूर्यकुमार यादव क्रीज पर थे, जो एक उचित बल्लेबाज हैं। वहीं गौतम गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत करते हुए कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि रोहित शर्मा आंकड़ों के प्रति जुनूनी नहीं हैं। रोहित शर्मा के अब तक 40-50 शतक हो गए होंगे, लेकिन वह शकतों के प्रति जुनूनी नहीं है वह निस्वार्थ हैं। गौरतलब है कि, रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों ही बल्लेबाजों ने इस वर्ल्ड कप में कमाल की फॉर्म दिखाई है। भारत के दोनों बल्लेबाज वर्ल्ड कप 2023 में शतक लगा चुके हैं। वहीं रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ इस पारी में 101 गेंदों में 87 रन की पारी खेली।

विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर के इस शर्मनाक रिकॉर्ड की बराबरी की, इंग्लैंड के खिलाफ हुए डक आउट

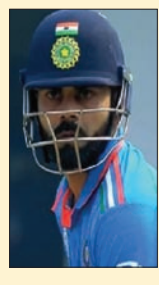

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ फैंस को निराश किया है। दरअसल, कोहली डक आउट हो गए, इस दौरान उन्होंने 9 गेंदें खेलीं। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, पहले विकेट के रूप में शुबमन गिल का विकेट गिरा, उसके बाद विराट कोहली आउट हुए जबकि तीसरे विकेट के रूप में श्रेयस अय्यर भी पवेलियन लौटे। कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ 9 गेंदों का सामना किया लेकिन वो अपना खाता नहीं खोल पाए। रन बनाने से पहले कोहली चाहते थे कि वह क्रीज पर कुछ समय बिताएं और फिर चार्ज करें, लेकिन इंग्लिश गेंदबाज पहले पॉवरप्ले में पिच की नमी का पूरा फायदा उठाते हुए नजर आए और कोहली डेविड विली की गेंद पर अपना कैच मिड ऑफ पर खड़े बेन स्टोक्स को थमा बैठे। वनडे वर्ल्ड कप में ये पहला मौका था जब विराट कोहली डक पर आउट हो गए।

एसबीआई के ब्रांड एम्बैसडर बने धोनी

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने पूर्व क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एम्बैसडर बनाया है। बैंक ने एक बयान में कहा कि एसबीआई के ब्रांड

एम्बैसडर के तौर पर धोनी विभिन्न विपणन और प्रचार अभियानों में अहम भूमिका निभाएंगे। एसबीआई के अनुसार, कठिन हालातों में संयम बनाए रखने के साथ ही स्पष्ट सोच और दबाव में तत्काल फैसले लेने की उनकी क्षमता को सभी जानते हैं। इसी खूबी के कारण धोनी को देशभर में अपने ग्राहकों और हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए एसबीआई एक आदर्श विकल्प मानती है। एसबीआई ने कहा कि यह सहयोग विश्वसनीयता और नेतृत्व के मूल्यों को दिखाते हुए अपने ग्राहकों के साथ गहरे संबंध बनाने की बैंक की प्रतिबद्धता का भी एक प्रतीक है। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा, इस साझेदारी से हमारा लक्ष्य विश्वास, अखंडता और अटूट समर्पण के साथ राष्ट्र और अपने ग्राहकों की सेवा करने का है।

ऋषभ अगले साल अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली । विकेटकीपर ऋषभ पंत पिछले साल हुए सड़क हादसे के बाद से ही खेल से बाहर है। इसी कारण वह विश्वकप के लिए भी भारतीय टीम में शामिल नहीं है। वहीं अब उनके प्रशंसकों के लिए खुशी की बात है। ऋषभ घुटने की सर्जरी से उबर गये हैं और उन्होंने बल्लेबाजी का अभ्यास भी शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि वह अगले साल जनवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज से वापसी कर सकते हैं। टीम इंडिया में वापसी से पहले इस आक्रामक बल्लेबाज को घरेलू क्रिकेट खेलकर फिटनेस भी हासिल करनी होगी। ऋषभ पिछले कुछ महीनों से नेशनल क्रिकेट एकेडमी में अभ्यास कर रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनपर नजर रखे हुए है। ऋषभ ने दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था उसके बाद से ही वह घायल होने के कारण टीम से बाहर हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, अभी इस क्रिकेटर की वापसी को लेकर कुछ भी कहा नहीं जा सकता है। ये सही है कि वह नेट्स पर बल्लेबाजी कर रहे हैं पर उन्हें मैच फिटनेस हासिल करने में अभी भी समय लगेगा। इसके लिए उन्हें घरेलू क्रिकेट में वापस करते हुए अपना आत्मविश्वास वापस हासिल करना होगा। सब कुछ सही रहने पर वह अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए वर्ल्ड कप की टॉप 7 टीमें करेंगी क्वालिफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लीग स्टेज की समाप्ति के बाद पाकिस्तान समेत टॉप 7 टीमें 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वॉलिफाई करेंगी। बता दें कि, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान होगा।

दरअसल, ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वॉलिफिकेशन सिस्टम को आईसीसी बोर्ड ने 2021 में तब मंजूरी दी थी, जब 2024-31 के साइकिल के दौरान आठ टीमों वाले चैंपियंस ट्रॉफी की फिर से वापसी कराने का फैसला हुआ था।

ये अपडेट कुछ क्रिकेट बोर्ड के लिए हैरानी करने वाला है, इनमें वे दोनों बोर्ड भी शामिल हैं जिनकी टीमें भारत में वर्ल्ड कप खेल रही हैं और कुछ जो इस वनडे वर्ल्डकप में जगह बनाने से चूक गए थे। इन क्रिकेट बोर्ड का कहना है कि वे इस बात से अनभिज्ञ थे कि इस वर्ल्ड कप के जरिए 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने की योग्यता दांव पर लगी है।

जिसका सीधा सीधा मतलब है कि, वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे और आयरलैंड जैसे पूर्ण सदस्य देशों को 2023 वनडे वर्ल्ड कप में जगह नहीं मिली थी। वहीं अब उन्हें 2025 चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने का मौका तक नहीं मिलेगा।

ये अपडेट तब सामने आया जब बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर टिप्पणी की, जिससे संकेत मिला है कि उन्हें कम से कम पता था कि योग्यता दांव पर थी।

अभी हर मैच पर ध्यान दे भारतीय टीम : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारतीय टीम को अधिक आगे की न सोचकर अभी प्रत्येक मैच पर ध्यान देना

चाहिये। भारतीय टीम ने एकदिवसीय विश्वकप में इस बार अच्छी शुरुआत करते हुए शुरुआती पांच मैच जीते हैं जिसके बाद से ही उसे खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं गावस्कर ने कहा कि टीम केवल अपने खेल पर ध्यान दे और भविष्य को लेकर ज्यादा न सोचे। उन्होंने कहा, आप बस जीतना चाहते हैं। भारत को केवल अगले मैच पर ध्यान देना चाहिए और बस इतना ही। बहुत आगे की मत सोचो। यदि पीछा करना ही वह तरीका है जिससे आप जीतना चाहते हैं, तो ऐसा करते रहें। अभी से नॉकआउट चरण के बारे में अधिक चिंता मत करो। भविष्य अपना ख्याल खुद रखेगा। वहीं गावस्कर ने कहा कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अच्छी शुरुआत नहीं मिलने से ही इंग्लैंड का प्रदर्शन इस बार खराब रहा है। गावस्कर ने कहा, इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साथ ही कहा कि अगर आप इस विश्व कप में संघर्ष कर रही सभी टीमों पर नजर डालें तो उनमें से किसी को भी अच्छी शुरुआत नहीं मिली है। उन्होंने पहले 10 ओवरों में कुछ विकेट गंवा दिए। उन्हें अपने अन्य बल्लेबाजों के लिए बीच के ओवरों में आकर आक्रमण खेल खेलने के लिए मंच नहीं मिला।

बीसीसीआई ने जम्मू कश्मीर के क्रिकेटर पर दो साल का प्रतिबंध लगाया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जम्मू के रहने वाले युवा क्रिकेटर वंशज शर्मा पर अलग-अलग जन्म तिथियों के साथ कई जन्म प्रमाण पत्र जमा करने के लिए दो साल का प्रतिबंध लगाया है। शर्मा मूल रूप से जम्मू के बिश्नाह के रहने वाले हैं लेकिन वह बाद में बिहार चले गए थे और अभी वहां के राज्य संघ के तहत खेल रहे थे।

जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) के प्रमुख ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता ने कहा, ''वह वर्तमान में बिहार क्रिकेट संघ के साथ है। वह जेकेसीए के खिलाड़ी नहीं है।'' उन्होंने यहां जारी भी विज्ञप्ति में कहा,''वह पहले अंडर 19 खिलाड़ी के रूप में हमारे यहां पंजीकृत था। वह कभी जेकेसीए की तरफ से नहीं खेला। वह बाद में बिहार क्रिकेट संघ से जुड़ गया था और उसने अपनी जन्मतिथि के गलत प्रमाण पत्र दिए थे। बीसीसीआई ने उसे पकड़ लिया और कई जन्म प्रमाण पत्र देने के लिए उसे प्रतिबंधित कर दिया।'' विज्ञप्ति में कहा गया है कि शर्मा दो साल तक बीसीसीआई के किसी भी टूर्नामेंट में भाग नहीं ले सकता। उस पर प्रतिबंध 27 अक्टूबर से लागू होगा।

अॉस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका बनेगी भारत की राह में बाधा : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि इस बार भारत की विश्वकप जीत की राह में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका सबसे बड़ी बाधा बनेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने लगातार 4 मैच जीत कर एक बार फिर

सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। वह अंक तालिका में अब शीर्ष की 4 टीमों में आ गयी है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट में अच्छी वापसी की है और वह शानदार क्रिकेट खेल रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत से भी उसका मनोबल बढ़ा है। वहीं गांगुली इंग्लैंड टीम के निराशाजनक प्रदर्शन से हैरान हैं। उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंग्लैंड इस तरह का प्रदर्शन करेगी पर यही क्रिकेट है। जहां तक भारत की बात है तो वह मजबूत टीम है और अच्छा प्रदर्शन कर रही है लेकिन अभी खिताब दूर की बात है। इससे पहले भारतीय टीम को सेमीफाइनल में जीत दर्ज करनी होगी।

ऑलराउंडर बास डी लीडे ने की आईसीसी से अपील, कहा- 'नीदरलैंड्स को बड़े राष्ट्र का दर्जा दें'

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड के ऑलराउंडर बास डी लीडे ने अपील की कि विश्व कप में दो बड़े उलटफेर करने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को उन्हें 'बड़े राष्ट्र' का दर्जा देना चाहिए। नीदरलैंड वर्तमान विश्व कप में भाग लेने वाला एकमात्र एसोसिएट देश है। उसने धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका को 38 रन से हराकर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। इसके बाद उसने शनिवार को यहां बांग्लादेश को 87 से पराजित करके साबित कर दिया कि दक्षिण अफ्रीका पर उसकी जीत महज संयोग नहीं थी।

डी लीडे ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''हमारे लिए और नीदरलैंड क्रिकेट के लिए प्रत्येक जीत बड़ी जीत है। हम अपने देश के युवाओं को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा,''हम आने वाले वर्षों में हमें एक संभावित बड़े राष्ट्र के रूप में देखने के लिए आईसीसी का ध्यान आकर्षित करने का भी प्रयास करना चाहते हैं। इसलिए हमारे लिए प्रत्येक जीत काफी महत्वपूर्ण है।''

यह हालांकि स्पष्ट नहीं हो पाया कि डी लीडे अपने देश को टेस्ट दर्जा देने के लिए कह रहे थे या फिर उसको अधिक टूर्नामेंट में उतारने की मांग कर रहे थे। नीदरलैंड को अभी तीन मैच और खेलने हैं और वह सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है। उसके 6 मैच में चार अंक हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना के बारे में डी लीडे ने कहा,''यह अन्य टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा कि हम सेमीफाइनल में जगह बना सकते हैं या नहीं। हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक मैचों में जीत दर्ज करना है।

हमारा लक्ष्य सेमीफाइनल में पहुंचना : एडवर्ड्स

कोलकाता। नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ मिली जीत से बेहद उत्साहित हैं। एडवर्ड्स ने कहा कि अब हमारा लक्ष्य सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा। डच टीम ने इस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीम को उलटफेर का शिकार बनाया था। इस मैच में डच टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 229 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 42.2 ओवर में ही 142 रन पर आउट हो गई। बांग्लादेश टीम की यह लगातार 5वीं हार है। इससे उसके छह मैच में दो अंक हो गये हैं और वह सेमीफाइनल की दौड़ से तकरीबन बाहर हो गयी है। वहीं नीदरलैंड के छह मैच में दूसरी जीत से चार अंक हो गए हैं और उसने अपनी उम्मीद बनाये रखी हैं। एडवर्ड्स ने नीदरलैंड पर 87 रन से जीत के बाद कहा कि पिछले कुछ समय में हमें अपनी कड़ी मेहनत के परिणाम मिले हैं। हमने टूर्नामेंट की शुरुआत में ही कहा था कि हम सेमीफाइनल में पहुंचने का प्रयास करेंगे। अब भी हमारा यही लक्ष्य है। उन्होंने मैच के बारे में कहा कि मैंने अपने कुछ खिलाड़ियों से बात की थी और कहा था कि अगर हम 220 रन से अधिक का स्कोर बना देते हैं तो हमारे पास जीत का अवसर रहेगा। हमारे गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन हार से निराश नजर आये और उन्होंने कहा कि हमें नीदरलैंड को 170 रन के करीब रोकना चाहिए था। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की लेकिन हमारा क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा। हम जिस स्थिति में थे उसे देखते हुए हमें उन्हें 160-170 के स्कोर पर रोकना चाहिए था।

मुंबई की सड़कों से 30 अक्टूबर तक गायब हो जाएंगी काली-पीली टैक्सियां

मुंबई। पिछले कई दशकों से देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 'प्रीमियर पद्मिनी' टैक्सी अपनी सेवाएं दे रही थी। इस टैक्सी सेवा को 'काली-पीली' के तौर पर जाना जाता था, अब लगभग छह दशक के बाद इसकी 'यात्रा' समाप्त हो रही है। नए मॉडल और ऐप-आधारित कैब सेवाओं के बाद ये काली-पीली टैक्सी अब मुंबई की सड़कों से 30 अक्टूबर तक हट जाएंगी। हाल में सार्वजनिक ट्रांसपोर्टर 'बेस्ट' की प्रसिद्ध लाल डबल-डेकर डीजल बसों के सड़कों से हटने के बाद अब काली-पीली टैक्सी भी नजर नहीं आएंगी। परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि आखिरी 'प्रीमियर पद्मिनी' को 29 अक्टूबर, 2003 को तारदेव आरटीओ में एक काली-पीली टैक्सी के रूप में पंजीकृत किया गया था। चूंकि, शहर में कैब संचालन की समयसीमा 20 साल है, ऐसे में अब सोमवार से मुंबई में आधिकारिक तौर पर 'प्रीमियर पद्मिनी' टैक्सी नहीं चलेगी। मुंबई की आखिरी पंजीकृत प्रीमियर पद्मिनी टैक्सी (एमएच-01-जेए-2556) की मालिक प्रभादेवी ने कहा, 'ये मुंबई की शान है और हमारी जान है।' वहीं, कुछ लोगों ने मांग की है कि कम से कम एक 'प्रीमियर पद्मिनी' को सड़क पर या संग्रहालय में संरक्षित किया जाए। पुरानी टैक्सी कार के शौकीन डैनियल सिकेरा ने कहा कि ये मजबूत टैक्सी पांच दशकों से अधिक समय से शहर के परिदृश्य का हिस्सा रही हैं और पिछली कई पीढ़ियों से इनसे भावनात्मक जुड़ाव रहा है। हालां?कि कुछ साल पहले, शहर के सबसे बड़े टैक्सी चालक संघ में शुमार 'मुंबई टैक्सीमेन यूनियन' ने सरकार से कम से कम एक काली-पीली टैक्सी को संरक्षित करने के लिए याचिका दायर की थी, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसी तरह परेल निवासी और कला प्रेमी प्रदीप पालव ने कहा कि आजकल 'प्रीमियर पद्मिनी' टैक्सी केवल मुंबई में दीवारों पर लगे पोस्टरों में देखी जा सकती हैं। हालांकि, यह धीरे-धीरे गायब हो गयी हैं, लेकिन इसने लोगों के दिलों में जगह बना ली है।

जौहर यूनिवर्सिटी को चंदे में बड़ी रकम देने वालों पर आईटी का शिकंजा

रामपुर । सपा नेता आजम खान के बाद उनके करीबियों के घर आयकर की छापेमारी चल रही है। लेकिन इसका दायरा और बढ़ सकता है। सूत्रों बताते हैं कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को मोटा चंदा देने वाले अब आईटी के रडार पर हैं। इनमें कई बड़े ठेकेदार, कुछ सफेदपोश, बिजनेसमैन से लेकर अफसर भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि पहले ईडी भी ऐसे 20 लोगों को नोटिस जारी कर पूछताछ कर चुकी है। अब आईटी ने शिकंजा कसना शुरु कर दिया है। भाजपा नेता आकाश सक्सेना की शिकायत पर शुरू हुई जांच के बाद पूर्व में ईडी ने आजम के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस लखनऊ में दर्ज किया था। आरोप था कि आजम खां ने 2012 में सपा की सरकार बनने के बाद 560 एकड़ भूमि में जौहर विवि का निर्माण शुरू कराया। इसमें नियमों और कानून को ताक पर रखकर बहुत बड़ी मात्रा में सरकारी धन का दुरुपयोग और सरकारी जमीनों को कब्जाकर निर्माण किया गया। आरोप यह भी था कि आजम खां ने अपने ठेकेदारों, उद्योगपतियों से करोड़ों रुपये चंदे के रूप में लेकर काले धन को सफेद किया। इस मामले में जब आजम खां सीतापुर की जेल में बंद थे तो ईडी ने उनसे पूछताछ करते हुए 20 लोगों को नोटिस भी जारी किया था। अब जब आयकर की रामपुर में आजम खां के करीबी ठेकेदारों के घरों-दफ्तरों पर छापामारी की बड़ी कार्रवाई चल रही है तो आईटी ने ईडी की उस जांच को भी आयकर ने अपनी सर्च में शामिल किया है। अपनी शिकायत में आकाश सक्सेना ने आरोप लगाया गया था कि जिन-जिन लोगों से बड़ा चंदा लिया गया है, उनमें से सैकड़ों लोगों को यह भी पता नहीं कि उनके नाम की रसीदें काट दी गई हैं। कई लोगों के आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किए गए हैं। सपा के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री आजम खां के करीबी ठेकेदारों के यहां दूसरे दिन भी आयकर की छापामारी जारी रही। पीडब्ल्यूडी, जल निगम और सीएंडडीएस के बड़े ठेकेदारों से आयकर के अधिकारी दिन भर सवाल-जवाब करते रहे। करीब 34 घंटे तक चली आयकर की कार्रवाई, शनिवार की शाम छह बजे तक चली। पिछले दिनों आजम खां के घर पर छापामारी की गई थी, जिसके बाद जौहर विवि में कानपुर से सीपीडब्ल्यूडी की टीम को लाकर भवनों के निर्माण पर हुए खर्च का मूल्यांकन कराया था। आजम के करीबी बड़े ठेकेदार फरहत खां के यहां आयकर टीम को 20 लाख के आभूषण और 28 हजार की नकदी मिली।

पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री ने की मिस्र के राष्ट्रपति से चर्चा

नई दिल्ली, । पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल रात मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी से टेलीफोन पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और क्षेत्र एवं दुनिया पर इसके प्रभाव पर चर्चा की तथा आतंकवाद, हिंसा और नागरिक जीवन की हानि पर अपनी साझा चिंता व्यक्त की। दोनों नेता शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली और मानवीय सहायता जारी रखने की आवश्यकता पर सहमत हुए। प्रधानमंत्री ने इज़रायल-फिलिस्तीन मुद्दे पर भारत की दीर्घकालिक और सैद्धांतिक स्थिति को दोहराया तथा फिलिस्तीन के लोगों के लिए भारत की विकास साझेदारी और मानवीय सहायता पर प्रकाश डाला। बाद में श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'कल, राष्ट्रपति अल सिसी से बात की। पश्चिम एशिया में बिगड़ती सुरक्षा और मानवीय स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। हम आतंकवाद, हिंसा और नागरिक जीवन की हानि के संबंध में चिंताओं को साझा करते हैं। हम शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली और मानवीय सहायता को सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता पर सहमत हैं।'

श्रीलंका ने अवैध शिकार के आरोप में 37 भारतीय मछुआरों को पकड़ा

रामनाथपुरम (तमिलनाडु)। श्रीलंकाई नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) का उल्लंघन करने और गैरकानूनी तौर पर मछली पकड़ने के आरोप में 37 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया तथा पांच मछली पकड़ने वाले नावों को जब्त कर लिया। श्रीलंकाई नौसेना ने शनिवार और रविवार को दो अलग-अलग घटनाओं में इन भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। तमिलनाडु मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों ने रविवार सुबह यहां कहा कि गिरफ्तार मछुआरे रामनाथपुरम जिले के थंगाचिमादम और रामेश्वरम के रहने वाले हैं। इस बीच, श्रीलंकाई नौसेना ने आज दावा किया कि उसने शनिवार की शाम और रविवार की सुबह श्रीलंकाई जलक्षेत्र से भारतीय शिकार करने वाले ट्रॉलरों को खदेड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया था। पकड़े गए मछुआरों और अवैध शिकार करने वाले ट्रॉलरों को तलाईमन्नार पियर और कंकासंथुरईहार्बर ले जाया गया और उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मत्स्य अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले 14 अक्टूबर को लंकाई नौसेना ने इसी तरह के आरोप में थंगाचीमादम से 27 मछुआरों को गिरफ्तार किया था और पांच नौकाओं को जब्त कर लिया था। सूत्रों के अनुसार श्रीलंकाई नौसेना ने इस साल अब तक 174 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और 27 भारतीय शिकार करने वाले नावों को जब्त किए हैं। गिरफ्तार मछुआरों की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए, रामेश्वरम के मछुआरे हड़ताल पर चले गए और द्रमुक सरकार के हस्तक्षेप के बाद मछुआरों के एक वर्ग ने कल ही मछली पकड़ने की गतिविधियाँ फिर से शुरू कीं।

विदेशी जेलों में बंद हैं 8,437 भारतीय कैदी

नई दिल्ली । कतर में 8 भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारियों को मौत की सजा सुनाई गई। आइए जानते हैं कि विदेशी जेलों में कहां और कितने कैदी बंद हैं। इसी हफ्ते कतर में 8 भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारियों की मौत की सजा सुनाई गई। इस खबर के आते ही भारतीय जनमानस को यह लगने लगा आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? इस समय देश में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी जोरशोर से चल रही है। ऐसे माहौल में विपक्षी पार्टियां इस मामले में केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने की कोशिश भी कर रही है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में पीड़ित अधिकारियों को राहत दिलाने के लिए केंद्र सरकार पूरी कोशिश में जुट गई है। सरकार साथ ही कई अलग-अलग विकल्प भी तलाश रही है। गौरतलब है कि ये नौसेना के अधिकारी साल 2022 के अगस्त से ही जासूसी के आरोप में जेल में बंद हैं। जिन अफसरों को मौत की सजा सुनाई गई है, वे हैं- कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर अमित नागपाल, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता और सेलर रागेश गोपाकुमार। इनमें से कई अधिकारी भारतीय नौसेना के प्रमुख युद्धपोतों का नेतृत्व कर चुके हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि विदेशी जेलों में 10, 20 या 100 भारतीय कैदियों के मामले विचाराधीन नहीं हैं। 2023 में मार्च तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार विदेशी कारागारों में 8,437 भारतीय कैदी बंद हैं।

दिल्ली का एक्यूआई का लेवल हुआ 566, प्रदूषित हवा में सांस लेना हो रहा मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में दिल्ली और इसके पड़ोसी क्षेत्रों में नवंबर और जनवरी के बीच हवा की गुणवत्ता में प्रमुख गिरावट देखी जाती है, जिसका मुख्य कारण मौसम संबंधी स्थितियां, पटाखे जलाना और पराली जलाना है।

अगर आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं तो सावधान हो जाइए। प्रदूषण के चलते दिल्ली की हवा अब खतरनाक स्तर तक खराब हो गई है। वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र 'सफर' के ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को 309 एक्यूआई के साथ 'बहुत खराब' श्रेणी में रही, वहीं जहांगीरपुरी में सीजन का उच्चतम एक्यूआई 566 'खतरनाक' श्रेणी में दर्ज किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि आज सुबह 9 बजे तक जहांगीरपुर में एक्यूआई 406 'गंभीर' श्रेणी में था - जिसमें 'खतरनाक' स्तर से न्यूनतम सुधार है।

सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में शनिवार को औसत एक्यूआई 304 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया, जो शुक्रवार को 261 एक्यूआई के साथ 'खराब' श्रेणी था। इस बीच, नोएडा की वायु गुणवत्ता भी गिर गई क्योंकि शहर का एक्यूआई 'खतरनाक' श्रेणी में 490 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को शहर का औसत एक्यूआई 286 पर 'खराब' श्रेणी में रहा।

न्यूज एजेंसी ' की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के लिए केंद्र की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली ने भविष्यवाणी की है कि शहर की वायु गुणवत्ता और खराब होगी, जिसका मुख्य कारण तापमान में गिरावट और हवा की गति धीमी होना है। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता इस माह के अंत तक बेहद खराब रहने की आशंका है।

गौरतलब है कि शून्य और 50 के बीच एक एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

दिल्ली में फिलहाल ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के दूसरे चरण लागू है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार का 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान इस सप्ताह की शुरुआत में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की घोषणा के बाद 26 अक्टूबर को लागू किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को लाल बत्ती पर इंतजार करते समय अपने इंजन बंद करने के लिए प्रोत्साहित करके वायु प्रदूषण को कम करना है।

उत्तर भारत में दिल्ली और इसके पड़ोसी क्षेत्रों में नवंबर और जनवरी के बीच हवा की गुणवत्ता में प्रमुख गिरावट देखी जाती है, जिसका मुख्य कारण मौसम संबंधी स्थितियां, पटाखे जलाना और खेत में आग (पराली जलाना) है। हालांकि गोपाल राय ने कहा है कि इस साल अब तक पराली जलाने के मामले पिछले साल की तुलना में कम हैं, 2022 में 5,000 की तुलना में केवल 2,500 घटनाएं दर्ज की गईं, प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण में वृद्धि देखी जा सकती है।

आठ माह से जेल में बंद मनीष सिसोदिया की रिहाई पर सोमवार को फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट मनीष सिसोदिया की रिहाई पर सोमवार को फैसला सुना सकता है। बता दें कि दिल्ली की विवादित आबकारी नीति से संबंधित भ्रष्टाचार और धनशोधन मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की दो अलग-अलग नियमित जमानत याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई होनी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस. वी. एन भट्टी की पीठ इस संबंध में फैसला सुनायेगी। बता दें कि पीठ ने दोनों याचिकाओं पर 17 अक्टूबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में उच्चतम न्यायालय ने 17 अक्टूबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कहा था कि अगर दिल्ली आबकारी नीति में बदलाव के लिए कथित तौर पर दी गई रिश्वत 'अपराध से आय' का हिस्सा नहीं है, तो संघीय एजेंसी के लिए सिसोदिया के खिलाफ धनशोधन का आरोप साबित करना कठिन होगा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आबकारी नीति 'घोटाले' में कथित भूमिका को लेकर मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। वह, उस समय से हिरासत में हैं। ईडी ने सीबीआई की प्राथमिकी पर आधारित धनशोधन मामले में नौ मार्च को तिहाड़ जेल में पूछताछ के बाद सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया था। सिसोदिया ने 28 फरवरी को दिल्ली मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उच्च न्यायालय ने 30 मई को सीबीआई मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि उपमुख्यमंत्री और आबकारी मंत्री के पद पर रहने के नाते, वह एक 'प्रभावशाली' व्यक्ति हैं तथा वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

-राजनांदगांव में राहुल गांधी का बड़ा ऐलान

राहुल ने कहा गरीबों को मिलेगा 10 लाख तक का मुफ्त इलाज, भूमिहीन मजदूर को 10 हजार रुपए

राजनांदगांव (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजनांदगांव में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी की दो बड़ी घोषणाओं का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यदि छत्तीसगढ़ में फिर कांग्रेस की सरकार बनती है तो गरीब वर्ग को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही भूमिहीन मजदूरों को 7 हजार रुपये की राशि बढ़ाकर 10 की जाएगी।

राहुल गांधी ने राजनांदगांव में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत गरीब वर्ग को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख तक का मुफ्त इलाज और अन्य लोगों को 50 हजार से बढ़ाकर 5 लाख तक का मुफ्त इलाज कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी घोषणा पत्र में भूमिहीन मजदूर को मिलने वाली 7 हजार रुपए की राशि 10 हजार रुपए करना शामिल है। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले हमने छत्तीसगढ़ की जनता से जो वायदे किये थे वो पूरे किये हैं। हमने कहा था कि किसानों का कर्जा माफ होगा, और एक सरकार आएगी, किसानों की रक्षा करेगी। किसानों की, मजदूरों की आवाज सुनेगी, और उनको सुनकर सरकार चलाएगी। उन्होंने कहा कि हमने यह भी कहा था कि किसानों को धान का 2500 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा। इस तरह हमने 15-20 वादे नहीं किये थे, बल्कि 4-5 वादे ही किये और उन्हें हमने पूरा करके दिखाया। वादे से आगे आज 2640 रुपए प्रति क्विंटल किसान को मिल रहा है। इसके साथ ही राहुल ने कहा कि आप भले न बोलें लेकिन इसे आने वाले समय में हम 3 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक करेंगे। क्योंकि हम किसानों के दिल की आवाज समझते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आज सुबह ही मैंने और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसान और मजदूरों से बातचीत की। सभी का कहना था कि जो वर्तमान सरकार ने पिछले पांच सालों में किया है, किसी भी सरकार ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर और छोटे व्यापारी और मजबूत हों यही हमारी चाह है। इसी पर आगे भी काम करने का वादा राहुल गांधी ने सभा में उपस्थित जन समूह से किया।

कांग्रेस विधायक के घर में मिली एक दिन पहले गायब हुए युवक की लाश

-युवक की हत्या की आशंका

-मृतक युवक भी विधायक के परिवार का ही सदस्य

नवादा (एजेंसी)। बिहार के नवादा में कांग्रेस विधायक के घर पर लाश मिलने से सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हिसुआ से कांग्रेस विधायक नीतू सिंह के घर एक युवक का शव मिला है। वहीं इलाके के लोग युवक की हत्या की आशंका जता रहे हैं। मामला हिसुआ विधानसभा के नरहट थाना क्षेत्र का है। मृतक युवक की पहचान 24 साल के पीयूष कुमार उर्फ सुद्दू के रूप में हुई है। उसके पिता का नाम टुनटुन सिंह है जिनका पहले ही देहांत हो चुका है। बताया जा रहा है कि जिस पीयूष का शव मिला है वो विधायक के निजी सहयोगी प्रिंस कुमार का भाई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर नवादा एसपी अंबरीष राहुल, रजौली एसडीपीओ पंकज कुमार और मेसकौर थाने की पुलिस विधायक के घर पहुंची। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल पर एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम को भी बुलाया जिसके बाद देर रात तक छानबीन चलती रही। पुलिस ने सभी साक्ष्यों को जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पीयूष की हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते 25 अक्टूबर से विधायक पटना में है और आवास खाली पड़ा था, उसमें विधायक के परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था।

इस हत्या में गोलू सिंह का नाम भी सामने आ रहा है। वो विधायक नीतू सिंह के देवर सुमन सिंह और कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष आभा सिंह का पुत्र है जबकि मृतक युवक भी विधायक के परिवार का ही सदस्य है। रिश्ते में गोलू और मृतक पीयूष चचेरे भाई थे। इस पूरे मामले में नवादा के एसपी अम्बरीष राहुल ने बताया कि शाम 4:30 बजे नरहट थाने को सूचना मिली थी कि हिसुआ की विधायक नीतू सिंह के घर पर बंद कमरे में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी तुरंत घटना स्थल पहुंचे जहां घर की जांच की गई तो एक रूम से शव मिला। शव की पहचान पीयूष सिंह के रूप में हुई जो विधायक नीतू सिंह के दूर के रिश्तेदार थे। जिस रूम में लाश मिली है वह गोलू सिंह का है। गोलू सिंह नीतू सिंह के भतीजे हैं और शुरुआती शक उन्हीं पर है। एसपी ने कहा कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्रियंका ने 100 झूठ में से एक सच बोला, कांग्रेस का विकास में विश्वास ही नहीं : शिवराज

भोपाल, । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर हमला बोलते हुए आज कहा कि श्रीमती वाड्रा ने 100 झूठ में एक सच ये बोला कि उनके स्वर्गीय पिता राजीव गांधी ने अमेठी का कोई विकास नहीं किया। श्री चौहान ने अपने वीडियो संदेश में कहा, श्रीमती वाड्रा मध्यप्रदेश में आकर लगातार झूठ बोल रही है, लेकिन 100 झूठों में कल उन्होंने एक सच ये बोला कि उनके स्वर्गीय पिताजी ने भी अमेठी का विकास नहीं किया। कांग्रेस का विश्वास विकास में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब 'श्रीमान बंटाढार' (दिग्विजय सिंह) प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब प्रदेश को उन्होंने तबाह और बर्बाद करके रख दिया था। ना सड़क थी, ना बिजली थी, ना पानी था, चारों तरफ केवल हाहाकार था। प्रियंका गांधी वाड्रा ने ये सच स्वीकार कर लिया कि कांग्रेस विकास नहीं करती। विकास केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही करती है। प्रियंका गांधी वाड्रा कल प्रदेश के दमोह में चुनावी सभा को संबोधित करने आईं थीं।

हमास के समर्थन में निकली रैली, बुलडोजर हिंदुत्व को उखाड़ फेंको का लगा नारा

-युवा प्रतिरोध रेली में खालिद मशाल ने वर्चुअली किया संबोधित, देश में मचा बवाल

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। इजरायल और आतंकवादी संगठन हमास के बीच जारी जंग के दौरान देश में हमास के समर्थकों ने रैली निकाल कर बखेड़ा खड़ा कर दिया है। इस रैली को हमास नेता खालिद मशाल ने सिर्फ संबोधित ही नहीं किया बल्कि ,बुलडोजर हिंदुत्व को उखाड़ फेंको का नारा लगवाकर आग में घी डालने का काम कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार यहां मल्लापुरम में फिलिस्तीन के समर्थन में एक रैली निकाली गई है। इस रैली को हमास नेता खालिद मशाल ने वर्चुल संबोधित किया। इसके बाद केरल के साथ-साथ देश में भी बवाल मचा हुआ है। दरअसल शुक्रवार को खालिद ने मल्लापुरम में सॉलिडेरिटी युवा आंदोलन द्वारा आयोजित युवा प्रतिरोध रैली में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एकजुटता युवा आंदोलन जमाएत-ए-इस्लामी की यूथ विंग है जिसने मल्लापुरम में इस रैली का आयोजन किया था। रैली में 'बुलडोजर हिंदुत्व और रंगभेदी यहूदीवाद को उखाड़ फेंको' का नारा दिया गया। वहीं इस रैली को लेकर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।

के. सुरेंद्रन ने कहा कि 'केरल के मल्लापुरम में सॉलिडेरिटी कार्यक्रम में हमास नेता खालिद मशाल का वर्चुअल संबोधन चिंताजनक है। उन्होंने पूछा कि अब कहां है मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की केरल पुलिस 'फिलिस्तीन बचाओ' की आड़ में, वे एक आतंकवादी संगठन हमास और उसके नेताओं को 'योद्धा' के रूप में महिमामंडित कर रहे हैं, यह अस्वीकार्य है!' बता दें कि खालिद मशाल, हमास का पोलित ब्यूरो का संस्थापक सदस्य है। वह साल 2017 तक इसका अध्यक्ष था। कई सालों तक, खालिद ने हमास का नेतृत्व किया है। खालिद का जन्म वेस्ट बैंक में हुआ था और उसका पालन-पोषण कुवैत और जॉर्डन में हुआ था। वह साल 2004 में निर्वासन में हमास के राजनीतिक नेता बना। खालिद मशाल कभी गाजा में नहीं रहा और जॉर्डन, सीरिया, कतर और मिस्र से काम करता था। इजरायल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, खालिद अब कतर में स्थित है और उसकी कुल संपत्ति 4 बिलियन डॉलर है।

अब 5जी की दुनिया में अग्रणी बनने की दिशा में आगे बढ़ा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर 2022 प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में 5जी सेवाओं का उद्घाटन किया। आम आदमी के लिए उन्होंने 5जी की धारणा पर जोर दिया कि यह विविध सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में नवाचारों को सक्षम करके आम आदमी के जीवन को बदल सकता है। इसे साकार करने के लिए मार्च 2023 में पीएम मोदी ने 100 5gLabs की स्थापना पर जोर दिया है।

पीएम मोदी की घोषणा अब हकीकत बन गई है, जहां 100 संस्थानों को 5जी लैब के पुरस्कार के लिए चुना गया है, जिसमें कॉम्पैक्ट 5जी नेटवर्क और ड्रोन, एआरवीआर हेड सेट, स्टार्ट अप केस्टिंग किट जैसे उपयोगी उपकरण शामिल हैं, जो शिक्षा, स्वास्थ्य से संबंधित केस अनुप्रयोगों को विकसित करने के लिए हैं। 100 नई 5जी प्रयोगशालाएं परीक्षण सह अध्ययन केंद्र के रूप में काम करेंगी, जो छात्रों और स्टार्टअप जैसे स्थानीय नवोन्वेषकों को कौशल प्रदान करेंगी और भारत की आम आदमी की जरूरतों के अनुसार नए रेंज के अनुप्रयोगों को विकसित करने में सहायता करेंगी, जिससे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेगा। अब पीएम मोदी की मौजूदगी में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, यूपी, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में 5जी लैब को पुरस्कार दिए जा रहे हैं। इन लैब के साथ भारत 5जी और 6जी तकनीक की मदद से विकास और तैनाती में अग्रणी होगा।

बता दें कि 27 अक्टूबर को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 7वें संस्करण के दौरान देशभर के चुनिंदा संस्थानों में 100 नई 5त्न लैब का उद्घाटन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रमुख प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के रूप में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2023 के 7वें संस्करण का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य प्रमुख अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के डेवलपर, निर्माता और निर्यातक के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है। तीन दिवसीय कार्यक्रम नई दिल्ली के प्रगति मैदान के भारत मंडपम में हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत 6जी में नेतृत्व करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, '21वीं सदी में तेजी से बदलती दुनिया के समय में आयोजित यह कार्यक्रम करोड़ों लोगों का भविष्य बदलने की क्षमता रखता है।' मोदी ने कहा कि भारत में सबसे तेज़ 5जी मोबाइल टेलीफोनी रोल-आउट देखा गया; रोल-आउट के एक वर्ष के भीतर 4 लाख 5जी बेस स्टेशन स्थापित किए गए। मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड में भारत पिछले 118वें स्थान से 43वें स्थान पर पहुंच गया है।

सामूहिक गोलीबारी करने वाले संदिग्ध ने की आत्महत्या

वाशिंगटन । अमेरिकी प्रांत मेन के लेविस्टन में 18 लोगों की हत्या के आरोपी व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूएस आर्मी रिजर्व के 40 वर्षीय सदस्य रॉबर्ट कार्ड पर आरोप था कि उसने बुधवार शाम एक रेस्तरां और बॉलिंग एली पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 18 लोग मारे गए और 13 अन्य घायल हो गए। संदिग्ध स्थानीय समय के अनुसार शुक्रवार शाम 7:45 बजे मृत पाया गया। मेन डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी के एक अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार की शाम (2345 जीएमटी) लिस्बन फॉल्स में एंड्रोस्कोगिन नदी के पास, लेविस्टन से लगभग 10 मील (16 किमी) दूर उसका शव बरामद हुआ। बताया जा रहा है कि उसने खुद को गोली मारकर घायल कर लिया था। वहीं मेन प्रांत की पुलिस ने गुरुवार को कहा कि हत्या के आठ मामलों में कार्ड के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने संदिग्ध की मौत के मद्देनजर पड़ोसी समुदायों के लिए सचेत रहने के आदेश को रद्द कर दिया। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने घातक गोलीबारी के बाद अपना समर्थन देने के लिए राज्य के अधिकारियों से बात की है और पीड़ितों के सम्मान में सोमवार तक राष्ट्रीय ध्वज आधे झुकाए रखने का आदेश दिया है। एक गैर-लाभकारी अनुसंधान समूह, गन वायलेंस आर्काइव के अनुसार, यह नरसंहार 2023 में अमेरिका में हुई 565वीं और साल की सबसे घातक गोलीबारी थी। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, लगभग 13 लाख की आबादी वाला पूर्वोत्तर प्रांत मेन अमेरिका में सबसे कम हत्या वाले प्रांतों में से एक है।

बंगले में चल रही रेव पार्टी पर पुलिस ने मारा छापा, नशे में मिले कई स्टूडेंट्स

करांची । एक बंगले में हैलोवीन थीम पर चल रही रेव पार्टी में पुलिस ने छापामार कार्रवाई की है। जैसे ही वहां पर पुलिस पहुंची उस वक्त हलचल मच गई। पुलिस को अर्धनग्न हालत में नशे में धुत स्कूल स्टूडेंट्स को म्यूजिक पर झूमते पाया गया। जिन्हें पकड़कर पुलिस द्वारा थाने ले जाया गया। वहीं इस रेव पार्टी और छापेमारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पार्टी चल रही है। लड़के-लड़कियां नशे में धुत झूम रहे हैं। ये पूरा मामला पाकिस्तान के कराची का बताया जा रहा है। जहां एक बंगले में चल रही पार्टी में अचानक पुलिस आ जाती है और सभी इधर उधर भागने लगते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रेव पार्टी में मिले स्टूडेंट्स कराची के ग्रामर स्कूल के थे। बताया जा रहा है कि पार्टी के लिए परमिशन तक नहीं ली गई थी। पार्टी रात करीब 11 बजे शुरू हुई, जो देर रात तक चली। पुलिस ने सुबह करीब 4 बजे छापा मारा तब भी पार्टी चल रही थी। पूछताछ में पार्टी के आयोजकों ने बताया कि उन्होंने पुलिस स्टेशन में लेटर देकर पार्टी के लिए परमिशन ली थी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि स्टूडेंट्स ने स्कूल के लेटर हेड पर परमिशन ली थी या नहीं। बंगले के मालिक की पहचान खालिद खान के रूप में हुई है। खालिद खान पर पुलिस ने छात्रों को पार्टी करने के लिए बंगला उपलब्ध कराने के आरोप में कार्रवाई की गई है। वहीं अयान खान नामक शख्स पर पार्टी में आए नाबालिग छात्रों को प्रतिबंधित सामान उपलब्ध कराने का आरोप है।

भूमिगत तहखानों से इजरायल गाजा में बड़े पैमाने पर कर रहा जमीनी घुसपैठ

न्यूयॉर्क । इजराइल गाजा में अपने भूमिगत तहखानों से लगातार बड़े पैमाने पर जमीनी घुसपैठ कर रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि वह अपहर्ताओं और उनके बंधकों को बाहर निकालने में हवाई हमलों द्वारा लगातार बमबारी में विफल हुआ है। अब इजरायली सैनिकों और टैंकों ने व्यापक रूप से अपेक्षित जमीनी हमले से पहले उत्तरी गाजा में भूमिगत तहखानों से हमास और अन्य आतंकवादी ठिकानों पर घंटों तक जमीनी हमले किए। एक रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी के बीच इजरायल ने जमीन पर हमला किया। गाजा में ईंधन खत्म होने की कगार पर है, जिससे उसे क्षेत्र में राहत प्रयासों को प्रतिबंधित करना पड़ा, जो पूरी तरह से घेराबंदी के तहत है, क्योंकि दक्षिणी इजरायल में 7 अक्टूबर को हमास के खूनी तांडव ने पहले ही युद्ध को भड़का दिया था। युद्ध के दौरान गाजा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 7,000 हो गई, मृतकों की गिनती अभी भी जारी है। दशकों से चले आ रहे इजरायली-फिलिस्तीनी संघर्ष में इतनी मौतें पहले कभी नहीं हुई थी। फ़िलिस्तीनी अधिकारियों को डर है कि यदि इजरायल ने हमास को कुचलने के मकसद से जमीनी हमला शुरू किया तो जानमाल का नुकसान ज्यादा होने का अंदेशा है। बता दें कि हमास ने साल 2007 से गाजा पर कब्जा कर रखा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा था कि हमास शासित गाजा में पिछले 24 घंटों में 750 से अधिक लोग मारे गए, जो पिछले दिन मारे गए 704 से अधिक हैं। बुधवार को गाजा में एक टीवी चैनल के संवाददाता वाएल दहदौह की पत्नी, बेटे, बेटी और पोते का निधन हो गया। कतर स्थित नेटवर्क ने एक अस्पताल में प्रवेश करने और अपने मृत बेटे को देखते हुए उनका फुटेज दिखाया। दाहदौह और अन्य शोक संतप्त लोग फिलिस्तीनी क्षेत्रों में पत्रकारों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली नीली फ्लैक जैकेट पहनकर गुरुवार को अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इजरायली सेना ने हमास पर घनी आबादी वाले गाजा में नागरिकों के बीच काम करने का आरोप लगाया है और कहा कि यह केवल हमास के ठिकानों पर हमला करता है। फिलिस्तीनी आतंकवादियों ने नागरिकों को मानव ढाल के रूप में उपयोग किया गया है।

अफगानिस्तान में भूकंप के झटके, 13 लोग घायल

हेरात। अफगानिस्तान के पश्चिमी हेरात प्रांत में शनिवार देर रात आए ताजा भूकंप में 13 लोग घायल हो गये। प्रांत के क्षेत्रीय अस्पताल के प्रमुख नूर गुल वलीजादा ने रविवार को बताया कि भूकंप के झटके कल देर रात महसूस किये गये। उन्होंने कहा कि घायल लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.0 मापी गयी। भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 10 किमी की गहराई में स्थित था। गौरतलब है कि रविवार को भी स्थानीय समयानुसार सुबह 9:20 बजे हेरात में 4.8 तीव्रता का एक और भूकंप का झटका महसूस किया गया। अधिकारी ने पुष्टि की कि कुल 13 घायल व्यक्तियों को अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, भूकंप से संपत्ति को भी नुकसान हुआ है। गौरतलब है कि सात अक्टूबर के बाद से हेरात और पड़ोसी बदगीस एवं फराह प्रांतों में भूकंप के कई झटके आए, जिससे हजारों लोग हताहत हुए। इसके अलावा हजारों मकान नष्ट हो गए।

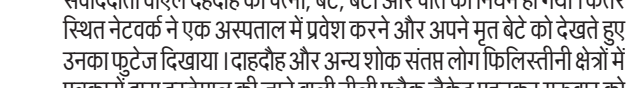

इजरायल-हमास युद्ध के दौरान सऊदी-ईरान भी नहीं दे रहे चीन को तवज्जो

बीजिंग (एजेंसी)। हमास और इजरायल के युद्ध के बीच चीन को भाव नहीं मिला रहा है। ईरान और सऊदी के बीच मध्यस्थता करने वाला चीन इस मामले पर अपना रुख भी स्पष्ट नहीं कर पा रहा है।

रूस और यूक्रेन में युद्ध के बीच चीन जिनता चर्चा में था अब इजरायल-हमास युद्ध में वह उतना ही दरकिनार नजर आ रहा है। ईरान और सऊदी अरब के बीच दोस्ती के लिए मध्यस्थता का दावा करने वाले चीन को अरब देश भी भाव नहीं दे रहे हैं। वहीं चीन का रुख भी इस युद्ध को लेकर स्पष्ट नहीं हो पाया है। एक तरफ चीन टू स्टेट सल्यूशन कि बात करता है तो दूसरी तरफ इजरायल को आत्मरक्षा के लिए सही ठहरा रहा है। बता दें कि चीन ईरान और सऊदी अरब दोनों के लिए इसलिए अहम है क्योंकि यह दोनों ही देशों से बड़ी मात्रा में तेल आयात करता है।

इजरायल और फिलिस्तीन के बीच भी मध्यस्थता करना चाहता था ड्रैगन

चीन ने छह महीने पहले इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास के सामने भी मध्यस्थता का ऑफर रखा था। ऐसा करके वह अमेरिका के प्रभाव को सीमित करने का प्रयास कर रहा था। अगर चीन को थोड़ी भी सफलता हासिल होती तो मध्य एशिया में उसका दबदबा बढ़ता

और इसका सीधा नुकसान अमेरिका को होता। हालांकि 7 अक्टूबर को हमास के हमले और फिर इजरायल के खतरनाक पलटवार ने चीन के इरादों पर पानी फेर दिया।

दोनों तरफ फायदा उठाना चाहता था चीन

बीजिंग इजरायल और गाजा दोनों तरफ से फायदा उठाने की फिराक में था। एक तरफ चीन ने 1960 और 70 में फिलिस्तीनी लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन की मदद की और आज भी टू स्टेट सल्यूशन की वकालत करता रहा है। दूसरी तरफ बीजिंग और इजरायल दूसरे सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर हैं। शुक्रवार को यूएन में हुई वोटिंग में चीन उन 119 देशों के साथ शामिल था जिन्होंने गाजा में तबाही रोकने के लिए वोट किया था। हालांकि इस युद्ध के दौरान चीन को ज्यादा भाव नहीं मिला है। बता दें कि यूएन की वोटिंग से भारत समेत 44 देशों ने खुद को अलग कर लिया था।

जब से हमास और इजरायल में युद्ध शुरू हुआ है चीन इस मामले में तटस्थ नजर आ रहा है। वह कई बार बातचीत की वकालत कर चुका है। 8 अक्टूबर को भी चीन के विदेश मंत्री ने कहा था कि बंधकों को छोड़ दिया जाए और क्षेत्र में शांति बहाल करने पर विचार किया जाए। वहीं बीजिंग की पोजीशन वही है कि कि फिलिस्तीन देश को मान्यता दी जाए।

दूसरे देशों का मुंह ताक रहा चीन

हमास और इजरायल के युद्ध के बीच चीन अपना क्लियर स्टैंड नहीं ले पा रहा है। चीन दूसरे देशों का मुंह ताक रहा है। कई जानकारों का कहना है कि चीन मध्य एशिया में दबदबा बनाने के लिए अब सही समय का इंतजार कर रहा है इसलिए वह किसी एक तरफ से ज्यादा बोलकर अपनी छवि नहीं बिगाड़ना चाहता। वहीं यह युदध सऊदी अरब और ईरान के बीच चल रहे मतभेद से बहुत अलग है। उस केस में दोनों ही देश समाधान चाहते थे। लेकिन यहां एक तरफ कट्टरपंथ है जिसका टारगेट इजरायल से भी बहुत आगे का है। दूसरी तरफ अपना अस्तित्व बचाने की चुनौती है। ईरान और सऊदी अरब दोनों ही मुस्लिम देश थे वहीं यहां जंग मुसलमानों और यहूदियों के बीच की है।

बाइडन के घर के ऊपर उड़ने लगा विमान, अमेरिकी फाइटर जेट्स ने घेरकर नीचे उतारा

वॉशिंगटन। जो बाइडन के घर के ऊपर एक विमान उड़ने के समाचार मिले हैं। हालांकि उसे अमेरिकी फाइटर जेट्स ने घेरकर नीचे उतार दिया। मिली जानकारी के अनुसार अमेरिका के डेलावेयर में शनिवार को एक सिविलियन विमान नो फ्लाई जोन में घुस गया, जिसके बाद अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने उसे फौरन रास्ते से हटाने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन विलमिंगटन में स्थित अपने घर पर मौजूद थे। यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस के संचार प्रमुख एंथनी गुग्लिल्मी के हवाले से मीडिया में यह जानकारी आई है। गुग्लील्मी ने कहा कि सिविलियन विमान दोपहर 2 बजे (स्थानीय समय) के तुरंत बाद विलमिंगटन के उत्तर में प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लड़ाकू विमानों को एहतियात के तौर पर रोका गया। गुग्लील्मी ने कहा कि विमान सुरक्षित रूप से पास के हवाई अड्डे पर उतर गया। दोपहर 2 बजे के तुरंत बाद, एक नागरिक विमान ने विलमिंगटन, डेलावेयर के उत्तर में प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में इसका कोई असर नहीं पड़ा। सीक्रेट सर्विस और फरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के एजेंटों ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पिछले साल भी अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में चूक होने की खबर सामने आई थी। उस समय भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के डेलावेयर स्थित घर के ऊपर से एक छोटा प्राइवेट विमान नो फ्लाई जोन में घुस गया था, जिसकी वजह से अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों में खलबली मच गई। उस वक्त जो बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन घर में ही थे। किसी हमले की आशंका को देखते हुए फौरन उन्हें सुरक्षित जगह ले जाया गया। बाइडन की सुरक्षा व्यवस्थाओं में यह चूक चिंता का विषय इसलिए भी है, क्योंकि इन दिनों अमेरिका में आए दिन गोलीबारी की घटनाएं सामने आ रही हैं।

इजराइली सेना अब हमास के अभेद्य दुर्ग पर चढ़ाई को तैयार, नागरिकों को उत्तरी गाजा छोड़ने की चेतावनी, तुर्किये से राजनयिक बुलाए

तेल अवीव/यरुशलम (एजेंसी)। फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के इस महीने की सात तारीख को इजराइल पर किए गए बर्बर हमले के बाद समूची गाजा पट्टी आग का गोला बन गई है। इजराइल की थल सेना अत्याधुनिक टैंकों के साथ उत्तरी गाजा में घुस चुकी है।

वायु सेना लगातार रॉकेट और मिसाइल दाग रही है। इजराइली सैनिकों ने कुछ स्थानों पर अपने देश का झंडा फहराया है। इस बीच इजराइल ने उत्तरी गाजा के नागरिकों से फौरन दक्षिणी गाजा चले जाने को कहा है। साथ ही इजराइल गाजा पट्टी के सबसे बड़े अल शिफा अस्पताल के नीचे मौजूद हमास के अभेद्य दुर्ग को कभी भी निशाना बना सकता है। गाजा पट्टी पर जंग का आज तेईसवां दिन है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि जंग के दूसरे चरण की शुरुआत हो चुकी है। इजराइली सेना गाजा में घुसकर हमले कर रही है। यह इजराइल की आजादी की दूसरी लड़ाई है। इजराइलियों को लंबे और कठिन दौर से गुजरने के लिए तैयार रहना होगा। इस युद्ध में इजराइल का मकसद साफ है। इजराइल, हमास को खत्म कर बंधकों को वापस लाएगा। हमास हमले से बचने के लिए आम लोगों को ढाल बना रहा है। मानवता और अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए हमास को जड़ से मिटाना जरूरी है।

युद्ध के तेईसवें दिन इजराइल सुरक्षा फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा है कि हमास के आतंकियों के ठिकानों को चुन-चुन कर तबाह किया जा रहा है।प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बंधकों के परिजनों से मुलाकात की है। हमास की कैद में 229 नागरिक हैं।

इनको हमास ने सुरंगों में कैद कर रखा है। हमास ने गाजा के सबसे बड़े अल शिफा अस्पताल के नीचे अपना अभेद्य किला बना रखा है। यहां सुरंगें हैं। यहां हजारों आतंकवादी भी छुपे हुए हैं। इजराइल के सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा है कि उत्तरी गाजा में रहने वाले लोग फौरन दक्षिण में सुरक्षित क्षेत्रों में चले जाएं। वहां उनके लिए दवा, पानी और भोजन की व्यवस्था की गई है। इजराइल की लड़ाई नागरिकों से नहीं, सिर्फ हमास से है।

इस बीच एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा में इंटरनेट और मोबाइल सेवा में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। इजराइली सैनिकों ने उत्तरी गाजा में एक इजरायली झंडा फहराया है। साथ ही 401वीं ब्रिगेड की 52वीं बटालियन के सैनिकों ने गाजा के मध्य में समुद्र तट के किनारे इजराइल का झंडा फहराया। हमास संचालित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि युद्ध में मरने वालों की संख्या 8,000 से अधिक हो गई है कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि सऊदी अरब के रक्षामंत्री खालिद बिन सलमान अल सऊद के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए सोमवार को व्हाइट हाउस जाने की उम्मीद है। इस घटनाक्रम के बीच इजराइल ने तुर्किये से अपने सभी राजनयिकों को वापस बुलाने की घोषणा की है। इजराइल की यह प्रतिक्रिया तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के बयान के बाद आई है। एर्दोगन ने शनिवार को इस्तांबुल में फिलिस्तीन समर्थक रैली में कहा था कि वह इजराइल को युद्ध अपराधी घोषित करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने पश्चिम पर इजरायल के हमले को रोकने में विफल रहने का भी आरोप लगाया था। इस बीच हमास ने कहा है कि वह अपहृत बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए इजरायल को अपने कब्जे में लिए गए सभी फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना होगा।

सैन फ्रांसिस्को में चिनफिंग-बाइडन मुलाकात 'आसान' नहीं होगी: चीनी विदेश मंत्रालय

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के विदेश मंत्री का मानना हैं कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अमेरिकी राष्ट्र जो बाइडन की संभावित बैठक की 'राह आसान नहीं' होगी और नतीजों तक पहुंचने के लिए दोनों पक्षों को मिलकर काम करना होगा। चीन के विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अपनी तीन दिवसीय वाशिंगटन यात्रा के दौरान बाइडन के साथ-साथ अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी ब्लिंकन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन से भी मुलाकात की थी। दोनों पक्ष ने इस दौरान सैन फ्रांसिस्को में नवंबर में आयोजित हो रहे एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग मंच (एपीईसीएफ) के शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक को लेकर काम करने पर सहमति जताई।

चीन के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में 'अमेरिकी रणनीतिक समुदाय' के सदस्यों से हुई चर्चा का सारांश दिया गया। वांग ने कहा कि द्विपक्षीय बैठक की राह 'आसान' नहीं होने वाली है और उन्हें इसके होने के लिए 'स्वतः होने' के भाव पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

वांग की तीन दिवसीय वाशिंगटन यात्रा ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच उच्च प्रोद्योगिकी के निर्यात पर अमेरिकी प्रतिबंध और पूर्वी और दक्षिणी चीन सागर में चीन के आक्रमक रवैये सहित विभिन्न मुद्दों पर तनाव चरम पर है।

बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों के बीच कई मुद्दे हैं जिनका समाधान किया जाना है लेकिन दोनों पक्ष मानते हैं कि अमेरिका और चीन के बीच संवाद कायम रखना दोनों पक्षों के लिए लाभदायक और आवश्यक है।

विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार पिछले साल जी20 शिखर सम्मेलन में चिनफिंग और बाइडन की पिछली मुलाकात का संदर्भ देते हुए वांग ने कहा कि चीन और अमेरिका को 'बाली में वापसी' करने की जरूरत है। बाली में दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने ताइवान, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव के मुद्दों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा की थी।

डोनाल्ड ट्रंप को राहत, पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने राष्ट्रपति पद की दावेदारी छोड़ी

न्यूयॉर्क(एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका में इन दिनों आगमी राष्ट्रपति चुनाव के लिए जद्दोजहद जारी है। इस बीच अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए अपनी दावेदारी छोड़ दी है। उन्होंने व्हाइट हाउस के लिए अपना अभियान समाप्त कर दिया है। पेंस के नाम वापसी के कारण पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत मिली है।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, माइक पेंस शनिवार को लास वेगास में आयोजित यहूदी गठबंधन सभा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि बहुत विचार-विमर्श के बाद मैंने राष्ट्रपति पद के लिए अपना अभियान आज से निलंबित करने का फैसला किया है। मैं जानता हूं कि यह एक कठिन लड़ाई है लेकिन इस बात का मुझे कोई पछतावा नहीं है। बता दें, पेंस राष्ट्रपति पद की दौड़ से निकलने वाले पहले उम्मीदवार बन गए हैं।

विवेक रामास्वामी भी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार

विवेक रामास्वामी एक करोड़पति बिजनेसमैन हैं और अमेरिका के राज्य आइओवा में वह अपनी उम्मीदवारी के प्रचार को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। रामास्वामी का कहना है कि वह विचार आधारित कैंपेन शुरू करने पर फोकस कर रहे हैं। बता दें कि विवेक रामास्वामी के पिता एक जनरल इलेक्ट्रिक इंजीनियर थे और भारत के केरल से अमेरिका में बस गए थे। रामास्वामी की मां एक मनोचिकित्सक थी। रामास्वामी की जन्म अमेरिका सिनसिनाटी में हुआ। हावर्ड और येले यूनिवर्सिटी से पढ़े विवेक रामास्वामी की संपत्ति 500 मिलियन डॉलर के करीब है। विवेक रामास्वामी एक बायोटेक कंपनी के मालिक हैं।

निक्की हेली भी कर चुकी हैं चुनाव लड़ने का एलान

रामास्वामी के अलावा, साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली भी अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में उतरने का एलान कर चुकी हैं। निक्की हेली भी रामास्वामी की तरह भारतीय मूल की ही अमेरिकी नागरिक हैं। हेली रिपब्लिकन पार्टी से अपनी दावेदारी पेश करेंगी। उल्लेखनीय है कि रिपब्लिकन पार्टी से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी चुनाव मैदान में उतरने का एलान कर चुके हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया मुस्लिमों पर यात्रा प्रतिबंध बहाल करने का वादा, व्हाइट हाउस ने आलोचना की

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार व्हाइट हाउस के लिए निर्वाचित होने पर कुछ मुस्लिम बहुल देशों के लोगों पर अतीत में लगाया गया विवादित यात्रा प्रतिबंध बहाल करने का वादा किया। शनिवार को 'रिपब्लिकन जूइश कोलिशन' के वार्षिक शिखर सम्मेलन में ट्रंप (77) ने कहा, ''आपको यात्रा प्रतिबंध याद हैं? एक दिन मैं यात्रा प्रतिबंध बहाल करूंगा। हमने यात्रा प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि हम नहीं चाहते थे कि हमारे देश में ऐसे लोग आएं, जो उसे नुकसान पहुंचाने के विचार को पसंद करते हों।''

ट्रंप ने दावा किया कि उनके प्रशासन के दौरान लगाया गया यात्रा प्रतिबंध काफी सफल रहा। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में सबसे आगे ट्रंप ने कहा, ''हमारे देश में चार साल में एक भी घटना नहीं हुई, क्योंकि हमने बुरे लोगों को अपने देश से बाहर रखा। हमने उन्हें बाहर निकाल दिया। हमारे देश में एक भी घटना नहीं हुई।'' ट्रंप ने 2017 में अपने राष्ट्रपति कार्यकाल की शुरुआत के दौरान ईरान, लीबिया, सोमालिया, सीरिया, यमन, ईराक और सूड़ान से लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी थी।

व्हाइट हाउस ने इस बयान को लेकर पूर्व राष्ट्रपति की आलोचना की है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता एंड्रयू

बेट्स ने कहा, ''2020 में राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्लामोफोबिया में 'अत्यंत' वृद्धि की निंदा की थी, जिसे उन्होंने एक 'हानिकारक बीमारी' बताया था और उनके पूर्ववर्ती द्वारा गैर-अमेरिकी मुस्लिमों पर लगाए गए प्रतिबंध को पलट दिया था।'' बेट्स ने कहा, ''नफरत के खिलाफ एकजुट होने की अब पहले से कहीं अधिक जरूरत है, क्योंकि अमेरिकी मुस्लिम और अरब अमेरिकी भयावह और दिल दहला देने वाली हिंसा का निशाना बन रहे हैं, जिसमें छह साल के बच्चे की बर्बर हत्या भी शामिल है।''

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन ने इस्लामोफोबिया (मुस्लिमों के प्रति घृणा की भावना) के खिलाफ अभूतपूर्व कार्रवाई की है। सैकड़ों समर्थकों के उत्साहवर्धन के साथ ट्रंप ने हमास को नष्ट करने के इजराइल के अभियान के साथ एकजुट रहने, बर्बर आतंकवादियों से अमेरिका और इजराइल की रक्षा करने तथा बाइडन प्रशासन की ईरान तुष्टिकरण की नीति को पलटने का संकल्प भी लिया।

बांग्लादेश : आम चुनाव से पहले हुई हिंसा से संबंधित एक मामले में वरिष्ठ विपक्षी नेता गिरफ्तार

ढाका(एजेंसी)। बांग्लादेश पुलिस ने रविवार को विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक वरिष्ठ नेता को गिरफ्तार कर लिया। इससे एक दिन पहले बीएनपी की ओर से आयोजित सरकार-विरोधी रैली में हिंसक झड़पों के दौरान दो लोगों की मौत हो गई, जिसके कारण जनवरी में प्रस्तावित आम चुनाव से पहले देश में तनाव बढ़ गया है। बीएनपी की प्रेस शाखा के एक पदाधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को पड़ोसी इलाके गुलशन में उनके घर से गिरफ्तार किया गया। ढाका में शनिवार को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा बुलाई गई रैलियों के दौरान हिंसा भड़कने से एक पुलिसकर्मी और बीएनपी के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई और सुरक्षाकर्मियों सहित 200 से अधिक लोग घायल हो गए। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व में बीएनपी ने गैर-दलीय अंतरिम सरकार के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग करते हुए शनिवार को यहां एक भव्य रैली का आयोजन किया। विपक्ष की रैली के जवाब में प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी ने भी शांति रैली निकाली। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की खुफिया शाखा के एक प्रवक्ता ने संवाददाताओं से कहा, 'हमने उन्हें (आलमगीर को) कानूनी कार्रवाई के लिए अपनी हिरासत में ले लिया है।' आलमगीर की पत्नी राहत आरा ने कहा कि पुलिस शुरू में उनके घर पहुंची और उनके घर व इमारत की सीसीटीवी कैमरे की फुटेज वाली हार्ड डिस्क लेकर चली गई। आरा ने कहा कि बाद में पुलिस फिर लौटी और 75-वर्षीय आलमगीर को हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा, 'वह (आलमगीर) बहुत बीमार हैं।'

डांसिंग मेरे सच्चे जुनून में से एक : कैटरीना कैफ

बालीवुड एक्ट्रेस कैटनीना कैफ ने कहा कि डांस उनके सच्चे जुनून में से एक है और वह इसे एक प्रशंसा के रूप में लेती हैं। कैटरीना ने कहा कि गाने और डांस संस्कृति का हिस्सा हैं। टाइगर 3 के गाने लेके प्रभु का नाम को मिल रही प्रतिक्रिया से अभिनेत्री कैटरीना कैफ बेहद खुश हैं। इस ट्रैक को प्रीतम ने संगीतबद्ध किया है, जिसे अरिजीत सिंह और निखिता गांधी ने गाया है। तमिल और तेलुगु संस्करण को बेनी दयाल और अनुषा मणि ने गाया है। कैटरीना ने कहा, ‘‘एक कलाकार के रूप में इतने वर्षों तक, एक चीज जिसने मुझे आगे बढ़ाया है वह है मेरे प्रशंसकों, मीडिया और दर्शकों का प्यार। सफलता का असली पैमाना उस प्यार में है जो व्यक्ति को लोगों से स्वाभाविक रूप से मिलता है।

लेके प्रभु का नाम हम सभी के लिए एक अद्भुत एहसास है।अभिनेत्री ने कहा, मेरे लिए डांस करना मेरे सच्चे जुनूनों में से एक है और दर्शकों का प्यार देखना पूरी तरह से खुशी की बात है। कैटरीना को लगता है कि लोगों को कलाकारों से बहुत उम्मीदें होती हैं कि वे न केवल अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन करें बल्कि उन्हें संजोने और डांस करने के लिए बेहतरीन गाने भी दें। उन्होंने कहा, एक फिल्म, एक अभिनय प्रदर्शन, एक गीत इन सभी को सफल बनाने के लिए दर्शकों से जुड़ना होगा और मैं आभारी हूं कि मैंने अपने पूरे करियर में ऐसा पाया है। मैं जानती हूं कि फिल्म में प्रदर्शन के साथ-साथ लोग हमारे गाने देखने के लिए भी उत्साहित रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं इसे एक बड़ी प्रशंसा के रूप में लेती हूं क्योंकि गाने और डांस हमारी संस्कृति और हमारी फिल्मों का हिस्सा हैं और हमेशा से यह पसंद किए जाते रहे हैं। मैं हमारे गानों से लोगों की अपेक्षाओं से वाकिफ हूं और यह मुझे हर बार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। फिल्म दिवाली 12 नवंबर को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होने के लिए तैयार है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की टाइगर 3 का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है और इसका निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है।

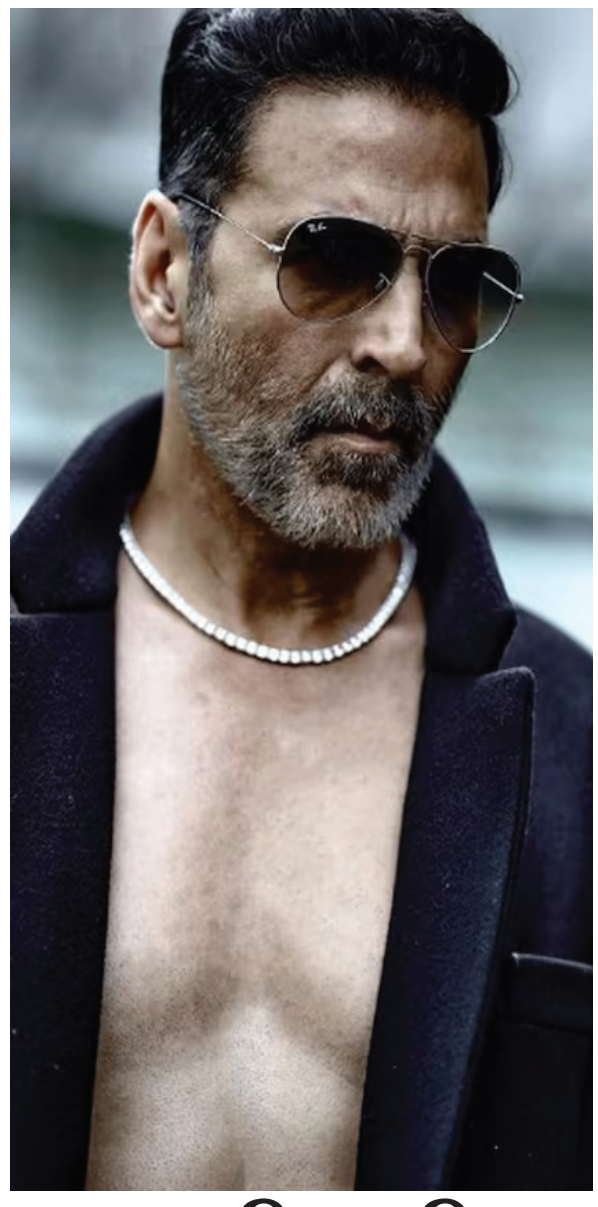

एक्शन थ्रिलर फिल्म साइको में काम करेंगे अक्षय कुमार

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार एक्शन थ्रिलर फिल्म साइको में काम करते नजर आयेंगे। अक्षय कुमार, रोहित शेट्टी निर्मित फिल्म साइको में काम करने जा रहे हैं। मोहित सूरी इस फिल्म को निर्देशित करेंगे। साइको एक्शन थ्रिलर फिल्म है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में अक्षय कुमार साइको इंसान का किरदार निभायेंगे। 'साइको' की शूटिंग 2024 की शुरुआत में शुरू होगी,इसे 40 दिन के एक शेड्यूल में स्टार्ट टु फिनिश शूट किया जाना है।

13 सालों से सलमान की टक्कर में कोई नहीं

बॉलीवुड से लेकर टॉलीवुड तक में कई सुपरस्टार हैं, लेकिन सलमान खान के स्टारडम को कोई हाथ नहीं लगा पाया है। ऐसे ही सलमान खान के नाम एक और रिकॉर्ड है। अभिनेता उन स्टार्स में से हैं, जिनसे टकराने की शायद ही किसी स्टार में हिम्मत होगी। सलमान खान के नाम ऐसा एक रिकॉर्ड है, जो इस बात को साबित करता है कि पिछले कुछ सालों में बॉक्स ऑफिस पर सलमान खान की किसी भी फिल्म को बड़े टकराव का सामना नहीं करना पड़ा है। 2010 में रिलीज हुई दबंग के बाद से लेकर अब तक, यानी 13 सालों में सलमान खान की 16 फिल्में रिलीज हुईं। इनमें बॉडीगार्ड, जय हो, दबंग 2, एक था टाइगर, किक, बजरंगी भाईजान, टाइगर जिंदा है, सुल्तान, प्रेम रतन धन पायो, ट्यूबलाइट, रेस 3, दबंग 3, भारत और किसी का भाई किसी की जान जैसी फिल्में शामिल हैं। इन सभी फिल्मों में एक समानता है कि ये सभी बॉक्स ऑफिस पर सोलो रिलीज की गई हैं।सुल्तान, टाइगर जिंदा है और प्रेम रतन धन पायो के साथ कुछ फिल्मों की रिलीज का ऐलान किया गया था, लेकिन बाद में सभी ने सलमान खान से अपनी फिल्मों के क्लैश को टालने का फैसला कर लिया। अब सलमान खान की अपकमिंग फिल्म टाइगर 3 बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। जिसमें वह एक बार फिर कैटरीना कैफ के साथ नजर आने वाले हैं। इस स्पाई, एक्शन-थ्रिलर फिल्म को भी सोलो रिलीज मिली है। बता दें, तमाम छोटे-बड़े एक्टर-डायरेक्टर्स ने दिवाली पर अपनी फिल्मों की रिलीज टाल दिया है, जिसकी सबसे बड़ी वजह खुद भाईजान यानी सलमान खान हैं। सलमान खान की बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी पकड़ है। उनके स्टारडम का ही दम है कि कई बार दर्शक अभिनेता की फिल्म देखने के बजाय उन्हें देखने ही सिनेमाघर पहुंच जाते हैं। मालूम हो कि सलमान खान को यूं ही सुपरस्टार नहीं कहा जाता। वह एक ऐसे अभिनेता हैं, जो अकेले के दम पर फिल्मों को ब्लॉकबस्टर कराने की हिम्मत रखते हैं। वॉन्टेड, दबंग, बॉडीगार्ड, जय हो और टाइगर जैसी फिल्मों के साथ वह लगातार 100, 200 और 300 करोड़ कमाई करने वाली फिल्में दे रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर हमेशा ही सलमान खान की फिल्मों का राज रहता है। सलमान खान एक क्राउड पुलर एक्टर माने जाते हैं। क्योंकि, जहां कुछ लोग तो उनकी फिल्में देखने सिनेमाघर जाते हैं तो वहीं कुछ सिर्फ उन्हें देखने ही सिनेमाघर पहुंच जाते हैं।

2 साल में ही तलाक हो गया करण और निधि का

छोटे परदे के कलाकार करण वीर मेहरा का शादी के 2 साल बाद तलाक हो गया है। पिछले साल भर से दोनों अलग रह रहे थे। दोनों की शादी जनवरी 2021 में हुई थी। अब जाकर दोनों ने एक-दूसरे से अलग होने का फैसला किया है करण और निधि की मैरिज लाइफ में काफी समय से दिक्कते चल रही थी जिस वजह से दोनों ने तलाक लेने का फैसला किया। बता दे, एक्टर करण इन दिनों अपने शो 'बातें कुछ अनकही सी' की शूटिंग में बिजी है और निधि अब बेंगलुरु शिफ्ट हो गई हैं जहां वह अपने माता-पिता के साथ रह रही हैं। एक बातचीत में इस खबर को कंफर्म किया है, हालांकि, करण ने कुछ भी कहने से फिलहाल मना कर दिया है। वहीं, करण की निधि से ये दूसरी शादी थी इससे पहले उनकी शादी 5 साल में ही टूट गई थी। निधि ने बताया कि हां, हम दोनों का पिछले 3 महीने पहले ही तलाक हो गया है वैसे हम अलग 1 पहले ही हो गए थे पर कंफर्म तलाक तीन महीने पहले हुआ है निधि ने बताया, मुझे लगता है कि टॉक्सिसिटी किसी भी रिश्ते में बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। दिमागी सुकून, एक-दूसरे की इज्जत, ईमानदारी और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी शादी में बहुत जरुरी है। बता दें कि करण वीर मेहरा की शादी टीवी एक्ट्रेस निधि सेठ जनवरी 2021 में हुई थी। दोनों मुशिकल से साल भर ही साथ रह पाए।

रणबीर कपूर कुछ दिनों के लिए लेने जा रहे हैं ब्रेक

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर कुछ दिनों के लिए ब्रेक लेने जा रहे हैं, जिसका ऐलान उन्होंने खुद किया है। इसके अलावा रणबीर ने लिपस्टिक वाले बवाल पर चुप्पी तोड़ते हुए मुंहतोड़ जवाब दिया है। हाल ही में रणबीर ने 'ब्रह्मास्त्र पार्ट 2 को लेकर नया अपडेट देते हुए बताया कि इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग साल 2024 के अंत या साल 2025 की शुरूआत में शुरू होगी। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म ब्रह्मास्त्र 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर ,आलिया भट्ट अमिताभ बच्चन, मौनी रॉय, डिंपल कपाडिया, नागार्जुन अक्किनेनी की अहम भूमिका थी। इसी बीच उन्होंने यह भी बता दिया कि वह लंबा ब्रेक लेने जा रहे हैं। रणबीर कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि वो फिल्म एनिमल के बाद 6 महीने का ब्रेक लेने वाले हैं, क्योंकि वह अपनी बेटी को समय देना चाहते हैं। दरअसल आलिया भट्ट अपनी अपकमिंग फिल्म जिगरा की शूटिंग में बिजी रहने वाली है, इस दौरान रणबीर कपूर अपनी पेरेंटल ड्यूटीज पर ज्यादा फोकस करेंगे। रणबीर का कहना है कि वो सिर्फ 180 या 200 दिन काम पर जाते हैं, लेकिन आलिया उनसे ज्यादा काम करती हैं। इसलिए ऐसे में वह आगे आकर अपनी बेटी की देखभाल करेंगे। इसके साथ ही रणबीर ने 'टॉक्सिक पति' कहलाए जाने पर भी अपनी राय रखी। दरअसल आलिया ने कुछ दिन पहले इस बात का खुलासा किया था कि रणबीर के कारण वह डार्क लिपस्टिक नहीं लगती। ऐसे में लोगों ने कहा था कि ये सारी बातें सुनकर तो यही लगता है कि रणबीर टॉक्सिक हैं। अब एक्टर ने इस मुद्दे पर कहा- वे सोशल मीडिया से दूर हैं इसलिए उन्हें ज्यादा नेगेटिविटी प्रभावित नहीं कर पाती। रणबीर ने कहा- हाल ही मैंने एक आर्टिकल पढ़ा जिसमें मेरे टॉक्सिक होने की बात कही गई थी। उस स्टेटमेंट को लेकर बोला गया था, जो मैंने दिया था। मैं सब समझता हूं मैं उन लोगों के साथ हूं जो टॉक्सिक मर्दानगी के खिलाफ लड़ रहे हैं। अगर वो मुझे इसका चेहरा बनाकर इस्तेमाल करना चाहते हैं तो ठीक है। मुझे परेशानी नहीं है, क्योंकि उनकी लड़ाई मेरे बुरा फील करने से कहीं ज्यादा बड़ी है। इसके साथ उन्होने यह भी कहा कि- कभी-कभी एक एक्टर के रूप में आपके बारे में बहुत सी बातें लिखी जाती हैं, बहुत सी राय बनाई जाती हैं, जो जरूरी नहीं कि सच हों। मालूम हो कि जहां एक तरफ बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर ने फिल्म ब्रह्मास्त्र पार्ट 2 को लेकर एक ऐलान किया है तो वहीं दूसरी तरफ उन्होंने फैंस को फिल्मों से ब्रेक लेने का कह कर झटका भी दे दिया है।

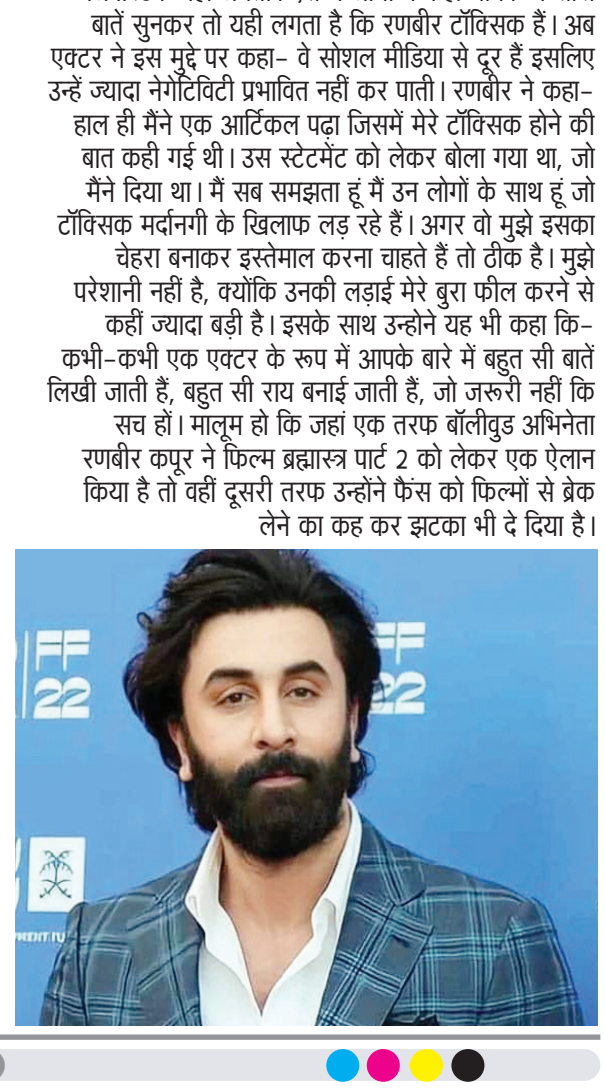

दक्षिण उद्योग का भी हिस्सा रही है रवीना टंडन

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन ने रथ सारधी, बंगारू बुल्लोडु, साधु और केजीएफ- चैप्टर 2 जैसी फिल्मों में अपनी उपस्थिति के साथ दक्षिण उद्योग का भी हिस्सा रही हैं। इनमें से सबसे ज्यादा उन्हें यश की केजीएफ 2 में काफी पसंद किया गया था, जिसमें उन्होंने प्राइम मिनिस्टर का किरदार निभाया था। उनके डायलॉग्स लोगों को काफी पसंद आए थे। हालिया इंटरव्यू में अभिनेत्री ने साउथ और बॉलीवुड में काम करने के दौरान देखे गए अंतर पर अपनी राय बयां की है। राजश्री अनप्लग्ड से बात करते हुए रवीना टंडन ने साउथ इंडस्ट्री में काम करने के दौरान जिन चीजों का आनंद लिया, उस बारे में उन्होंने अपनी राय बयां की। रवीना टंडन ने कहा, साउथ इंडस्ट्री में मुझे सबसे ज्यादा मजा आया, वो यह कि वे अपनी जड़ों और संस्कृति से इतनी मजबूती से जुड़े हुए थे कि उनकी फिल्में सुपर-डुपर हिट होती थीं। वे बहुत अधिक वेस्टर्न फिल्में नहीं बनाते हैं और कल्चर को फॉलो करते हैं। मुझे लगता है कि यही काम करता है और वहां की फिल्में सुपर- डुपर जाती हैं। जबकि मुंबई में उन्होंने पश्चिमी संस्कृति का पालन किया। उन्होंने आगे कहा, जब मैं बॉम्बे आती थी तो हर कोई कहता था कि मेरा वजन बढ़ गया है। जब मैं साउथ जाती थी तो वे कहते थे कि तुमने वजन क्यों कम कर लिया? ज्यादा खाया करो तो मुझे इसमें बहुत मजा आता था। मैं डाइटिंग छोड़कर इडली, डोसा और नारियल की चटनी खूब खाता थी। उसी इंटरव्यू में रवीना टंडन ने भी केजीएफ 1 में अपने अभिनय के बारे में निश्चित नहीं होने पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने खुलासा किया कि जब निर्देशक प्रशांत नील केजीएफ 1 के लिए उनके पास आए, तो भाग 2 की स्क्रिप्ट तैयार नहीं थी। चूंकि पहले भाग में उनके कुछ ही दृश्य थे, इसलिए उन्हें यकीन नहीं था कि वो दूसरी किस्त में काम करेंगी या नहीं, जिसके बाद उन्होंने निर्देशक से अपने बॉडी डबल का उपयोग करके भाग 1 को पूरा करने के लिए कहा था। हालांकि, उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि जब केजीएफ 2 की स्क्रिप्ट तैयार होगी, तो वो इसका हिस्सा बनेंगी। उन्होंने आगे कहा कि केजीएफ 1 को उनके बॉडी डबल का उपयोग करके रिलीज किया गया था क्योंकि उन्होंने किसी का चेहरा नहीं दिखाया था क्योंकि निर्देशक श्योर नहीं थे कि वे क्या चाहते हैं। मालूम हो कि बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने हिंदी में सत्ता, लाडला, शूल, दिलवाले, मोहरा, खिलाड़ियों का खिलाड़ी और कई अन्य फिल्मों में अपने अभिनय से सभी के दिलों में जगह बनाई है। वहीं उनका साउथ में भी काफी योगदान रहा है, जहां पर उन्होंने एक नहीं बल्कि कई फिल्मों में काम किया है और उनकी आखिरी साउथ मूवी ब्लॉकबस्टर थी।